ISBN-978-81-980225-1-6

तमसो मा ज्योतिर्गमय

अभिव्यक्ति

संस्करण 2025-26

मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय

सद्दीक नगर, नन्दग्राम, गाजियाबाद (उ.प्र.) – 201003

संपादक मंडल

दाएं से बाएं

श्री उत्तम कुमार शर्मा, प्रो० (डॉ०) अरविंद कुमार यादव, प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता (प्राचार्य), प्रो० (डॉ०) ज्योति यादव, डॉ० निधि शुभानंद, डॉ० प्रियंका

डॉ० अनु मिश्रा

डॉ० बॉबी यादव

श्री विनोद कुमार

मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय

Quality Higher Education For All

सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाजियाबाद (उ० प्र०) - 201033

वेबसाइट : www.mkrgc.in, ई-मेल : info@mkrgc.in

तमसो मा ज्योतिर्गमय

अभिव्यक्ति

संस्करण - 2025-26

प्रधान सम्पादक

प्रो. ज्योति यादव

संरक्षक

प्रो. (डॉ.) संगीता गुप्ता

प्राचार्या

सह सम्पादक

1. प्रो. (डॉ.) अरविंद कुमार यादव
2. डॉ. बॉबी यादव
3. डॉ. निधि शुभानंद
4. डॉ. प्रियंका
5. श्री उत्तम कुमार शर्मा
6. श्री विनोद कुमार
7. डॉ. अनु मिश्रा

छात्र सम्पादक

निधि भारती (बी.ए. II) खुशी (बी.ए. II) श्रद्धा त्यागी (बी.एससी III)

चंचल (बी.ए. II) सबीना (बी.ए. II) अनुष्का पाल (बी.कॉम. III)

पत्रिका में प्रकाशित लेखन सामग्री की मौलिकता एवं प्रामाणिकता का उत्तरदायित्व स्वयं लेखक का होगा, उनसे प्रकाशकीय एवं सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सरस्वती वदंना

वर दे, वीणावादिनी वर दे !
प्रिय स्वतंत्र-रव अमृत-मंत्र नव
भारत में भर दे !
वर दे, वीणावादिनी वर दे।

काट अंध-उर के बंधन-स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर
कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे !
वर दे, वीणावादिनी वर दे।

नव गति, नव लय, ताल-छंद नव
नवल कंठ, नव जलद-मंद रवः
नव नभ के नव विहग-वृंद को
नव पर, नव स्वर दे !

वर दे, वीणावादिनी वर दे।

कुलगीत

गूंजे जन जन तक यहाँ से ज्ञान की रसधार अनुपम
जयति जय जय कांशीराम राजकीय महाविद्यालय अनुपम ॥
ज्ञान पा हर क्षेत्र में आगे बढें सेवा करें।
असतो मा सद्गमय का सदा पालन करें।
प्रेम से हर बेल सिंचित हो यह ऐसा प्यारा उपवन ॥
सीखते कौशल यहाँ पर छात्र छात्राएं परस्पर,
मोर कोकिल कूजते संगीत की सरगम निरन्तर।
वातावरण की रम्यता सहयोग से महके यह हरदम ॥
ज्ञान का सूरज उगा शिक्षा से वंचित ग्राम में।
पढ़ने का अवसर मिला बच्चों को अब नंदग्राम में।
फैलती है रोशनी अब ज्ञान की ज्योति से हरदम।
मुक्त हृदय से सभी गुरुजन हैं विद्या बांटते।
प्रेम से सीखो सभी छोटा बड़ा न आंकते।
न्याय और समता का बच्चों आज फहरा दो यह परचम ॥
कला वर्ग, विज्ञान वर्ग, वाणिज्य का शिक्षण यहाँ।
ज्ञान की इक ज्योति ले जगमगायें हम जहाँ ॥
संगठन के सूक्त को जीवन में लेकर नित चलें हम ॥
आओ आओ आज मिल सब गीत गायें एक सुर में।
ताल, लय और छंद से हम बढ़ते जायें अपनी धुन में ॥
'भगत' के तुम साथ मिल कुलगीत से महका दो आंगन ॥

– रचियता
स्व0 डॉ. भगत सिंह
पूर्व असि. प्रोफेसर
(संगीत विभाग)

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राजभवन
लखनऊ-226027
13 मई 2026

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, गाजियाबाद द्वारा वार्षिक पत्रिका '**अभिव्यक्ति**' का प्रकाशन किया जा रहा है।

शैक्षणिक संस्थानो द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ विद्यार्थियो को अपनी सृजनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने का सशक्त मंच प्रदान करती हैं। इसके माध्यम से न केवल उनकी साहित्यिक प्रतिभा का विकास होता है, अपितु उनकी अभिरुचियों एवं बौद्धिक क्षमताओं का भी परिचय मिलता है। इस प्रकार के प्रयास शिक्षा के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आशा है कि प्रकाश्य पत्रिका पाठकों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी सिद्ध होगी।

वार्षिक पत्रिका '**अभिव्यक्ति**' के सफल प्रकाशन हेतु मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

(आनंदीबेन पटेल)

प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता
प्राचार्या
मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय
सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद (उ०प्र०)

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

पत्र संख्या – 372 / पी0एस0–सी0एम/2025
लोक भवन
लखनऊ – 226001

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, गाज़ियाबाद द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका '**अभिव्यक्ति**' का प्रकाशन किया जा रहा है।

समाज और राष्ट्र की प्रगति में शिक्षा का योगदान सर्वविदित है। शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों में योग्य नागरिक बनने के संस्कारों को पोषित और पल्लवित करते हैं। विद्यार्थियों में रचनात्मक प्रतिभा के विकास के लिए पाठ्येतर क्रिया–कलापों का विशेष महत्व होता है। इसके दृष्टिगत महाविद्यालय द्वारा वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन सराहनीय है। मुझे आशा है कि पत्रिका में विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सामग्री का संकलन किया जाएगा।

वार्षिक पत्रिका '**अभिव्यक्ति**' के उद्देश्यपरक प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ।

(योगी आदित्यनाथ)

प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता
प्राचार्या
मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय
सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद (उ०प्र०)

योगेन्द्र उपाध्याय
उच्च शिक्षा मंत्री
उत्तर प्रदेश

कक्ष सं0-63बी/डी, मुख्य भवन
विधान भवन, लखनऊ ।
दूरभाष - 22380551 (कार्या0)

संदेश

यह हर्ष का विषय है कि मा0 कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका '**अभिव्यक्ति**' का प्रकाशन किया जा रहा है।

मेरी कामना है कि उच्च स्तर का शिक्षण, शोध एवं सकारात्मक गतिविधियों में यह महाविद्यालय अपनी गौरवशाली परम्परा की मजबूत नींव के साथ नित नई ऊंचाइयाँ प्राप्त करें। मैं महाविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं शिक्षार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये आशा करता हूँ कि वे अपने श्रेष्ठ जीवन मूल्यों के साथ सामाजिक जीवन में उच्चतम शिखर पर पहुँचकर महाविद्यालय सहित प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि उक्त वार्षिक पत्रिका '**अभिव्यक्ति**' के प्रकाशन से छात्र–छात्राओं की वैचारिक क्षमता एवं रचनाशीलता को दिशा एवं दृष्टि प्राप्त होगी और उनकी विशिष्ट प्रतिभाओं को उभारने एवं सर्वांगीण विकास में यह पत्रिका उपयोगी सिद्ध होगी।

महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका '**अभिव्यक्ति**' के सफल प्रकाशन के लिये मेरी हार्दिक शुभकामनायें।

(योगेन्द्र उपाध्याय)

प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता
प्राचार्या
मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय
सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद (उ०प्र०)

उच्च शिक्षा निदेशालय उ0प्र0
सरोजनी नायडू मार्ग, प्रयागराज-211001
0532.2623874 (का0)
0532.2423919 (फैक्स)
ई.मेल : infodheup21@gmail.com

प्रो0 (डॉ0) मोनिका सिंह
निदेशक उच्च शिक्षा, उ0प्र0

संदेश

यह हर्ष का विषय है कि मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय सद्दीक नगर नन्दग्राम गाज़ियाबाद अपनी वार्षिक पत्रिका **''अभिव्यक्ति''** का अंक प्रकाशित करने जा रहा है। महाविद्यालय पत्रिका विचारो की **''अभिव्यक्ति''** के अवसर प्रदान करती है, जिसका प्रयोग करना सभी विद्यार्थियो का कर्तव्य है। यह पत्रिका महाविद्यालय की रचनात्मक भूमिका एवं कुशल नेतृत्व क्षमता का एक सराहनीय प्रयास है। पत्रिका समयान्तर्गत प्रकाशित होकर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होगी, ऐसा मेरा विश्वास है। यह पाठकों को रूचिकर तो लगेगी ही, साथ में देश और समाज के लिये कुछ करने की प्रेरणा भी देगी तथा यह अनुभव भी होगा कि इस अंक को पूर्व से बेहतर प्रकाशित करने का प्रयास किया गया है ।

महाविद्यालय परिवार और विद्याथिर्यो को प्रेरणादायी और समाजोपयोगी पत्रिका के प्रकाशन के लिये बधाई देती हूँ ।

शुभकामनाओं सहित !

(डॉ0 मोनिका सिंह)

प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता
प्राचार्या
मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय
सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद (उ०प्र०)

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय
मेरठ-250004 (उ0प्र0)

प्रोफेसर संगीता शुक्ला
डी०एस सी०
कुलपति

संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, गाजियाबाद की वार्षिक पत्रिका ''**अभिव्यक्ति**'' का प्रकाशन किया जा रहा है, जो महाविद्यालय की प्रगति के दर्पण के रूप एक सार्थक प्रयास है। महाविद्यालय द्वारा इस प्रकार के आयोजित विभिन्न कार्यक्रम विद्यार्थियो मे नयी उमंग एवं उत्साह के साथ सकारात्मक सक्रियता के संवर्द्धन मे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए सर्वांगीण विकास करने में सहायक सिद्ध होते हैं। साथ ही साथ इस तरह प्रकाशित की जानी वाली पत्रिकाओं से नवप्रवेशित विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलती है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि महाविद्यालय सफलतापूर्वक अपनी पत्रिका ''**अभिव्यक्ति**'' का प्रकाशन कर विद्यार्थियो को अपनी अभिव्यक्ति, ज्ञानोपयोगी लेखों एवं सृजनात्मक प्रतिभा को प्रकट करने का पूर्ण अवसर प्रदान करेगी।

महाविद्यालय परिवार को पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

शुभकामनाओ सहित ।

(संगीता शुक्ला)

प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता
प्राचार्या
मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय
सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद (उ०प्र०)

कर्तव्यनिष्ठ, सृजनोन्मुख, कर्मठ, सहृदय, कुशल प्रशासक एवं तेजस्वी प्राचार्या

प्रो0 (डॉ०) संगीता गुप्ता

प्राचार्या

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं **अभिव्यक्ति** के सभी पाठ्को,

मुझे अत्यंत हर्ष और गर्व का अनुभव हो रहा है कि हमारे महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **अभिव्यक्ति** का नवीन अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है। यह पत्रिका केवल रचनाओ का संग्रह नहीं है, बल्कि यह हमारे विद्यार्थियो की सृजनात्मकता, विचारशीलता और संवेदनशीलता का सशक्त प्रतिबिंब है।

वर्तमान परिवर्तनशील युग मे शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व के समग्र विकास पर केंद्रित है। **'अभिव्यक्ति'** इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो विद्यार्थियों को अपने विचार, भावनाएँ और प्रतिभा स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्ति करने का अवसर प्रदान करती है। इस मंच के माध्यम से छात्र–छात्राएँ न केवल अपनी लेखन क्षमता का विकास करते हैं, बल्कि समाज, संस्कृति और समकालीन विषयों की गहन समझ भी अर्जित करते हैं। मुझे यह देखकर अत्यंत संतोष है कि हमारे विद्यार्थी शैक्षणिक क्षेत्र मे ही नहीं, बल्कि साहित्य, कला और विविध सह–पाठयक्रम गतिविधियो मे भी अपनी प्रतिभा का प्रमाण प्रस्तुत कर रहे हैं। इस पत्रिका मे संकलित रचनाएँ उनके परिश्रम, कल्पनाशीलता और नवाचार की उत्कृष्ट मिसाल हैं।

इस अवसर पर मैं पत्रिका के संपादकीय मंडल, सभी रचनाकार विद्यार्थियो और मार्गदर्शक प्राध्यापको को उनकी मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई देती हूँ। इन्हीं के संयुक्त प्रयासों से यह पत्रिका समृद्ध और प्रेरणादायक बन सकी है।

अंत मे, मेरी यही आशा है कि **'अभिव्यक्ति'** निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे और विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने के लिए प्रेरित करती रहे।

सप्रेम

Sangt

प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता

Chief Proctor's Note

Dear Students and readers,

It gives me great pleasure to address all readers in this edition of our college magazine **Abhivyakti.** Manyawar Kanshiram Government Degree College, Nandgram, Ghaziabad, stands as a beacon of academic excellence, discipline, and holistic development. As Chief Proctor, I consider it both an honour and a responsibility to help foster an environment that promotes not only intellectual growth but also ethical values and social responsibility among our students.

Discipline is the foundation upon which the character of an institution is built. A welldisciplined academic atmosphere encourages concentration, mutual respect, and a sense of accountability. Our college continuously strives to maintain such an environment, enabling students to pursue their academic goals with sincerity while developing into responsible citizens of the nation.

In today's rapidly evolving world, education goes beyond textbooks. It is about shaping personalities, encouraging critical thinking, and instilling confidence. I am proud to witness our students actively participating in academic, cultural, and co-curricular activities, showcasing their talents and creativity. The college magazine serves as a wonderful platform for students to express their ideas, thoughts, and literary skills.

I extend my heartfelt appreciation to all contributors, editors, and faculty members who have worked tirelessly to produce this publication. Your efforts reflect the vibrant academic culture of our college.

I urge all students to uphold the values of discipline, integrity, and respect, and to continue striving for excellence in every aspect of life. Let us work together to make our college a centre of knowledge, innovation, and character building.

With best wishes for your bright future.

Arvind

Professor (Dr.) Arvind Kumar Yadav
Chief Proctor

From the Editor's Desk

**"Language most shows a man.
Speak that I may see thee."** **-- Ben Jonson**

Dear Readers,

My heart brims with fierce pride and overflowing joy as I present **Abhivyakti,** our college magazine, a celebration of passionate voices, soaring dreams, and the boundless creativity that unites our campus. **Abhivyakti,** meaning expression, is more than a publication; it is the very heartbeat of our college, vividly alive in the imagination and spirit of our students.

Within every page, you'll discover sparks of courage, deep reflections, and emotions powerful enough to move the soul. Each poem aches with longing, each article pulses with bold curiosity, and every work of art reveals a fragment of someone's heart. In a world racing forward, **Abhivyakti** urges us to pause, feel intensely, and embrace the beauty of connection, both within ourselves and among one another.

What makes this magazine truly special is not just the talent it showcases, but the spirit behind it. The courage to express and the willingness to be heard reminds us that every voice matters, every story is valuable, and every perspective can inspire change.

As Chief Editor, I see **Abhivyakti** not just as a magazine, but as a living movement, a heartbeat of ideas, a nurturing ground where young minds are encouraged to bloom, and a testament to the profound beauty of self-expression. My hope is that this edition not only touches your heart, but also kindles a bright spark within you, urging you to think deeply, write bravely, and share your voice with the world.

I, along with the Editorial Board express our sincere gratitude for the inspiring and heartwarming messages of the Honourable Governor of Uttar Pradesh, Smt. Anandiben Patel, **the Honourable Chief Minister, Shri Yogi Adityanath Ji, the Honourable Minister of Higher Education, Shri Yogendra Upadhyay Ji, the Director of Higher Education, Prof. (Dr.) Monika Singh Ji, and the Vice Chancellor, Prof. Sangeeta Shukla.** Their visionary leadership, steadfast commitment to academic excellence, and continued encouragement have strengthened the cause of higher education and inspired institutions like ours to foster knowledge, creativity, and responsible citizenship. We offer our heartfelt gratitude for their invaluable patronage and guidance.

The journey of bringing out this edition has been one of dedication, collaboration, and passion. I extend my sincere thanks to our talented contributors, our committed editorial team, and our respected faculty members. Their collective creativity, hard work, and guidance have shaped this vision into reality.

I, along with the Editorial Board extend our heartfelt gratitude to our esteemed Principal, **Prof. Sangita Gupta,** for her inspiring leadership, constant encouragement, and unwavering support throughout the publication of this magazine. Her vision, dedication to academic excellence, and commitment to fostering creativity have been the guiding force behind this endeavour. Her encouragement has motivated us to express our ideas with confidence and pursue excellence in every aspect of our work. We are deeply thankful for her trust, guidance, and invaluable patronage, which have made the successful publication of this issue possible.

I dedicate ***Abhivyakti*** to the enduring pursuit of knowledge, the celebration of creativity, and the limitless potential of young minds. We hope this magazine inspires its readers to seek wisdom with humility, express themselves with courage, and contribute to society with compassion. May every page remind us that learning is not merely the acquisition of knowledge but the awakening of thought and character. May ***Abhivyakti*** keep shining brightly as a beacon of courage, unity, and limitless creativity for years to come.

In the words of ***William Butler Yeats,***

"Education is not the filling of a pail, but the lighting of a fire."

With warmth and admiration

Prof. (Dr.) Jyoti Yadav
Chief Editor

भावपूर्ण विनम्र श्रद्धांजलि

स्व० डॉ० भगत सिंह

पूर्व सहायक प्रोफेसर

(संगीत विभाग)

(06.12.1974 - 22.06.2026)

अनुक्रमणिका

सुगंधिका

1. वन्यजीवन : प्रकृति की अनमोल धरोहर	ले० (डॉ०) मीनू वार्ष्णेय	4
2. आधुनिक व्यवसाय में डेटा विश्लेषण की भूमिका	जन्नत	5
3. ई–कॉमर्स का उदय और बदलते उपभोक्ता व्यवहार	स्नेहा प्रजापति	6
4. खामोश धड़कनें: प्रकृति के वे रंग, जो धुंधले पड़ रहे हैं	योगिता सिंह	7
5. रसायन विज्ञान : मानव सभ्यता की अदृश्य शक्ति	सलोनी	7
6. ''नई कार की खुशबू'' का रसायन विज्ञान	ओम प्रकाश	8
7. नैनोटेक्नोलॉजी एक अत्याधुनिक विज्ञान और तकनीक है	राहुल	9
8. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) क्या है?	सुहेब	9
9. दवाओं का निर्माण	राहुल	10
10. ''पंचतंत्र की अमर प्रेरणाएँ: युवाओं के लिए जीवन बदल देने वाली कहानियाँ''	पायल कश्यप	10
11. बुरे कार्य का बुरा नतीजा	काजल	12
12. विज्ञान एक अच्छा सेवक परन्तु खतरनाक स्वामी	अर्चना मौर्य	13
13. जीवन की राह दिखाते कबीर के दोहे	पायल	14
14. वित्तीय साक्षरता और युवा	रिया त्यागी	15
15. कुछ करना है।	चंचल	17
16. सच्ची शिक्षा	आरती	17
17. सब्र रख अभी मैं मरा नही	रोहित कुमार	17

Epiphany

1. Budgeting for Students: How to Manage Money Wisely	Dr. Meenu Chaudhary	19
2. The Quiet Architects: How a Professor's Belief Becomes Your Strength	Tripti Sunil Sharma	20
3. "The Bond We Will Always Carry"	Aanchal Sunil Sharma	22
4. The Wood Wide Web : How Trees Talk. Share, and Survive Together	Shradha Tyagi	23
5. The Secret Life Of Plants Mind-Blowing Facts About Our Green World	Nandini Raj Adarsh	26
6. Career Paths In Commerce And Allied Fields	Neelam	27
7. "Green And Sustainable Business Practices."	Shagun Chauhan	28
8. Cytogenetics	Ansh Kaushik	29
9. Responsible Consumption and Production (Sustainable Development Goal-12)	Pratima Yadav	29
10. What Is Green Chemistry ?	Suhaib	30
11. Green Chemistry: A Silent Revolution in Science	Khushboo	31
12. The Role of chemistry in Agriculture	Sachin	32
13. Beyond Plastic : Smart Polymers and Green Chemistry for India's Future	Nancy	33
14. Chemistry	Tannu	34
15. Impact Of Social Media On Present Day Society	Kajal	35

समाचारिका

1. रानी लक्ष्मी बाई ''सरस'' सांस्कृतिक क्लब एवं ''स्पंदन'' साहित्यिक पूर्व सांस्कृतिक परिषद	डॉ० निधि शुभानंद	37
2. राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई आख्या	डॉ. अनु मिश्रा	39
3. पर्यावरण क्लब	डॉ बॉबी यादव	42
4. राष्ट्रीय कैडेट कोर्प (NCC)	ले0 (डॉ.) मीनू वार्ष्णेय	45
5. रोवर्स– रेंजर्स	डॉ. श्वेता शर्मा स्व. डॉ. भगत सिंह	46
6. 'चाणक्य' वाणिज्य परिषद्	प्रो. (डॉ.) अरविंद कुमार यादव डॉ. मीनू चौधरी	50
7. The Shakespearean Council (Department of English) Report	Prof. (Dr.) Jyoti Yadav	51
9. राजनीति विज्ञान विभागीय परिषद्	डॉ. राजीव वर्मा	56
10. 'शौर्य गाथा परिषद्' इतिहास विभाग	डॉ. श्वेता शर्मा	56
11. गृहविज्ञान विभागीय परिषद्	डॉ. प्रियंका	60
12. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभागीय परिषद्	प्रो. (डॉ.) प्रीति गोयल	63
13. दर्शनशास्त्र विभागीय परिषद्	श्री वसीम मंसूर	63
14. 'देवनागरी' हिन्दी विभागीय परिषद्	श्री विनोद कुमार डॉ. बॉबी यादव	64
15. भौतिक विज्ञान विभागीय परिषद्	श्री योगेन्द्र कुमार	65
16. 'कल्पवृक्ष' वनस्पति विज्ञान विभागीय परिषद	डॉ. निधि शुभानंद	65
17. गणित विभागीय परिषद्	श्री उत्तम कुमार शर्मा	67
18. जन्तु विज्ञान विभागीय परिषद्	ले0 (डॉ.) मीनू वार्ष्णेय	68
19. रसायन विज्ञान विभागीय परिषद्	डॉ. अनु मिश्रा	68
20. कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ 'विमर्श'	डॉ. निधि शुभानंद	70
21. सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम	श्री विनोद कुमार डॉ. श्वेता शर्मा	71
22. महिला प्रकोष्ठ	डॉ. प्रियंका	74
23. क्रीड़ा परिषद्	श्री उत्तम कुमार शर्मा	75
24. मिशन शक्ति पंचम चरण	ले० (डॉ.) मीनू वार्ष्णेय	78

सुगंधिका

''पुष्प की सुगंध वायु में बहकर सीमित रहती है,
पर विचारों की सुगंध दिशाओं की अमर बना देती है।''
रामधारी सिंह 'दिनकर'

वन्यजीवन : प्रकृति की अनमोल धरोहर

ले० (डॉ०) मीनू वार्ष्णेय
असि० प्रो० (जन्तु विज्ञान)

वन्यजीवन पृथ्वी की जैव विविधता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो न केवल प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में सहायक है, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। जंगलों में रहने वाले विभिन्न प्रकार के जीव–जंतु, पक्षी, कीट और वनस्पतियाँ मिलकर एक जटिल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं। यह तंत्र पर्यावरण को संतुलित रखता है और जीवन चक्र को निरंतर बनाए रखता है। भारत जैसे देश में वन्यजीवन अत्यंत समृद्ध और विविधतापूर्ण है। यहाँ बाघ, शेर, हाथी, गैंडा, हिरण, भालू, तेंदुआ जैसे अनेक वन्य जीव पाए जाते हैं। जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और गिर राष्ट्रीय उद्यान जैसे संरक्षित क्षेत्र इन जीवों के सुरक्षित आवास के रूप में कार्य करते हैं। ये अभयारण्य न केवल वन्यजीवों की रक्षा करते हैं, बल्कि पर्यटकों को प्रकृति के करीब आने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

वन्यजीवन का महत्व केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और नैतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। वन्यजीव पर्यटन (Wildlife Tourism) देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में योगदान देता है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करता है। इसके साथ ही, यह लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाता है। भारत में वन्यजीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान पर्यटन के लिए बेहद आकर्षक हैं। यहाँ आप प्राकृतिक सौंदर्य, रोमांच और दुर्लभ जीव–जंतुओं का अद्भुत संगम देख सकते हैं। नीचे भारत के कुछ प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थल दिए गए हैं:

1. जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान
- प्रसिद्धः बाघ
- घूमने का समयः नवंबर से जून
- मुख्य आकर्षणः जीप सफारी, नदी तट, पक्षी अवलोकन
- विशेषताः भारत का सबसे पुराना राष्ट्रीय उद्यान

2. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान
- प्रसिद्धः एक–सींग वाला गैंडा
- घूमने का समयः नवंबर से अप्रैल
- मुख्य आकर्षणः हाथी सफारी, विश्व धरोहर स्थल
- विशेषताः गैंडों की सबसे बड़ी आबादी

3. रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान
- प्रसिद्धः बाघ और किले के खंडहर
- घूमने का समयः अक्टूबर से जून
- मुख्य आकर्षणः रणथंभौर किला, झीलें
- विशेषताः बाघ देखने की अच्छी संभावना

4. सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान
- प्रसिद्धः रॉयल बंगाल टाइगर, मैंग्रोव वन
- घूमने का समयः नवंबर से मार्च
- मुख्य आकर्षणः बोट सफारी
- विशेषताः विश्व का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन

5. पेरियार वन्यजीव अभयारण्य
- प्रसिद्धः हाथी
- घूमने का समयः अक्टूबर से फरवरी
- मुख्य आकर्षणः झील में वोटिंग, प्रकृति भ्रमण
- विशेषताः शांत और इको–टूरिज्म के लिए प्रसिद्ध

6. गिर राष्ट्रीय उद्यान
- प्रसिद्धः एशियाई शेर
- घूमने का समयः दिसंबर से मार्च
- मुख्य आकर्षणः शेर सफारी
- विशेषताः दुनिया में शेरों का एकमात्र प्राकृतिक आवास

7. बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान
- प्रसिद्धः हाथी, हिरण
- घूमने का समयः अक्टूबर से मई
- मुख्य आकर्षणः जंगल सफारी
- विशेषताः नीलगिरी बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा

8. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान

- प्रसिद्धः प्रवासी पक्षी
- घूमने का समयः अक्टूबर से फरवरी
- मुख्य आकर्षणः बर्ड वॉचिंग, साइकिलिंग
- विशेषताः पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग

भारत के वन्यजीव अभयारण्य पर्यटन के लिए शानदार अवसर प्रदान करते हैं। यहाँ की यात्रा आपको रोमांच, ज्ञान और प्रकृति के करीब ले जाती है। हालाँकि, आज वन्यजीवन कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। वनों की कटाई, अवैध शिकार (Poaching), प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण अनेक प्रजातियाँ विलुप्त होने के कगार पर हैं। यदि समय रहते इन समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में जैव विविधता को गंभीर नुकसान हो सकता है। वन्यजीवन के संरक्षण के लिए सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। संरक्षित क्षेत्रों का विस्तार, सख्त कानूनों का पालन, जागरूकता अभियान और सतत विकास की नीतियाँ इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। साथ ही, आम नागरिकों को भी पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा और प्रकृति के संरक्षण में अपना योगदान देना होगा। अंततः, वन्यजीवन हमारी प्राकृतिक विरासत है, जिसे सुरक्षित रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। यदि हम आज इसके संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाते हैं, तो आने वाली पीढ़ियाँ भी इस अनमोल धरोहर का आनंद ले सकेंगी।

आधुनिक व्यवसाय में डेटा विश्लेषण की भूमिका

जन्नत
बी.कॉम तृतीय वर्ष

आज का युग डिजिटल युग कहलाता है। हर दिन हम मोबाइल, इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऑनलाइन खरीदारी के माध्यम से बहुत सारा डेटा पैदा करते हैं। यही डेटा आज के आधुनिक व्यवसाय की सबसे बड़ी ताकत बन चुका है। पहले व्यापार केवल अनुभव और अनुमान पर चलता था, लेकिन अब डेटा और विश्लेषण की मदद से सही और तेज फैसले लिए जाते हैं।

डेटा का मतलब है – जानकारी, जैसे ग्राहक का नाम, उम्र, खरीदारी की आदत, पसंद–नापसंद आदि। विश्लेषण का अर्थ – इस डेटा का विश्लेषण करना और उससे उपयोगी निष्कर्ष निकालना। आधुनिक व्यवसाय में डेटा विश्लेषण कई तरीकों से मदद करता है।

1. यह ग्राहकों को समझने में सहायता करता है। कम्पनी यह जान पाती है ग्राहक क्या खरीदना पसंद करते हैं। इसी आधार पर कंपनियाँ अपने प्रोडक्ट और सेवाओं को बेहतर बनाती हैं। जैसे Amazon और Flipkart ग्राहकों की पिछली खरीदारी देखकर उन्हें नए प्रोडक्ट सुझाते हैं।

2. डेटा विश्लेषण व्यवसायिक निर्णय लेने में मदद करता है। पहले बड़े फैसले अनुमान के आधार पर लिए जाते थे, जिससे नुकसान का खतरा रहता था। अब कंपनियाँ बिक्री रिपोर्ट, मार्केट ट्रेंड और ग्राहक व्यवहार देखकर सही रणनीति बनाती हैं। इससे जोखिम कम होता है और मुनाफा बढ़ता है।

3. यह मार्केटिंग को प्रभावी बनाता है। आज कंपनियाँ सोशल मीडिया और वेबसाइट से मिले डेटा के आधार पर विज्ञापन चलाती हैं। इससे सही ग्राहक तक सही समय पर विज्ञापन पहुंचता है और खर्च भी कम होता है। इसे डिजिटल मार्केटिंग कहा जाता है।

4. डेटा और विश्लेषण कार्य क्षमता (Efficiency) बढ़ाता है। कंपनियाँ यह जान पाती हैं कि खर्च ज्यादा हो रहा है और कहाँ सुधार की जरूरत है। इससे समय, पैसा और संसाधनों की बचत होती है।

5. यह भविष्य की योजना बनाने में सहायक होता है। पुराने डेटा को देखकर कंपनियाँ आने वाले समय की मांग का अनुमान लगा सकती हैं। उदाहरण के लिए, कोई कपड़ों की कंपनी यह पता लगा सकती है कि गर्मियों में कौन–सा डिजाइन ज्यादा बिकेगा।

इसके अलावा, डेटा विश्लेषण धोखाधड़ी रोकने, स्टॉक मैनेज– मेंट सुधारने और कस्टम सर्विस बेहतर करने में भी मदद करता है।

हालाँकि डेटा का सही उपयोग करना जरूरी है। अगर डेटा गलत या अधूरा हो तो फैसले भी गलत हो सकते हैं। साथ ही, ग्राहक की निजी जानकारी की सुरक्षा भी बहुत महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि आज के समय में डेटा और विश्लेषण किसी भी व्यवसाय की रीढ़ बन चुके हैं। जो कंपनियाँ डेटा का सही उपयोग करती हैं,

वही बाजार में आगे बढ़ पाती हैं। भविष्य में इसका महत्व और भी बढ़ेगा। इसलिए आधुनिक व्यवसाय के लिए डेटा और विश्लेषण को अपनाना समय की मांग है।

✵ ✵ ✵

ई–कॉमर्स का उदय और बदलते उपभोक्ता व्यवहार

स्नेहा प्रजापति
बी.कॉम. तृतीय वर्ष

पिछले कुछ वर्षों में हमारे जीवन में इंटरनेट और स्मार्टफोन का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इन्हीं तकनीकों के कारण ई–कॉमर्स यानी ऑनलाइन खरीद फरोख्त का तेजी से विकास हुआ है। आज लोग घर बैठे मोबाइल या लैपटॉप से कपड़े, मोबाइल, खाना आदि यहां तक कि रोजमर्रा का सामान भी ऑनलाइन मंगवा रहे हैं। इस बदलाव ने न केवल व्यापार की दुनिया को बदला है, बल्कि उपभोक्ताओं के व्यवहार में भी बड़ा परिवर्तन लाया है।

ई–कॉमर्स का अर्थ

ई–कॉमर्स का अर्थ है इंटरनेट के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद और बिक्री। इसमें Amazon, Flipkart, Meesho, Myntra, Ajio, Swiggy जैसे प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इन वेबसाइट्स और ऐप्स के जरिए ग्राहक आसानी से अपनी पसंद का सामान चुन सकते हैं, कीमत की तुलना कर सकते हैं और ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं।

ई–कॉमर्स का उदय

भारत में ई–कॉमर्स का उदय विशेष रूप से डिजिटल इंडिया, सस्ते इंटरनेट और स्मार्टफोन की उपलब्धता के कारण हुआ है। पहले जहां लोग बाजार जाकर घंटों खरीदारी करते थे वही अब कुछ ही मिनटों में ऑनलाइन ऑर्डर कर देते हैं।

कोविड–19 महामारी के समय ई–कॉमर्स का महत्व और भी बढ़ गया, क्योंकि लोग घर से बाहर नहीं जा सकते थे। उस समय ऑनलाइन प्लेटफार्म लोगो की जरूरत बन गए।

बदलता उपभोक्ता व्यवहार

ई–कॉमर्स के आने से उपभोक्ताओ का व्यवहार कई तरीको से बदल गया है:

1. सुविधा की प्राथमिकता – आज का उपभोक्ता सुविधा को सबसे ज्यादा महत्व देता है घर बैठे ऑर्डर करना, मनचाहे समय पर डिलीवरी पाना और आसानी से सामान लौटाना लोगो को बहुत पसंद आता है यही कारण है कि ऑनलाइन शॉपिंग तेजी से बढ़ रही है।

2. कीमत की तुलना – ऑनलाइन प्लेटफार्म पर ग्राहक अलग–अलग ब्रांड और दुकानो की कीमतों की तुलना कर सकते है। इससे उपभोक्ता पहले से ज्यादा सचेत और समझदार हो गया है अब वह बिना सोचे–समझे महंगा सामान नही खरीदता।

3. ऑफर और छूट का असर – ई–कॉमर्स कंपनिया अक्सर सेल, कैशबैक और डिस्काउंट देती है। इन ऑफर्स का उपभोक्ताओं पर गहरा असर पड़ता है कई बार लोग जरूरत न होने पर भी सस्ते दाम देखकर खरीदारी कर लेते है।

4. रिव्यू और रेटिंग का महत्व – आज उपभोक्ता किसी भी सामान को खरीदने से पहले उसके रिव्यू और रेटिंग जरूर देखता है। दूसरे ग्राहकों के अनुभव उसके फैसले को प्रभावित करते है। इससे गुणवत्ता को लेकर जागरूकता बढ़ी है।

5. डिजिटल भुगतान की आदत – UPI, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और वॉलेट के कारण लोग नकद भुगतान से दूर होते जा रहे हैं। इससे लेन–देन आसान, तेज और सुरक्षित हुआ है।

पारंपरिक व्यापार पर प्रभाव

ई–कॉमर्स के बढ़ने से पारंपरिक दुकानदारों पर भी असर पड़ा है। कई छोटे व्यापारी अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़ रहे हैं ताकि वे भी ग्राहकों तक पहुंच सकें। इससे व्यापार का स्वरूप बदल रहा है और प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है।

समाज पर प्रभाव

ई–कॉमर्स ने रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं, जैसे डिलीवरी बॉय, वेयरहाउस कर्मचारी, कस्टमर केयर आदि। साथ ही महिलाओं और युवाओं को घर से काम

करने और ऑनलाइन व्यापार शुरू करने का मौका मिला है।

भविष्य की संभावनाएं

आने वाले समय में ई–कॉमर्स और भी तेजी से बढ़ेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल ट्रायल, और तेज डिलीवरी जैसी सुविधाएं उपभोक्ताओं के अनुभव को और बेहतर बनाएंगी। इससे उपभोक्ता व्यवहार में और बदलाव देखने को मिलेगा।

निष्कर्ष

ई–कॉमर्स का उदय आधुनिक युग की एक बड़ी उपलब्धि है। इसने उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प, सुविधा और जानकारी प्रदान की है। बदलते उपभोक्ता व्यवहार ने व्यापार की दिशा को नया रूप दिया है।

आज का उपभोक्ता समझदार, जागरूक और तकनीक– प्रेमी बन चुका है। इस प्रकार, ई–कॉमर्स और उपभोक्ता व्यवहार एक–दूसरे को प्रभावित करते हुए समाज और अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं।

✸ ✸ ✸

खामोश धड़कनें: प्रकृति के वे रंग, जो धुंधले पड़ रहे हैं

योगिता सिंह
बी.एससी. प्रथम वर्ष

''प्रकृति की गहराई में देखो, तब तुम हर चीज को बेहतर ढंग से समझ पाओगे''
– अल्बर्ट आइस्टीन

कहते हैं कि एक वैज्ञानिक केवल दिमाग से देखता है, लेकिन एक जूलॉजिस्ट (Zoologist) दिमाग और दिल दोनों से देखता है। कॉलेज की लैब में जब हम माइक्रोस्कोप के नीचे एक कोशिका को हिलते हुए देखते हैं, तो वह केवल एक जीव नहीं, बल्कि करोड़ों साल 'इवोल्यूशन' की एक जीवित दास्तां होती है। यह आर्टिकल उन खामोश धड़कनों के नाम है, जिनकी आवाज हम इंसानों के शोर में कहीं दब गई है।

जंतु विज्ञान केवल जानवरों का वर्गीकरण (Classification) नहीं है, यह समझने का विज्ञान है कि कैसे एक नन्हीं सी मधुमक्खी के पंखों की फड़फड़ाहट हमारे खाने की थाली तक पहुँचती है। प्रकृति ने हर जीव को एक 'इंजीनियर' बनाया है, मकड़ी का जाला हो या पक्षियों का घोंसला, ये बिना किसी डिग्री के बनाए गए वास्तुकला के बेजोड़ नमूने हैं।

आज जब हम 5G और AI की बात करते हैं, तब हमें यह भी सोचना होगा कि क्या हमारी तरक्की का रास्ता अन्य जीवों की लाशों से होकर गुजर रहा है? कंक्रीट के जंगलों ने गौरैया की चहचहाहट छीन ली और प्रदूषण ने नदियों को बेदम कर दिया। मैमल्स से लेकर रेप्टाइल्स तक, आज हर कोई हमसे एक ही सवाल पूछ रहे हैं – ''क्या इस धरती पर हमारे लिए कोई जगह बची है?''

जूलॉजी का छात्र होने के नाते, हमारा असली प्रैक्टिकल लैब की फाइलों तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमारा असली इम्तिहान तब है जब हम समाज को यह समझाएं कि ''को–एग्जिस्टेन्स'' (Co-existence) ही भविष्य है।

निष्कर्षः प्रकृति के बिना मनुष्य का कोई अस्तित्व नहीं है। आइए, हम सब मिलकर उन 'मूक' साथियों की आवाज बनें। तभी अंत में, हम उस चीज को बचा पाएंगे जिसे हम प्यार करते हैं।

क्या आप जानते है ?
समुद्र मे एक ऐसी जेली फिश (Turritopsis dohrnii) पाई जाती है जो जैविक रूप से अमर है। यह अपनी कोशिकाओं को वापस युवा अवस्था में ले जा सकती है !

✸ ✸ ✸

रसायन विज्ञान : मानव सभ्यता की अदृश्य शक्ति

सलोनी
बी.एससी. द्वितीय वर्ष

प्रस्तावना – रसायन विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। सबह उठने से लेकर रात को सोने तक हंम

जिन चीजो का उपयोग करते है– साबन, पवाइयाँ, भोजन, ईधन– सबके विज्ञान का गहरा योगदान है। रसायन

रसायन विज्ञान को 'Central Science' है। भी कहा जाता

रसायन विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ

(1.) कार्बनिक रसायन (Organic Chemistry)

यह कार्बन युक्त यौगिको का अध्ययन करता है।

- पेट्रोल, प्लास्टिक, दवाइयाँ
- जीवन के सभी जैविक गुण (DNA, Protein)

(2.) अकार्बनिक रसायन (Inorganic Chemistry)

यह धातु, खनिज और गैर कार्बनिक यौगिको का अध्ययन करती है।

- नमक, धातुएँ, खनिज

(3) भौतिक रसायन (Physical Chemistry)

यह रासायनिक प्रक्रियाओं के सिद्धांत और ऊर्जा का अध्ययन करता है।

- उष्मागतिक (Thermodynamics)
- क्वांटम (Mechanics)

(4.) जैव रसायन (Biochemistry)

यह जीवित प्राणियों में होने वाली रासायनिक क्रियाओं का अध्ययन करता है।

- Enzyme, Harmon

(5) Analytical Chemistry

यह पदार्थों की पहचान और मात्रा का विश्लेषण करता है।

रसायन विज्ञान का महत्त्व

- चिकित्सा क्षेत्र मे,
- दवाईयों का निर्माण
- Vaccines
- जीवनरक्षक औषधियाँ

कृषि में

- उर्वरक (Fertilizers)
- कीटनाशक (Pesticides)
- फसल उत्पादन में वृद्धि

उद्योग में:

- प्लास्टिक, रंग, सीमेंट
- पेट्रोलियम, उत्पाद

दैनिक जीवन में:

- साबुन, शैंपू
- टूथपेस्ट
- खाना पकाने की गैस

रासायनिक अभिक्रियाएँ Chemical Reactions

जब दो या दो से अधिक पदार्थ मिलकर नया पदार्थ बनाते हैं, Chemical Reactions कहते हैं।

उदाहरण:

- जल का निर्माण
- जंग लगना (Rusting)

पर्यावरण और रसायन विज्ञान

सकारात्मक प्रभाव

- जल शुद्धिकरण
- प्रदूषण नियंत्रण तकनीक

✵ ✵ ✵

''नई कार की खुशबू'' का रसायन विज्ञान

ओम प्रकाश
बी.एससी. द्वितीय वर्ष

मुख्य बात :– वह प्रतिष्ठित सुगंध सिर्फ एक चीज नही है– यह वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (Vocs) को जटिल मिश्रण है।

मुख्य बिन्दु :– चमड़ा, प्लास्टिक और चिपकने वाले पदार्थ जैसी सामग्री किस प्रकार ''विषाक्त गैसें'' छोड़ती है। यह समझाएँ। बेंजीन और फॉर्मेलिट जैसे विशिष्ट रसायनों का उल्लेख करें, और स्वास्थ्य कारणों से कार निर्माताओं द्वारा गंध–रहित'' इंटीरियर बनाने के हालिया प्रयासों के बारे मे बताएं।

यह कारगर क्यों है :– हर कोई इस गंध को जानता है, और यह रोजमर्रा की जिंदगी और प्रयोगशाला विज्ञान के बीच की खाई को पाटता है।

✵ ✵ ✵

नैनोटेक्नोलॉजी एक अत्याधुनिक विज्ञान और तकनीक है

राहुल
बी.एससी. तृतीय वर्ष

जिसमें पदार्थों का अध्ययन और उपयोग बहुत छोटे स्तर पर किया जाता है। इस तकनीक में जिन कणों का उपयोग होता है, उन्हें नैनो कण कहा जाता है। इन कणों का आकार लगभग 1 से 100 नैनोमीटर तक होता है। समझने के लिए, एक नैनोमीटर एक मीटर का अरबवां (1/1,000,000,000) भाग होता है, यानी ये कण इतने छोटे होते हैं कि इन्हें साधारण माइक्रोस्कोप से भी देख पाना कठिन होता है। बोटनी (पादप विज्ञान) में नैनोटेक्नोलॉजी का महत्व दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। पारंपरिक तरीकों से खेती और पौधों का अध्ययन सीमित था, लेकिन नैनोटेक्नोलॉजी ने इसमें नई संभावनाएँ खोल दी हैं। अब वैज्ञानिक पौधों के अंदर होने वाली सूक्ष्म प्रक्रियाओं को बेहतर तरीके से समझ पा रहे हैं और उन्हें नियंत्रित भी कर सकते हैं। नैनोटेक्नोलॉजी की खास बात यह है कि जब किसी पदार्थ को नैनो स्तर पर लाया जाता है, तो उसके भौतिक और रासायनिक गुण बदल जाते हैं। उदाहरण के लिए, कोई पदार्थ सामान्य रूप में कम प्रभावी हो सकता है, लेकिन जब उसे नैनो कणों में बदला जाता है, तो वह अधिक सक्रिय, अधिक शक्तिशाली और अधिक उपयोगी हो जाता है। यही गुण इसे पौधों के लिए बहुत लाभकारी बनाते हैं। पौधों में नैनो कण आसानी से प्रवेश कर सकते हैं। ये जडों, पत्तियों और कोशिकाओं के अंदर जाकर काम करते हैं। इससे पौधों को पोषक तत्व जल्दी और प्रभावी तरीके से मिलते हैं। यही कारण है कि नैनोटेक्नोलॉजी का उपयोग उर्वरकों, कीटनाशकों और पौधों की सुरक्षा में किया जा रहा है।

आज के समय में दुनिया की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे खाद्यान्न की मांग भी बढ़ रही है। ऐसे में पारंपरिक खेती से इतनी अधिक मांग को पूरा करना कठिन हो रहा है। नैनोटेक्नोलॉजी इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करती है, क्योंकि यह कम संसाधनों में अधिक उत्पादन करने की क्षमता रखती है।

✵ ✵ ✵

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) क्या है?

सुहेब
बी.एससी. तृतीय वर्ष

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ऐसी कंप्यूटर तकनीक है जिससे मशीनें इंसानों की तरह सोचने, समझने और निर्णय लेने जैसी क्षमता प्राप्त करती हैं। AI बड़े–बड़े डेटा से पैटर्न सीखकर अपने आप सुधारता है, जैसे चेहरे की पहचान, भाषा को समझना या रोग का पता लगाना। AI के मुख्य क्षेत्र मशीन लर्निंग (Machine Learning): मशीनों को उदाहरणों से ''सीखने'' की क्षमता दी जाती है, जैसे बिल्ली–कुत्ते की तस्वीरों से पहचानना। नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (NLP): AI इंसानी भाषा समझकर आपसे बात कर सकता है, जैसे चौटबॉट्स या वॉयस असिस्टेंट (Siri, Google Assistant)। कंप्यूटर विजनः कैमरों या तस्वीरों से चीजों को पहचानना, जैसे स्व–चालित गाड़ियों में या डॉक्टरों की मदद से रोग की पहचान। AI के उपयोग ओर फायदे स्वास्थ्य सेवाः AI से रोग का पता जल्दी लगाया जा सकता है. और दवाओं की खोज में समय कम होता है। शिक्षाः डिजिटल ट्यूटर छात्रों की गति के अनुसार निर्देश देते हैं, जिससे सीखना आसान व आकर्षक होता है। कारोबार और सेवाएँः ऑनलाइन खरीददारी में ''आपको यह पसंद आएगा'' जैसी सिफारिशें भी AI तकनीक से ही आती हैं। AI से जुड़ी चुनौतियाँ AI के साथ डेटा–गोपनीयता, नौकरियों के खतरे और नैतिक दुविधाएँ जैसी समस्याएँ भी जुड़ी हैं। अगर AI निर्णय–प्रक्रिया पूरी तरह मशीनों के हाथ में चली जाए, तो गलतियाँ या पक्षपात भी ऑटोमैटिक हो सकते हैं।

AI के मुख्य प्रकार
Machine Learning (ML):

डेटा से अनुभव सीखकर आगे के निर्णय बनाना, जैसे बिना लिखे नंबर या फोटो पहचानना । NLP (Natural Language Processing): इंसानी भाषा समझना और बोलना, जैसे चौटबॉट्स या वॉयस असिस्टेंट। Computer Vision: तस्वीरों और वीडियो से वस्तुएँ, चेहरे या बीमारियाँ पहचानना। 3. AI के उपयोगी क्षेत्र स्वास्थ्य–सेवाः डॉक्टरों की मदद से MRI-X-Ray

से रोग पहचानना, दवाओं की खोज तेज करना। शिक्षाः ऑनलाइन ट्यूटर, व्यक्तिगत अध्ययन–योजना, और मोबाइल ऐप्स द्वारा आसान सीख। व्यवसाय और तकनीकः गूगल–अमेजन जैसी कंपनियाँ AI से रिकमेंडेशन, चौट–सपोर्ट और ऑटोमेशन चलाती हैं। 4. लाभऔर फायदेकाम तेज, सटीक और 24x7 किया जा सकता है। खतरनाक कार्य (जैसे रेडियो–सक्रिय क्षेत्र) में इंसानों की जगह रोबोट–AI काम कर सकते हैं।

AI का बॉटनी (पादप विज्ञान) पर प्रभाव बीजों और किस्मों की अनुकूलन में मदद AI बीजों की जेनेटिक जानकारी व भू–जलवायु डेटा को देखकर यह बता सकता है कि कौन–सी फसल या किस्म किस क्षेत्र में बेहतर उगेगी। इससे किसानों को ''सही बीज'' चुनने में आसानी होती है और उत्पादन बढ़ता है। 2. रोग और कीट–नाशकों की जल्द पहचान।ৃ–आधारित ऐप और सैटेलाइट इमेजिंग से पौधों की पत्तियों की तस्वीरें देखकर फफूंदी, वायरस या कीटों की जांच की जा सकती है। इससे रोग फैलने से पहले ही दवा या उपचार शुरू किया जा सकता है, जिससे फसल–नुकसान कम होता है। 3. मृदा और जल–प्रबंधन में सुधार AI सेंसर और मौसम डेटा की मदद से बताता है कि मिटटी में कितनी नमी है, किस तरह की खाद या सिंचाई की आवश्यकता है। ड्रिप या स्प्रिंकलर जैसी सिंचाई प्रणालियों का नियंत्रण भी AI से किया जा सकता है, जिससे पानी और पौधे दोनों की बचत होती है।

✵ ✵ ✵

दवाओं का निर्माण

राहुल
बी.एससी. तृतीय वर्ष

आधुनिक विज्ञान की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस प्रक्रिया में केमिस्ट्री (रसायन विज्ञान) की सबसे अहम भूमिका होती है। केमिस्ट्री हमें पदार्थों की संरचना, गुण और अभिक्रियाओं को समझने में मदद करती है। इसी ज्ञान के आधार पर नई दवाओं का निर्माण किया जाता है। दवाएँ मानव जीवन को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने में सहायक होती हैं। हर दवा के पीछे वर्षों का वैज्ञानिक शोध और प्रयोग होता है। दवाओं के निर्माण की शुरुआत दवाओं की खोज से होती है। इस चरण को ड्रग डिस्कवरी (Drug Discovery) कहा जाता है। इसमें वैज्ञानिक हजारों रासायनिक यौगिकों का अध्ययन करते हैं। वे यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि कौन–सा यौगिक किसी रोग पर असर करेगा। ऑर्गेनिक केमिस्ट्री की मदद से नए–नए यौगिक बनाए जाते हैं। इन यौगिकों की संरचना में बदलाव करके उनकी प्रभावशीलता बढ़ाई जाती है। कंप्यूटर तकनीक से भी यह अनुमान लगाया जाता है कि दवा शरीर में कैसे काम करेगी। इस प्रक्रिया में बहुत कम यौगिक सफल हो पाते हैं। जब कोई यौगिक प्रभावी पाया जाता है, तब उसका निर्माण किया जाता है। इस प्रक्रिया को रासायनिक संश्लेषण (Chemical Synthesis) कहा जाता है। इसमें विभिन्न रासायनिक अभिक्रियाओं का उपयोग होता है।हर अभिक्रिया के लिए सही तापमान और दबाव जरूरी होता है। उत्प्रेरक (Catalyst) का उपयोग करके अभिक्रिया को तेज किया जाता है। इस चरण में शुद्धता बनाए रखना बहुत जरूरी होता है।

✵ ✵ ✵

''पंचतंत्र की अमर प्रेरणाएँः युवाओं के लिए जीवन बदल देने वाली कहानियाँ''

पायल कश्यप
बी.ए. द्वितीय वर्ष

''सिंह और खरगोश''

एक जंगल में एक शक्तिशाली शेर रहता था। वह रोज कई जानवरों का शिकार करता था। समी जानवर डर के कारण परेशान रहने लगे। उन्होंने मिलकर शेर से कहा कि वे रोज एक जानवर स्वयं उसके पास भेज देंगे, ताकि बाकी जानवर सुरक्षित रहें। शेर मान गया।

एक दिन खरगोश की बारी आई। खरगोश छोटा और बुद्धिमान था। वह जानबूझकर देर से शेर के पास पहुँचा। शेर गुस्से में गरजने लगा। खरगोश ने कहा, ''महाराज, रास्ते में एक दूसरा शेर मिला। उसने कहा कि वही जंगल का असली राजा है।''

यह सुनकर शेर क्रोधित हो गया और खरगोश से उस

दूसरे शेर को दिखाने को कहा। खरगोश उसे एक गहरे कुएँ के पास ले गया। शेर ने कुएँ में अपनी परछाई देखी और उसे दूसरा शेर समझ लिया। गुस्से में वह कुएँ में कूद पड़ा और डूब गया। इस प्रकार खरगोश की बुद्धिमानी से जंगल के सभी जानवर बच गए।

आज के युवाओं के लिए सीख

- केवल ताकत नहीं, बुद्धि भी बड़ी शक्ति होती है।
- कठिन परिस्थिति में घबराने के बजाय समझदारी से काम लेना चाहिए।
- समस्या का समाधान सोच–समझकर करने से बड़ी मुश्किलें भी आसान हो जाती हैं।
- आत्मविश्वास और बुद्धिमानी से कमजोर व्यक्ति भौ बड़ी चुनौती जीत सकता है।

''कौआ और घड़ा''

एक बार गर्मी के दिनों में एक प्यासा कौआ पानी की तलाश में इधर–उधर उड़ रहा था। बहुत देर बाद उसे एक घड़ा दिखाई दिया। वह खुशी से घड़े के पास पहुँचा, लेकिन घड़े में पानी बहुत नीचे था। कॉए की चोंच पानी तक नहीं पहुँच पा रही थी।

कौए ने हार नहीं मानी। उसने आसपास पड़े छोटे–छोटे कंकड़ उठाकर घड़े में डालने शुरू किए। धीरे–धीरे पानी ऊपर आने लगा। जब पानी पर्याप्त ऊपर आ गया, तो कौए ने आराम से पानी पी लिया और अपनी प्यास बुझाई।

आज के युवाओं के लिए सीख

- कठिन परिस्थिति में धैर्य और समझदारी जरूरी होती है।
- छोटी–छोटी कोशिशें मिलकर बड़ा परिणाम देती हैं।
- समस्या आने पर हार मानने के बजाय समाधान ढूँढना चाहिए।
- मेहनत और निरंतर प्रयास सफलता की कुंजी हैं।

''दो मित्र और भालू''

एक समय की बात है, दो मित्र एक जंगल से होकर गुजर रहे थे। रास्ते में उन्होंने एक–दूसरे से वादा किया कि चाहे कैसी भी कठिन परिस्थिति आए, वे साथ नहीं छोड़ेगे।चलते–चलते अचानक सामने एक आलू आ गया। पहला मित्र जल्दी से पेड़ पर चढ़ गया, लेकिन दूसरा पेड़ पर चढ़ना नहीं जानता था। उसने समझदारी से जमीन पर लेटकर अपनी साँस रोक ती, क्योंकि उसे पता था कि भालू मृत व्यक्ति को नहीं छूता।

भालू उसके पास आया, उसे सूपा और चला गया। जब खतरा टल गया, तो पहला मित्र पेड़ से नीचे उत्तरा और मजाक में पूछा, 'भालू तुम्हारे कान में क्या कह रहा था?'' दूसरे मित्र ने शांत होकर कहा, ''भालू ने यही कहा कि ऐसे मित्रों पर कभी भरोसा मत करो, जो मुसीबत में साथ छोड़ दें।''

आज के युवाओं के लिए सीख

- सच्चा मित्र वही है जो कठिन समय में साथ निभाए।
- दोस्ती केवल शब्दों से नहीं, कर्मों से साबित होती है।
- संकट के समय व्यक्ति की असली पहचान होती है।
- जीवन में अच्छे और भरोसेमंद लोगों का साथ बहुत महत्वपूर्ण है।

''चार मित्र और शिकारी''

एक जंगल में चार अच्छे मित्र रहते थे– एक हिरण, एक कौआ, एक चूहा और एक कहुआ। चारों अलग–अलग स्वभाव के थे, लेकिन उनकी दोस्ती बहुत गहरी थी। वे हमेशा एक–दूसरे की मदद करते थे।

एक दिन हिरण शिकारी के जाल में फँस गया। हिरण डर गया, लेकिन उसके मित्रों ने हार नहीं मानी। चूहा तुरंत आया और अपने तेज दाँतों से जाल काटने लगा। कौआ आसमान से नजर रखता रहा ताकि शिकारी के आने की सूचना दे सके। कुछ ही देर में हिरण आजाद हो गया।

तभी शिकारी वहाँ पहुँच गया और उसने कछुए को पकड़ लिया, क्योंकि वह धीरे चलता था। अब तीनों मित्रों ने मिलकर योजना बनाई। हिरण घायल होने का नाटक

करके रास्ते में लेट गया। शिकारी उसे पकड़ने के लालच में कछुए को नीचे रखकर हिरण की ओर दौड़ा। उसी समय चूहे ने कछुए की रस्सी काट दी और कौए ने संकेत दिया। कछुआ बच निकला और शिकारी खाली हाथ रह गया।

आज के युवाओं के लिए सीख

- सच्ची मित्रता कठिन समय में पहचान में आती है।
- हर व्यक्ति की अपनी खास क्षमता होती है।
- मिलकर काम करने से बड़ी ।

बुरे कार्य का बुरा नतीजा

काजल
बी.ए. प्रथम वर्ष

मनुष्य का जीवन उसके कर्मों पर आधारित होता है। व्यक्ति जैसा कार्य करता है, वैसा ही परिणाम उसे प्राप्त होता है। यही कारण है कि हमारे समाज में यह कहावत बहुत प्रसिद्ध है – जैसा बोओगे, वैसा काटोगे।'' अच्छे कार्य व्यक्ति को सम्मान, सफलता और खुशियाँ देते हैं, जबकि बुरे कार्य दुख, अपमान और पछतावे का कारण बनते हैं। इसलिए जीवन में हमेशा अच्छे रास्ते का चुनाव करना चाहिए। हम आपकी सच्चाई और अच्छा है कि रास्ते पर चलने वाला व्यक्ति को बहुत संघर्ष करना पड़ता है और वह लोकप्रिय भी नहीं हो पाता पर उसे सदैव आत्म संतोष रहता है और सत्य की ताकत के साथ वह हमेशा आत्मशक्ति से परिपूर्ण होता है इसके विपरीत धूर्त और मृदुभाषी पर कपटी व्यक्ति कई बार समाज में प्रशंसा और सम्मान पाता है पर यह क्षणिक होता है ऐसे व्यक्ति के लिए दूरगामी परिणाम बहुत दुखद होते हैं।

बुरे काम कई प्रकार के हो सकते हैं, जैसे झूठ बोलना, चोरी करना, दूसरों को धोखा देना, छल कपट करना, किसी का नुकसान करके स्वयं का लाभ करना, लालच करना या गलत आदतों में पड़ना। कुछ लोग जल्दी लाभ पाने के लिए गलत रास्ता अपना लेते हैं। शुरुआत में उन्हें ऐसा लगता है कि वे सफल हो रहे हैं, लेकिन समय के साथ उनके कर्मों का बुरा परिणाम सामने आने लगता है। गलत काम से कमाया गया धन या सफलता लंबे समय तक टिक नहीं पाता वो कहावत है ना ''जैसा खाओ अन्न जैसा होगा मन''

जो व्यक्ति दूसरों के साथ गलत करता है, वह धीरे–धीरे लोगों का विश्वास खो देता है और उसके द्वारा बनाई गई नकली छवि एक दिन सबके सामने आ जाती है। लोग ऐसे व्यक्ति से दूरी बनाने लगते हैं। परिवार और मित्र भी उस पर भरोसा करना छोड़ देते हैं। बुरे कर्म व्यक्ति को मानसिक तनाव, डर और असंतोष की ओर ले जाते हैं। उसे हमेशा यह भय रहता है कि उसकी गलती कभी भी सामने आ सकती है।

इतिहास और धार्मिक ग्रंथों में भी कर्मों के महत्व को बताया गया है। अनेक कथाओं में यह दिखाया गया है कि बुराई का अंत हमेशा बुरा ही होता है। चाहे कोई व्यक्ति कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, गलत कार्यों का परिणाम उसे एक न एक दिन अवश्य भुगतना पड़ता है। यही प्रकृति का नियम है। इसके विपरीत, अच्छे कार्य करने वाला व्यक्ति भले ही सबकी नजरों में अच्छा ना बन पाये पर उसमें सत्य की शक्ति, आत्म संतोष से परिपूर्ण रहता है। सत्य, ईमानदारी, परहित, दया और मेहनत जैसे गुण व्यक्ति को महान बनाते हैं। अच्छे कर्मों से मन को शांति मिलती है और जीवन सुखद बनता है। हमें हमेशा अपने कार्यों के परिणामों के बारे में सोचकर ही निर्णय लेना चाहिए।

अंत में कहा जा सकता है कि बरे काम का परिणाम कभी अच्छा नहीं होता। गलत रास्ता भले ही आसान लगे, लेकिन उसका अंत दुखद होता है। इसलिए हमें हमेशा अच्छे विचार और अच्छे कर्म अपनाने चाहिए, ताकि हमारा जीवन सफल, सम्मानित और सुखमय बन सके।

विज्ञान एक अच्छा सेवक परन्तु खतरनाक स्वामी

अर्चना मौर्य
बी.ए. प्रथम वर्ष
तमन्ना सिद्धार्थ
बी.ए. तृतीय वर्ष

आज का युग विज्ञान का युग कहलाता है। मनुष्य के जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र बचा हो जहाँ विज्ञान का प्रभाव न दिखाई देता हो। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक हम विज्ञान की अनेक खोजों और आविष्कारों का उपयोग करते हैं। बिजली, मोबाइल, इंटरनेट, वाहन, चिकित्सा, मशीनें, कंप्यूटर और संचार के साधन विज्ञान की देन हैं। विज्ञान ने मानव जीवन को सरल, तेज और सुविधाजनक बना दिया है। यही कारण है कि विज्ञान को मानव का सबसे बड़ा सेवक कहा जाता है। लेकिन जब विज्ञान का गलत उपयोग होता है, तब वही विज्ञान खतरनाक स्वामी बन जाता है।

इसलिए यह कहा जाता है कि विज्ञान एक अच्छा सेवक है, परंतु खतरनाक स्वामी भी बन सकता है। विज्ञान का मुख्य उद्देश्य मानव जीवन को बेहतर बनाना है। विज्ञान ने चिकित्सा के क्षेत्र में अद्भुत प्रगति की है। पहले जिन बीमारियों का इलाज संभव नहीं था, आज उनका उपचार संभव हो गया है। एक्स–रे, अल्ट्रासाउंड, ऑपरेशन तकनीक, टीकाकरण और आधुनिक दवाइयों ने लाखों लोगों का जीवन बचाया है। विज्ञान की मदद से डॉक्टर शरीर के अंदर की समस्याओं को आसानी से पहचान सकते हैं। आज विज्ञान के कारण जीवन प्रत्याशा बढ़ी है और लोग पहले की तुलना में अधिक स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। विज्ञान की उपलब्धियों ने मानव को नई आशा और सुरक्षा प्रदान की है। विज्ञान ने संचार और परिवहन के क्षेत्र में भी क्रांति ला दी है। पहले लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने में कई दिन लग जाते थे, लेकिन आज हवाई जहाज, ट्रेन और कारों ने यात्रा को आसान और तेज बना दिया है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने पूरी दुनिया को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है। अब लोग हजारों किलोमीटर दूर बैठे व्यक्ति से तुरंत बात कर सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा, वीडियो कॉल और डिजिटल तकनीक ने ज्ञान और सूचना को हर व्यक्ति तक पहुँचा दिया है। विज्ञान ने समय और दूरी की सीमाओं को काफी हद तक कम कर दिया है।

कृषि क्षेत्र में भी विज्ञान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आधुनिक मशीनों, उन्नत बीजों, खाद और सिंचाई तकनीकों के कारण कृषि उत्पादन बढ़ा है। पहले किसान पूरी तरह मौसम पर निर्भर रहते थे, लेकिन अब विज्ञान ने खेती को अधिक सुविधाजनक और लाभदायक बना दिया है। वैज्ञानिक शोधों ने नई फसलों का विकास किया है जिससे खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हुई है। इससे बढ़ती जनसंख्या की खाद्य आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिली है।

विज्ञान शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में भी बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ है। कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, ऑनलाइन कक्षाएं और डिजिटल पुस्तकें विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से सीखने में मदद करती हैं। इंटरनेट ने पूरी दुनिया का ज्ञान कुछ सेकंड में उपलब्ध करा दिया है। विद्यार्थी घर बैठे दुनिया की बड़ी–बड़ी लाइब्रेरी और शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच सकते हैं। विज्ञान ने शिक्षा को अधिक रोचक और सुलभ बनाया है।

लेकिन विज्ञान का दूसरा पक्ष भी है, जो चिंताजनक है। जब विज्ञान मानव के नियंत्रण से बाहर हो जाता है या उसका दुरुपयोग किया जाता है, तब वह खतरनाक स्वामी बन जाता है। विज्ञान ने जहाँ जीवन बचाने वाली तकनीकें दी हैं, वहीं उसने विनाशकारी हथियार भी बनाए हैं। परमाणु शक्ति का उपयोग ऊर्जा उत्पादन के लिए लाभकारी हो सकता है, लेकिन इसका उपयोग युद्ध में होने पर भारी विनाश ला सकता है। इतिहास में कई युद्धों में विज्ञान की खोजों का उपयोग मानवता के खिलाफ हुआ है। विज्ञान की शक्ति यदि नैतिकता से दूर हो जाए, तो यह पूरे समाज के लिए खतरा बन सकती है।

आधुनिक तकनीक के कारण मनुष्य मशीनों पर अत्यधिक निर्भर होता जा रहा है। लोग शारीरिक श्रम कम करते हैं और घंटों मोबाइल तथा कंप्यूटर के सामने

बैठे रहते हैं। इससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ बढ़ रही हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने जानकारी का विस्तार तो किया है, लेकिन साथ ही लोगों को मानसिक तनाव, अकेलेपन और समय की बर्बादी की ओर भी धकेला है। तकनीक का अधिक उपयोग बच्चों और युवाओं के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

विज्ञान ने पर्यावरण को भी प्रभावित किया है। उद्योगों, फैक्ट्रियों और वाहनों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण बढ़ाता है। प्लास्टिक, रसायन और मशीनों के अत्यधिक उपयोग ने प्रकृति का संतुलन बिगाड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग, जल प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों की कमी विज्ञान और उद्योगीकरण के अनियंत्रित उपयोग का परिणाम हैं। यदि विज्ञान का उपयोग सोच–समझकर न किया जाए, तो यह पृथ्वी के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

इसलिए यह कहना उचित होगा कि विज्ञान स्वयं अच्छा या बुरा नहीं होता। उसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि मनुष्य उसका उपयोग कैसे करता है। विज्ञान चाकू की तरह है, जिससे फल भी काटे जा सकते हैं और किसी को नुकसान भी पहुँचाया जा सकता है। यदि विज्ञान का उपयोग मानव कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के लिए किया जाए, तो यह सबसे अच्छा सेवक है। लेकिन यदि इसका उपयोग स्वार्थ, युद्ध और विनाश के लिए किया जाए, तो यह खतरनाक स्वामी बन जाता है।

अंततः विज्ञान मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा है। विज्ञान ने हमें सुख–सुविधाएँ, प्रगति और विकास दिया है। परंतु विज्ञान का सही उपयोग और संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। हमें विज्ञान का मालिक बनना चाहिए, उसका गुलाम नहीं। तभी विज्ञान मानवता के लिए वरदान सिद्ध होगा और समाज को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएगा।

✵ ✵ ✵

जीवन की राह दिखाते कबीर के दोहे

पायल
बी.ए. द्वितीय वर्ष

1. बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।
जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोप ।।
सीखः दूसरों में बुराई देखने से पहले स्वयं को देखना चाहिए।

2. काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।
पल में प्रलय होएगी, बहुरि करेगा कब ।।
सीखः काम को टालना नहीं चाहिये।

3. धीरे–धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय ।
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय ।।
सीखः धैर्य रखने से सही समय पर सफलता मिलती है।

4. ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोप ।
औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय ।।
सीखः मीठी वाणी रिश्तों को मजबूत बनाती है।

5. निंदक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय ।
बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय ।।
सीखः आलोचक हमें सुधारने में मदद करते हैं।

6. पोथी पढ़ि यदि जग मुआ, पंडित भया न कोय।
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय ।।
सीखः सच्चा ज्ञान प्रेम और व्यवहार में है।

7. माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर।
कर का मनका छोड़ दे, मन का मनका फेर ।।
सीखः बाहरी दिखावे से ज्यादा मन की शुद्धता जरूरी है।

8. जिन खोजा तिन पाइयाँ, गहरे पानी पैठ।
मैं बपुरा बूडन डरा, रहा किनारे बैठ ।। सीखः सफलता मेहनत और साहस से मिलती है।

9. साईं इतना दीजिए, जामे कुटुम समाय।
मैं भी भूखा न रहूँ, साधु न भूखा जाए।।
सीखः संतोष और संतुलित जीवन सबसे बड़ा धन है।

10. दुख में सुमिरन सब करे, सुख में करे न कोप।
जो सुख में सुमिरन करे, दुख काहे को होय ।।
सीखः अच्छे समय में भी ईश्वर को याद रखना चाहिए।

11. माटी कहे कुम्हार से, तू क्या रोंदे मोय।
एक दिन ऐसा आएगा, मैं रोंदूंगी तोय ।।
सीखः जीवन नश्वर है, अहंकार नहीं करना चाहिए।

12. जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं।
प्रेम गली अति सांकरी, तामें दो न समाहिं ।।
सीखः अहंकार छोड़ने से ही सच्चा प्रेम मिलता है।

13. जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान ।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान ।।
सीखः व्यक्ति की पहचान उसके ज्ञान से होती है।

14. मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।
सीखःजीत और हार मन की सोच पर निर्भर करती है।

15. जहाँ दया तहाँ धर्म है, जहाँ लोभ तहाँ पाप ।
जहाँ क्रोध तहाँ काल है, जहाँ क्षमा तहाँ आप ।।
सीखःदया और क्षमा जीवन को श्रेष्ठ बनाती है।

16. साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाष ।
सार–सार को गहि रहे, घोषा देई उड़ाप ।।
सीखः अच्छी बातें अपनानी चाहिए, बुरी छोड़ देनी चाहिए।

17. कबीरा खड़ा बाजार में, मांगे सबकी खैर।
ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर ।।
सीखः सभी के लिए शुभ भावना रखनी चाहिए।

18. जो तोको कांटा बुवै, ताहि बोओ तू फूल।
तोहि फूल के फूल हैं, उसे लगे त्रिशूल ।।
सीखः बुराई का जवाब अच्छाई से देना चाहिए।

19. चलती चाकी देख कर, दिया कबीरा रोय।
दो पाटन के बीच में, साबुत बचा न कोय ।।
सीखः जीवन की परिस्थितियाँ सभी को प्रभावित करती हैं।

20. कस्तूरी कुंडल बसे, मृग ढूंढे वन माहि।
ऐसे घट–घट राम हैं, दुनिया देखे नाहि ।।
सीखः जो सत्य और शक्ति हम बाहर खोजते हैं, वह हमारे भीतर ही होती है।

* * *

वित्तीय साक्षरता और युवा

रिया त्यागी
बी.कॉम., तृतीय वर्ष

यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। वितीय साक्षरता (Financial Literacy) केवल कॉमर्स के छात्रों के लिए ही नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए आवश्यक है जो एक आत्मनिर्भर जीवन जीना चाहता है। छात्र जीवन वह समय है जब आप अपनी भविष्य की आदतो की नींव रखते हैं।

हर छात्र को जानना चाहिए ये वित्तीय आदते (Financial Habits Every Student should know)

छात्र जीवन उत्साह, नए अनुभवों और का समय होता है। अक्सर उस दौरान हम अपनी पढ़ाई और करियर पर ध्यान देते है लेकिन एक महत्वपूर्ण पहलू को नजर अंदाज कर देते है– 'पैसों का प्रबंधन'। कई छात्रों को लगता है कि वित्तीय प्रबंधन की बात नौकरी के बाद की जानी चाहिए। जबकि सच्चाई इसके विपरीत है। छात्र जीवन में अपनाई गई छोटी छोटी वित्तीय आदतें आपके भविष्य की अर्थिक स्थिरता की नींव रखती हैं।

1. बजट बनाना : अपनी आए और व्यय को समझे विद्या अनुशासन की पहली सीढ़ी बजट बनाना है चाहे आपके घर के पॉकेट मनी मिलती हो या आप पार्ट टाइम जॉब से कमाते हो आपको पता होना चाहिए कि आपका पैसा कहां जा रहा है।

- **50/30/20 नियमों का पालन करें** : अपनी कुछ राशि का 50% आवश्यकताओं (किराया, भोजन, किताबें) पर 30% इच्छाओं (मनोरंजन, बाहर खाना) पर खर्च करें और कम से कम 20% बचाने की कोशिश करें।

- **डिजिटल टूल्स का उपयोग** : आज कई ऐसे ऐप उपलब्ध हैं जो आपके खर्चों को ट्रैक करने में मदद करते हैं।

2. बचत की आदत : पहले बचत फिर खर्च ज्यादातर छात्र महीना खत्म होने पर जो बचत है उसे बचाने की सोचते हैं सही तरीका यह है कि जैसे ही पैसे आए एक निश्चित हिस्सा अलग निकाल लें। बचत केवल बड़े लक्षणों के लिए नहीं होती, बल्कि यह आपको आपातकालीन स्थिति (Emergency Found) के लिए भी तैयार करती है । यदि कभी अचानक लैपटॉप खराब हो जाए या कोई मेडिकल जरूरत आ जाए, तो आपको दूसरों पर निर्भर नही रहना पड़ेगा।

3. बैंक फीचर्स और टेक्नोलॉजी का सही इस्तेमाल आज के दौर में बैंकिंग केवल पैसे जमा करने तक सीमित नहीं है। एक जागरुक छात्र के रूप में आपको ये बातें पता होनी चाहिए :

- **जोरो बैलेंस छात्र खाता :**

कई बैंक छात्रों के लिए विशेष खाते प्रदान करते है जिसमे न्यून्तम बैलेंस रखने की मजबूरी नहीं होती।

- **UPI और सुरक्षा :**

डिजिटल भुगतान आसान तो है लेकिन धोखाधड़ी से बचना भी जरूरी हैं। अपना पिन कभी साझा न करें और केवल सुरक्षित ऐप्स का ही प्रयोग करें।

- **ब्याज की शक्ति (Power of Compounding)**

छोटी उम्र में बचत शुरू करने का सबसे बड़ा फायदा 'चक्रवृद्धि ब्याज है। यहीं आपका पैसा समय के साथ खुद पैसा बनाता है।

4. कर्ज के जाल से बचे : क्रेडिट कार्ड और अभी खरीदे बाद में भुगतान करें (Buy Now, Pay Later) जैसे विकल्प आकर्षक लग सकते हैं लेकिन ये छात्रों के लिए खतरनाक हो सकते हैं । बिना सोचे–समझे लिया गया कर्ज न केवल मनसिक तनाव पैदा करता है। बल्कि बल्कि आपके क्रेडिट स्कोर को भी खराब कर देता है। भविष्य में होम लोन या कार लोन लेते समय एक अच्छा क्रेडिट स्कोर बहुत मायने रखता है ।

5. निवेश की बुनियाद समझ : छात्रों को निवेश (Investment) के बारे में सीखना शुरू कर देना चाहिए शेयर बाजार, म्युचुअल फंड या गोल्ड बॉन्ड जैसे चीजों के बारे में पढ़े। शुरुआती दौर में आप बहुत कम राशि से SIP (Systeatic Investment plan) शुरू कर सकते हैं। याद रखें निवेश करना अमीर बनने का तरीका नहीं बल्कि अपनी सम्पति को बढ़ाने का जरिया है।

निष्कर्ष

वित्तीय आदतें रातों–रात नहीं बनती। इसके लिए धैर्य और निरंतरता की आवश्यकता होती है। यदि आप छात्र जीवन मे ही अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना और सही निवेश करना सीख जाते हैं तो आप भविष्य की कई आर्थिक समस्याओं से बच सकते हैं। याद रखें, यह मायने नहीं रखता कि आप कितना कमाते है, बल्कि यह मायने रखता है कि आप कितना बचाते हैं, और उसे कैसे प्रबंधित करते हैं।

आज से ही एक छोटी शुरुआत करें, क्योकि '' आज की बचत, कल को सुरक्षा है।''

✵ ✵ ✵

कुछ करना है।

चंचल
बी.कॉम. प्रथम वर्ष

कुछ करना है। तो डरकर चल !
थोड़ा दुनिया से हटकर चल!!
लीक पर तो सभी चल लेते है!
कभी इतिहास को पलटकर चल !!

बिना काम के, मुकाम कैसा?
बिना मेहनत के, दाम कैसा ?
जब तक ना हासिल हो मंजिल,
तो राह में आराम कैसा?
अर्जुन सा निशाना रख,
मन में न कोई बहाना रख !
लक्ष्य सामने है। उसी पे अपना निशाना रख।
सोच मत, साकार कर ।
मिलेगा तेरी मेहनत का फल,
किसी और का ना इन्तजार कर !
जो चले थे अकेले, उनके पीछे आज मेले !
जो करते रहते इन्तजार, उनकी
जिन्दगी में आज भी झमेले है।

✵ ✵ ✵

सच्ची शिक्षा

आरती
बी.कॉम., प्रथम वर्ष

सच्ची शिक्षा वो नहीं
जो हमे धन–दौलत दिलवाए ।
सच्ची शिक्षा वो है.
जो समाज में हमारा मान बढ़ाए।

सच्ची शिक्षा वो नहीं,
जो हमारी बाह्य सुंदरता से
हमारा परिचय करवाए,
शिक्षा तो वो है,
जो हमारे आंतरिक व्यवहार
में निखार लाए।

सच्ची शिक्षा वो नहीं,
जो असत्य का जाल बिछाए,
सच्ची शिक्षा तो वो है
जो सत्य का मार्ग दिखाऐ
सच्ची शिक्षा वो नहीं, जो
नफरत के बीच फैलाए,
सच्ची शिक्षा तो, वो है,
जो हृदय में प्रेम के फूल दिलाए।
सच्ची शिक्षा वो नहीं
जो सिर्फ मैं को भावना को जगाए।
सच्ची शिक्षा तो वो है,
जो मानवता का धर्म सिखाए।

✵ ✵ ✵

सब्र रख अभी मैं मरा नही

रोहित कुमार
भूतपूर्व छात्र बी.ए.
वर्ष : 2022–23

मेरी हार का मुझे मलाल नही
दुःख तो इस बात का है, ऐ किस्मत
कि मैं तुझसे (किस्मत) से लड़ा नही,
इस बार जरूर जीत गई तू लेकिन
सब्र रख अभी मैं मरा नही।

✵ ✵ ✵

Epiphany

"Epiphany is the soul's sudden sunrise."

- Unknown

Budgeting for Students: How to Manage Money Wisely

Dr. Meenu Chaudhary
Asssistant Professor
Faculty of Commerce

Every student deals with limited money in daily life. Pocket money may come from parents, scholarships, stipends, or part-time jobs. Since resources are limited, it becomes very important to use money carefully and wisely, many students face situations where their money finishes before the end of the month. This usually happens due to unplanned spending and lack of financial discipline. Learning budgeting at a young age helps students develop responsible financial habits that remain useful throughout life.

What is a Budget?

A budget is a simple plan that shows how much money you receive and how you plan to spend it over a certain period, such as a week or a month. It helps students allocate money for important needs first and then for other activities. Budgeting does not require advanced financial knowledge. It only requires honesty, planning, and discipline. For example, if a student receives 13,000 per month as pocket money, they can divide it into categories like food, transport, mobile recharge, study materials, and savings. This simple planning helps prevent overspending and ensures that money lasts for the entire month.

How to Track Expenses

Tracking expenses means keeping a regular record of all spending. This can be done using a small notebook, diary, or a mobile application. Students should write down every expense, even small amounts spent on snacks, tea, or online purchases. At the end of the week or month, reviewing these records helps students understand where their money is going. Many times, students are surprised to see how small daily expenses add up to a large amount. Tracking expenses creates awareness and encourages better financial decisions in the future.

Importance of Saving

Saving money is one of the most important & nancial habits a student can develop. Even saving a small portion of pocket money regularly can build a strong financial foundation. Savings can be used during emergencies, for educational needs, or for achieving personal goals such as buying books, gadgets, or paying for courses. Saving also reduces financial stress and creates a sense of security. A simple rule for students is to save at least 10% to 20% of their pocket money every month. Over time, this habit can lead to financial independence and confidence.

Avoiding Impulse Spending

Impulse spending is one of the biggest challenges students face. It refers to buying things suddenly without planning or thinking about the consequences. Attractive discounts, advertisements, peer pressure, and online shopping often encourage unnecessary spending. Students may buy items that are not essential, which later leads to regret when

money runs short. To avoid impulse spending. students should make a shopping list and stick to it. Another useful practice is to wait for 24 hours before making a non-essential purchase. This waiting period helps in making more rational and thoughtful decisions.

Planning Monthly Expenses

Planning monthly expenses is a practical way to manage pocket money effectively. Students should first identify their essential expenses, such as food, transportation, books, stationery, internet recharge, and other academic needs. These expenses should be given top priority. After covering essential needs, the remaining money can be used for entertainment, outings, or hobbies. Planning also helps students prepare for special expenses such as festivals, trips, or examinations. When expenses are planned in advance, students are less likely to face financial difficulties.

Budgeting provides several long-term benefits for students. These include :

- **Better financial control** over income and expenses
- **Reduced financial stress** and anxiety
- **Development of discipline and responsibility**
- **Improved decision-making skills**
- **Preparation for future financial independence**
- **Ability to handle emergencies confidently**

Students who practice budgeting become more confident in managing their finances and are better prepared for adult life.

Good budgeting leads to financial discipline and responsible money management. Students who learn to manage their pocket money wisely today will build strong financial habits that support their success in the future. Budgeting is not about restricting spending; it is about using money in a smart and planned way.

✵ ✵ ✵

The Quiet Architects: How a Professor's Belief Becomes Your Strength

Tripti Sunil Sharma
Alumna B.A
Batch of 2023-24

Beyond Degrees and Marksheets

College often feels like a place to earn a degree, collect notes, and clear exams. But my journey at Manyavar Kanshiram Government Degree College gave me more than a marksheet-it gave me a voice and a new identity. It transformed the campus from just a physical space of classrooms into a sanctuary of self-discovery, Beyond the structured syllabus, I found the courage to look past mere percentages and focus on the person I was truly becoming.

Professors as "Quiet Architects"

Professors were not just subject experts;

they were Quiet Architects-silently shaping our confidence, observing our potential, and waiting for the right moment to bring it out. They looked past our initial hesitation and recognized the hidden strengths we didn't know we possessed. With immense patience, they laid the foundation of our dreams, proving that a teacher's greatest impact is not just found in the lessons they write on the board, but in the belief they imprint on a student's heart.

The Power of the "Nudge"

Confidence doesn't arrive in a single lecture. It grows through small nudges-an encouraging nod, a push to take the microphone, or trust placed in us when we feel unprepared. My mentor's insistence that my perspective mattered led me to anchor Hindi Diwas, transforming nervousness into leadership.

Building Confidence through Participation

Learning at our college extended far beyond classrooms. Professors encouraged us to participate in poem recitals, dance performances, and cultural events. Each activity became a brick in the wall of my self-confidence. They taught me that confidence is a muscle,it strengthens every time you challenge yourself.

The Legacy of Mentorship

True mentors never let students settle for "just enough." They reminded us that the stage-whether in college or in life is not about perfection, but authenticity. Mistakes were not failures; they were steps toward becoming fearless. They create a safe space where our doubts are met with patience and our ambitions are given direction. Long after we step out of the college gates, the essence of their mentorship remains with us, transforming from a guiding hand into a quiet, inner resilience that helps us navigate the challenges of the professional world.

A Message to the Current Batch

Dear students, see your professors as your strongest advocates. When they ask you to lead, debate, or perform, they are preparing you for the real world. Grades matter, but so does the courage to stand tall, speak clearly, and lead confidently.

Your three years are a **Confidence Lab.** Use them wisely. Trust your mentors' belief in you, and you will walk out not just as graduates, but as leaders.

Your marksheets will record your past, but your confidence will script your future. So, do not just study to pass; participate to transform. Step out of your comfort zones, raise your hands, raise your voices, and own your journey.

Years from now, you won't just remember the percentages you scored, but the moments you conquered your fears. Let this college be the place where you discovered who you truly are. Trust the process, trust your teachers, and most importantly, trust yourself.

"The world outside is waiting for your

voice. Don't just graduate-rise. May your education always give you the wings to fly, and your mentors' wisdom be the wind beneath them."

✵ ✵ ✵

"The Bond We Will Always Carry"

Aanchal Sunil Sharma
Alumna B.A.
Batch of 2023-24

Our College, Our Second Home

Some places in life become more than just institutions-they become a part of our memories and emotions. For us, Manyavar Kanshiram Government Degree College will always remain a very special place. Even though our college journey has ended, the bond we share with our college still feels strong and meaningful.

The Beginning of the Journey

When we first entered the college, everything felt new and unfamiliar. We came with different dreams, fears, and expectations about the future. Slowly, the classrooms, corridors, and campus environment became a part of our everyday life. What once felt unfamiliar soon started feeling like a second home.

Guidance of Professors

One of the most beautiful parts of our college life was the support and kindness of our professors. Every professor guided students with patience, understanding, and encouragement. They not only focused on studies but also motivated us to believe in ourselves and move forward with confidence. Their positive words during stressful times helped many students feel stronger and more hopeful. Even today, we remember them with deep respect and gratitude.

Memories with Friends

College life was also filled with unforgettable memories. Sitting with friends during free periods, discussing assignments before class, attending functions, laughing together, and creating memories through simple everyday moments made our journey special. At that time, these moments felt ordinary, but today they have become some of our most valuable memories.

Lessons Beyond Books

Along with happy moments, college also taught us important life lessons. There were stressful exams, confusion about the future, and difficult days when things did not go as planned. But those experiences helped us become more mature, responsible, and confident individuals. Our college taught us lessons beyond books and prepared us for life ahead.

Forever Connected

Today, as alumni, when we look back at our journey, we realize how deeply these years shaped us. We may have moved forward in different directions, but a part of our hearts will always remain connected to Manyavar Kanshiram Government Degree College.

"Some bonds never fade with time, and our bond with our college is one of them."

Gratitude

Thank you to all our professors, friends, and everyone who made this journey so beautiful and memorable. Our college memories will always stay close to our hearts.

❋ ❋ ❋

The Wood Wide Web : How Trees Talk. Share, and Survive Together

Shradha Tyagi
B.Sc. II

When I first learned that trees communicate with each other, I genuinely did not believe it. It sounded like something out of a fantasy novel, not a botany textbook. But the more I read, the more I realized that the forest floor beneath our feet is one of the most sophisticated communication systems on Earth, built not from wires or signals, but from living fungal threads thinner than a human hair.

This underground network is called the mycorrhizal network, and scientists have affectionately nicknamed it the Wood Wide Web. It connects the roots of trees across entire forests, allowing them to exchange nutrients, water, carbon, and even chemical warning signals. What looks like a silent, still forest from above is actually buzzing with biological conversation below.

The Scientist Who Changed Everything

The story of how we came to understand this network is as remarkable as the network itself. Dr. Suzanne Simard, a forest ecologist from Canada, spent decades studying forests in British Columbia. In the 1990s, she conducted a now-famous experiment where she injected radioactive carbon into a birch tree and watched, through a Geiger counter, as that carbon traveled underground and appeared inside a nearby fir tree. The trees were sharing resources. Not accidentally. Not randomly. They were doing it in a way that suggested the network had some form of direction to it.

Her research was initially dismissed. Journals rejected it. Colleagues were skeptical. But she kept going, and eventually her findings were published in Nature, shaking the scientific community. Today, Simard is one of the most cited ecologists in the world, and her work has fundamentally changed how we understand forests.

"The forest is not a collection of individual trees competing for resources. It is a community," and the mycorrhizal network is what makes that community possible.

What Exactly Is a Mycorrhizal Network?

To understand the Wood Wide Web, we have to start with mycorrhizae. The word itself comes from Greek, mykes meaning fungus, and rhiza meaning root. Mycorrhizal fungi form a symbiotic relationship with plant roots where both partners benefit. The fungus receives sugars and carbohydrates from the plant, produced through photosynthesis. In return, the fungus dramatically extends the plant's ability to absorb water and minerals, especially phosphorus and nitrogen, from the soil.

What makes this extraordinary is the scale. The fungal filaments, called hyphae, are so thin and so numerous that a single teaspoon of healthy forest soil can contain several kilometers of these threads. When the hyphae of one fungus connect with those of another, and those connect with tree roots across the forest floor, you end up with a network that links hundreds of trees across thousands of square meters. A single fungal network in Oregon, USA, was found to cover almost nine square kilometers, making it one of the largest living organisms ever discovered

Mother Trees: The Elders of the Forest

Not all trees in the network are equal. The oldest, largest trees, usually the ones that have been standing for over a century, act as central hubs in the mycorrhizal web, Simard called them Mother Trees. These trees have the deepest root systems, the most extensive fungal connections, and they produce the most carbon through their massive canopies

Mother Trees use the network to nurture younger seedlings growing in their shade Seedlings growing in low light cannot photosynthesize enough to sustain themselves, so the Mother Tree sends carbon and nutrients through the network to keep them alive. When researchers shaded seedlings experimentally and traced carbon movement, they found that the Mother Trees were actively compensating for the seedlings reduced photosynthesis. It was not passive diffusion. The transfer was greater toward seedlings that needed it more.

Perhaps the most astonishing discovery was kin recognition. Mother Trees can distinguish between their own offspring and unrelated seedlings. Studies showed that they send significantly more carbon to their own seedlings than to strangers. They also reduce their root competition around their offspring, giving them more space to grow. In a world where we often think of nature as purely competitive, this behavior looks unmistakably like care.

Warnings Travel Underground Too

The network does not only carry nutrients. It also carries information. When a tree is attacked by insects or a pathogen, it sends chemical distress signals through the mycorrhizal network. Neighboring trees pick up these signals and respond by ramping up their own chemical defenses, producing compounds that make their leaves and bark less palatable to insects,

before the attackers even reach them.

This was demonstrated clearly in studies on pine trees attacked by western pine beetles. Unattacked trees connected to the network showed elevated levels of defensive compounds compared to trees that had been deliberately severed from the network. The disconnected trees were essentially deaf to the warning and were far more vulnerable when the beetles arrived.

There is also evidence that dying trees, as they near the end of their life, dump massive amounts of carbon and nutrients into the network, as if passing on their inheritance to the community. A dying birch tree was observed transferring several times the normal amount of carbon to neighboring firs in its final weeks. Whether this is a deliberate act or simply a byproduct of dying physiology is still debated, but the effect is real.

Why This Matters Beyond Science

Understanding mycorrhizal networks has enormous implications for how we manage forests. Modern logging practices often clear-cut entire areas, removing not just the trees but destroying the fungal networks that took decades to build. When a new plantation is planted in its place, the young trees lack the support of an established network. They grow slower, face more disease, and are far less resilient. Research now suggests that leaving some Mother Trees standing during logging operations, and preserving the soil structure. can significantly improve the survival of replanted forests.

In agriculture, mycorrhizal inoculants are now being developed as alternatives to chemical fertilizers. Introducing beneficial fungi to crop soils can improve nutrient uptake reduce the need for phosphorus fertilizers, and improve drought resistance. This is not a fringe idea anymore. It is being actively researched by agricultural institutions around the world and holds real promise for sustainable farming.

A Different Way of Seeing the Forest

What strikes me most about the Wood Wide Web is not just the science. It is the way it forces us to rethink what we consider intelligence, individuality, and community. We have always assumed that plants are passive, that a forest is just a collection of individual organisms doing their own thing. But the evidence tells a different story. Forests are cooperative systems. The trees within them are not just neighbors. They are participants in something much larger than themselves.

Botany has a reputation for being quiet and slow, a science of leaves and Latin names. But research like this reminds us that plants have been solving complex problems of survival, communication, and resource distribution for hundreds of millions of years. They just do it on a timescale and in a language we are only now beginning to hear.

The next time you walk through a forest,

remember that the ground beneath your feet is alive in ways you cannot see. Every tree around you is connected, listening, and in its own quiet way, looking out for the others.

✵ ✵ ✵

The Secret Life Of Plants Mind-Blowing Facts About Our Green World

Nandini Raj Adarsh
B.Sc. I

1. Plant Communication & Behavior

- **Ultrasonic "Screams":** When plants are thirsty or physically hurt, they make high-pitched sounds that humans cannot hear, but some animals can.

- **The "Wood Wide Web":** Plants talk to each other underground using a network of fungi to share food and send warning signals.

- **The Smell of Danger:** The scent of freshly cut grass is actually a distress signal used by the plant to warn nearby plants.

- **Plants Can Hear:** Research shows roots can detect the vibration of water flowing nearby, helping them grow toward it.

2. Incredible Capabilities

- **Fastest Growth:** Bamboo can grow up to 35 inches in a single day you can almost watch it happen!

- **Solar Powered:** Plants are the only living things that "eat" sunlight to make food.

- **Energy Usage:** They capture more energy than all of human civilization uses.

- **Living Fossils:** The Ginkgo tree has remained unchanged for 280 million years, surviving dinosaurs and ice ages.

- **Heavy Seeds:** The largest seed (Double Coconut) weighs 45 pounds, which is the same as a 5-year-old child.

3. Food & Household Surprises

- **Outside Seeds:** Strawberries are the only fruit that carries their seeds on the outside (about 200 per berry).

- **Natural Floats:** Apples and cranberries float because they are roughly 25% air.

- **Not a Nut:** Peanuts are actually legumes, meaning they are more related to beans and peas than to walnuts.

- **Ancient Medicine:** Aspirin was originally derived from the bark of willow trees.

14. Bizarre Plant Life

- **The Stink King:** The Corpse Flower is the world's largest flower, and it smells like rotting meat to attract flies.

- **Tiny Wonders:** The smallest flowering

plant is the Watermeal, which is about the size of a grain of salt.

• **Lightning Targets:** Oak trees are more likely to be hit by lightning than any other tree species.

5. Why Plants Matter

• **Ocean Life:** About 85% of all plant life on Earth is actually found in the ocean.

• **Oxygen Factories:** A small family-sized lawn can produce enough oxygen for four people to breathe.

• **Our Diet:** Humans rely on just 30 different plants for 90% of the food we eat globally.

* * *

Career Paths In Commerce And Allied Fields

Neelam
B.Com. III

Today, commerce is no longer limited to accounting or banking. It has become a field that offers a wide range of career options for young people. Many areas such as business, finance, management, digital marketing, and entrepreneurship are linked to commerce. With proper guidance and hard work, commerce students can build a successful future.

The primary objective of commerce is to understand business, money management and services. Students studying this subject gain knowledge of accounting, economics, business studies, and finance, which opens up a variety of professional avenues.

The most popular careers include Chartered accountant.

The primary objective of commerce is to understand business, money management, and services. Students studying this subject gain knowledge of Accounting, Economics, Business Studies and Finance, which opens up a variety of professional avenues.

Chartered Accountant (CA) is one of the most popular career options. This is a respected and well-paid profession. After becoming a CA, individuals can work in areas such as taxation, auditing, and financial advisory. Similarly, Company Secretary (CS) and Cost and Management Accountant (CMA) are professional courses that offer high-level positions in the corporate sector.

Banking and finance are also a major field for commerce students. Exams like IBPS and SBI can lead to becoming a bank officer or a clerk.

Positions like investment banking, mutual fund advisors and financial analysts are also available.

Interested in management? BBA and MBA. An integrated BBA MBA (4-5 years) or pursuing them separately offers a fast-tracked, comprehensive foundation in management, ideal for quick entry into leadership roles, entrepreneurship, and

specialized corporate fields like marketing, finance, HR or analytics. These programs save time compared to separate degrees, offering specialized knowledge and practical skills for career advancement.

✵ ✵ ✵

"Green And Sustainable Business Practices."

Shagun Chauhan
B.Com. I

Green and Sustainable business Practices are essential for long-term viability and positive impact in today's world. These strategies integrate environmental and social considerations into core business operations, moving beyond traditional profit motive to embrace to triple bottom line: People, planet, and profit.

Resources Efficiency: Implementing measures to reduce energy consumption, water usage, and raw material waste not only minimize environmental harm but also cuts operational costs. This can involve adopting renewable energy sources or improving supply chain logistics.

Engage Employee: Foster a culture of sustainability within your organization. Encourage and educate employees to actively participate in sustainable initiatives.

Element of Sustainable Business Practices :-

- Renewable Energy Adoption.
- Circular Economy Approach.
- Ethical Sourcing and Supply chain Responsibility.
- Carbon Neutrality and offsetting.

The Business Benefits of Sustain ability:-

- Cost Savings
- Enhanced Brand Image.
- Regulatory Compliance
- Attracting Talent.

Steps Towards a Sustainable Future

Set clear Sustainability Goals :-
Define measurable sustainability objectives aligned with your organization's value and long-term vision.

Engage Employees :-
Foster a culture of sustainability within your organization. Encourage and educate employees to actively participate in sustainable initiatives.

Collaborate and Share Knowledge :-
Collaborate with industry peers and share best practices to collectively drive sustainable change within your sector.

By integrating sustainable business practices into our operations, we can pave the way for a greener and more prosperous future. Let us all take up the mantle of responsibility, for the well-being of our planet and the generations to come, by making sustainability an integral part of our business strategy.

✵ ✵ ✵

Cytogenetics

Ansh Kaushik
B.Sc. III

INTRODUCTION

Cytogenetics, that is, the Study of Chromosomes within a Cell, that was developed to understand the genetics basis of human disorders. Cytogenetics was able to evolve over time from the Classic Morphologic Study of Chromosomes under the microscope to more Sophisticated techniques.

The Chromosomes do not need to be physically visualized any More, but their abnormalities are detected Molecularly. This led to progressive increases in the resolution at which Chromosomal abnormalities could be detected, allowing the identification of an expanding number of Chromosomal anomalities.

Application of Cytogenetics

Cytogenetics Studies aim at revealing Chromasomal anomalies resulting in human pathology. These include aneuplodies differences in the number of whole Chromosomes, Copy Variants, or rearrangements. Structural abnormalities of Chromosomes involve genomic regions of variable Size, and the ability to detect them is Correlated with the Sensitively of the adopted techniques.

Classic & Molecular Cytogenetics

The Most Classic Cytogenetic test is Karyotype analysis, which directly Visualizes Stained human Metaphase Chromosomes under the Microscope, and is able to reconized abnormalities in their Number and Structural defects.

With an average resolution of about 10MB. Due to the large Size of the genomic regions involved. Most patients with an abnormal karyotype show a syndromic clinical presentation characterized by the association of dysmorphisms. Intellectual impairment, and multiple defects which in some Case Involve the Cerebellum, resulting in ataxia, as part of a more Complex phenotype.

❋ ❋ ❋

Responsible Consumption and Production (Sustainable Development Goal-12)

Pratima Yadav
B.Sc. I

In this era of Urbanization and industrialization People often 'lose sight of reality. It is unfortunate that we have reached a point where we need to introduce observance like Earth day to protect our planet. People often overlook that conserving nature is not just a responsibility, but an essential need. The day is not far when people will long for even a single drop of water and food. As UN reports, 58.% of the global population

is experiencing water scarcity and by 2050, this number is projected to rise to 75%, over the past 500 years, approximately 24-25 marine species have become extinct as a result of human activities. Additionally over 42000 species are at risk of extinction. These changing patterns of living are adversely affecting not only earth biodiversity but are also making the Environment and climate increasingly harsh for humans and other species. In the view of rising concerns, nations have resolved to take constructive measures to ensure that exicting resourece and biodivrsity are preserved for future generation, there by maintaing ecological balance on earth. "The Earth is our common heritage, not an individual possession to be destroyed indiscriminately."

At the global level, numerous conventions, programs, organisation and international protocols have been established with the objective of safeguarding the Earth from further degradation.

Recognizing the Urgency of environmental protection at the global level, Several landmark initiatives such as the Rio carth summit (1992), Montreal protocol (1987), Kyoto protocol (1997), paris agreement (2015), and the Kigali Agreement (2015) have been undertaken to safeguard the planet from further degredation.

Among all, the concept of Sustainable Development stands as the most crucial step, as it promotes the judicious or use of resources to ensure that future generations can meet their needs without compromise.

In recent years, a set of United nations -led sustainable Development Goal have been established to promote inclusive and sustainable development, which are as follows. SDY-2 (Zero Hunger), SDY-11 sustainable cities and communitie, SDY-13 Climate Action, SDY-15 life on Land SDG-12 Responsible consumption and production. This goals aim to balance economic growth, social inclusion and environmental protection, ensuring a better and Sustainable future for all.

The Earth is our share heritage, not an individual possession; therefore, it is our collective responsibility to protect and preserve it for present and future generations.

✵ ✵ ✵

What Is Green Chemistry ?

Suhaib
B.Sc. III

Green chemistry, also called sustainable or environmentally benign chemistry, aims to make chemical reactions safer, more efficient, and less polluting across the entire life cycle of a chemical (from synthesis to disposal). Unlike environmental chemistry, which mainly studies pollution effects, green chemistry works upstream by redesigning how chemicals are made so they are inherently safer. Green chemistry is famously guided by 12 principles introduced by Paul Anastas and John Warner. Some central

ideas are: **Prevention of waste :** Design syntheses so that waste is minimized or avoided, rather than treated later. **Atom economy:** Maximize the fraction of starting materials that end up in the final product.

Less hazardous syntheses: Use and generate chemicals with low or no toxicity to humans and ecosystems. **Safer solvents and auxiliaries:** Prefer water, bio-based, or supercritical CO_2 instead of toxic organic solvents **.Energy efficiency and renewable feedstocks :** Use mild conditions and renewable raw materials (e.g., biomass instead of petroleum). These principles are widely used in research, industry, and teaching to evaluate how "green" a synthetic route is. Examples in everyday chemistryReal-world examples often appear in school and exam-oriented notes because they link theory to practice. For instance Using supercritical CO_2 or water as solvents instead of chlorinated solvents in organic reactions .Employing hydrogen peroxide or enzymes for clean oxidations or selective syntheses , reducing hazardous by-products . Designing biodegradable plastics and detergents that break down into non-toxic fragments .

✵ ✵ ✵

Green Chemistry: A Silent Revolution in Science

Khushboo
B.Sc. II

In today's world, managing waste and controlling pollution has become a massive challenge. But what if waste was never created? While it may seem impossible right now, 'Green chemistry' is a brilliant way to make this impossible to possible. It is like a "silent Revolution" in the world of science.

It's Not Just Science, It's a New Way of Thinking.

In traditional chemistry and technology, the entire focus used to be on 'Production'. We would only worry about the waste or environmental damage after the product was made. Green chemistry however, is a mindset that says the production process itself should be so efficient that waste is either not created at all, or is kept to a bare minimum.

It is exactly like how we work in our home kitchens, while cooking, we try our best to ensure that vegetables aren't wasted scraps are minimized and fuel (LPG) is used efficiently.

The Core Pillars of Green Chemistry
This technology works on some simple yet principles:—

1. Waste prevention: It is better to prevent waste than to treat or clean it up after it is formed.

2. Use safe and less toxic chemical products: Using chemicals and solvents that are less toxic to humans and the environment.

Energy efficiency: Designing processes that can happen at Room temperture, reducing the need for high heat and saving electricity or fuel.

From Pollution to Nature
We know that most plastics used today are 'Non-biodegradable' meaning they sit on earth as trash for thousand of years. Green chemistry offers an alternative instead of using petroleum, we can create 'Biodegradable Plastic' from corn starch, sugarcane waste or seaweed. These products return to the soil naturally after use.

Beyond plastic, this field is also helping us create medicines and eco friendly products that are safer for both our bodies and the planet.

Conclusion: (Our Responsibility)
Green chemistry teaches us that to make progress we don't need to make the earth sick. Its principles create a perfect balance between development and the enviroment.

Ultimately, Green chemistry is not just a branch of science; it is a shared responsibility. Everytime we consciously choose an eco-friendly option, we become a part of this silent revolution.

Understand your responsibility because one small step is the beginning of big change.

* * *

The Role of chemistry in Agriculture

Sachin
B.Sc. II

Chemistry is the fundamental science that drives modern agricultural productivity enabling the global food system to support a population of over 8 billion booming global population stays fed.

Soil fertility and fertilizers: Plants need specific nutrients to grow mainly Nitrogen (N), Phosphorus (P) and Potassium (K) Chemistry allows us to manufacture synthetic fertilizers (like Urea, Ammonium phosphate) that replenish these nutrients when the soil is depleted. Chemists also develop soil conditioners (like lime or gypsum) to adjust pH levels, making the soil a perfect home for specific crops.

Insecticides: Target harmful insects while trying to minimize impact on pollinators.

Crop Protection (Agrochemicals): Farmers face constant threats from pests, weeds, and diseases. Chemistry provides targeted solutions to protect yields.
fungicides: These prevent fungal outbreaks such as blights and rusts, which can destroy entire harvests overnight.

PH Correction: Chemistry provides compounds like Agricultural Lime (Calcium Carbonate) to neutralize acidic soils or Elemental Sulfur to lower the pH of alkaline soils, ensuring nutrients remain soluble for plant roots.

Herbicides: Chemicals like glyphosate or atrazine target the specific of biochemical pathways of weeds, preventing them from stealing light and water from crops.

Plant Growth Regulators (PGRs)
Chemistry allows farmers to "communicate" with plants using synthetic hormones.

Ethylene Management: Ethylene gas is a simple chemical used to trigger unifrom ripening in fruits like bannanes and tomatoes after tarnsport.

Gibberellins: These chemicals are used to increase fruit size (like seedless grapes) or stimulate seed germination.

Biodegradable Polymers: Developing plastic mulches that decompose into the soil after the season.

✵ ✵ ✵

Beyond Plastic : Smart Polymers and Green Chemistry for India's Future

Nancy
B.Sc. II

Introduction :-
Plastic is an essential part of modern life, used in packaging, households, and healthcare. However, its non-degradable nature has made it a serious environmental problem. India generates large amounts of plastic waste every year, much of which pollutes land and water. This crisis calls for urgent scientific solutions.

The chemistry of plastics
Plastics are polymers made of repeating units called monomers. They are strong, lightweight and resistant to degradation.

Main Types :
Thermoplastics (eg. – polyethylene, PVC) Can be reshaped

Thermosetting plastics (e.g. – Bakelite) – Cannot be remelted

Their durability makes them useful but also harmful to the environment.

Green Chemistry :-
Green chemistry focuses on eco-friendly materials and processes. It aims to: Reduce harmful substances, Use renewable resources, create biodegradable products, It prevents pollution instead of managing it later.

Smart polymers - Smart polymers are materials that respond to environmental changes like temperature or pH.

Examples :
Biodegradable plastics (PLA, PHA)
Self-healing materials, Recyclable plastics

They promote sustainable and long-lasting solutions.

Applications –
These innovations are used in:

Packaging – Biodegradable materials
Medical field – Drug delivery systems
Construction – Eco-friendly materials
Chemistry is helping to solve real-world problems.

Challenges –
Some limitations include:
High cost, limited infrastructure, Less awareness, Better policies and support are needed.

India's Future –
India has taken steps like plastic bans, but advanced solutions like smart polymers can improve results. Cooperation between scientists, industries and government is the key.

Conclusion :-
The plastic crisis is a challenge of innovation. The aim is not to remove plastics, but to redesign them sustainably. With the help of green chemistry, India can turn this problem into an opportunity.

"The future of our Planet depends on the chemistry we choose today."

* * *

Chemistry

Tannu
B.Sc. II

Chemistry is the scientific study of matter, its properties, composition, and the transformation it undergoes. Often called the "central science" it bridges physics and biology, helping us understand everything from the formation of stars to how medicine work in our bodies.

Core Concepts of chemistry
Matter :- Anything that has mass and takes up space.
Atoms & Elements :- The basic building blocks of the universe. Elements like oxygen (O) and carbon (C) consist of a single type of atom.

Chemical Reaction :- Processes where substances transform into new ones by breaking and forming chemical bonds.

Basic Concepts & student Resources
For those learning chemistry or looking to understand fundamental principles:
Chemistry : The Central science :- Widely considered one of the best-written general chemistry texts, known for its clarity and accuracy.
Chemistry in Everyday life.

Article that Explain the "magic" of chemistry in the world around us:
Science Journal For Kids - offers simple articles like "How can your smartphone make water safe to drink?" and the science behind antimalarial medicines.

Chemistry In Everyday life (SATHEE - IIT Kanpur) :- Covers the chemistry of soaps, detergents, and food preservatives in a clear easy-to-understand.

Conclusion
Chemistry serves as the foundational science for understanding matter's

composition and transformation, acting as a crucial link between physics and biology. It drives human progress through the development of medicines, advanced material, and sustainable solutions neccessary to address global challenges.

✵ ✵ ✵

Impact Of Social Media On Present Day Society

Kajal
B.A. I

Social media has fundamentally revolutionized modern society by democratizing global communication and information access.

While these platforms empower civic engagement, business, and real-time connectivity, they simultaneously pose significant challenges regarding mental health, misinformation and societal polarisation.

THE CATALYST: POSITIVE IMPACTS

- Global Connectivity
- Bussiness and innovation.
- Information and education.

(1) Global Connectivity:– Platforms have effectively erased geographic borders enabling instant, cross cultural communication.

(2) Bussiness and Innovation:– Social media marketing has leveled the playing field allowing small local enterprises to reach highly targeted global demographics with minimal capitals.

(3) Information and Education:– Knowledge is disseminated at unprecedented speeds, allowing experts and educators to share vast resources, tutorials and public awareness campaigns seamlessly.

THE CHALLENGES: NEGATIVE IMPACTS

Mental health and well being:– The highly curated highlight feel nature of feeds often fosters unrealistic comparisons. Over use is linked to increases rates of depression anxiety and sleep deprivation among users.
Privacy and cyber crime:– Data breaches and the constant tracking of online behaviour expose user to privacy risks, cyberbullying and online harassment are also pressing issue.

Highlights on the article of the Impact of social media

- The impact of social media largely depends on users intent and habits. To harness these tools safely Individuals are encouraged to practice digital literacy.

- Social media is an undeniable force in modern society.

- Social media is a great equaliser that allows for large-scale discourses and endless unfiltered stream of content.

✵ ✵ ✵

वार्षिकोत्सव 'उल्लास' के पुलकित पल

वार्षिकोत्सव 'उल्लास' के पुलकित पल

रोजगार एवं कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ

रोजगार एवं कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ

सांस्कृतिक कार्यक्रमों (स्पन्दन) की विशेष झलकियाँ

सांस्कृतिक कार्यक्रमों (स्पन्दन) की विशेष झलकियाँ

विभागीय परिषद् गतिविधियाँ

विभागीय परिषद् गतिविधियाँ

विभागीय परिषद् गतिविधियाँ

विभागीय परिषद् गतिविधियाँ

पर्यावरण क्लब द्वारा संचालित गतिविधियाँ

पर्यावरण क्लब द्वारा संचालित गतिविधियाँ

एन.सी.सी. इकाई द्वारा संचालित गतिविधियाँ

एन.एस.एस. इकाई द्वारा क्रियान्वित कार्यक्रम

एन.एस.एस. इकाई द्वारा क्रियान्वित कार्यक्रम

रोवर्स-रेंजर्स शिविर की कुछ झलकियाँ

रोवर्स-रेंजर्स शिविर की कुछ झलकियाँ

सड़क सुरक्षा कार्यक्रम

सड़क सुरक्षा कार्यक्रम

वार्षिक क्रीड़ा दिवस एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ

वार्षिक क्रीड़ा दिवस एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ

वार्षिक क्रीड़ा दिवस एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ

वार्षिक क्रीड़ा दिवस एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ

महिला प्रकोष्ठ कार्यक्रमों की झलकियाँ

महिला प्रकोष्ठ कार्यक्रयों की झलकियाँ

विविध कार्यक्रमों की झांकी

विविध कार्यक्रमों की झांकी

MKRGC - ALUMNI

Prabhat Pathak
B.A (Batch 2015-16)
Service Account Manager
(Japanese Langauge Expert)
Everpure Inc , Pune

Dr. Vishal Choudhary
B.A. Batch: 2014-15M.Phil,P.hd.(HISTORY)
JRF-ICHR ASSISTANT PROFESSOR (ADHOC)
IN MAA SHAKUMBHARI UNIVERSITY,
CAMPUS,SAHARNPUR

Sachin Kumar
BA Batch 2013-2014
Constable,
UP Police

Amrendra Pal Gautam
BA Batch: 2019- 2020
Constable
UP Police

Rohit
B.Sc. Batch : 2015 -2016
Constable
UP Police

Chakshu Kansal
B.Sc. Batch: 2021-22
Research Associate,
Jubilant Biosys,
Greater Noida

Deepti Lodhi
B.Sc. Batch : 2016-17
Constable,
Delhi Police

Sandeep Kumar
B.Sc Batch : 2020- 21
Cobra Commando, CRPF

Aman Tiwari
B.A. Batch: 2018 -2019
Japanese Associate
at Amazon

Mansi Sharma
B.A. Batch: 2020-2021
Accountant, Accenture
company, Noida

Nivedita Chauchan
B.Com Batch -2021- 22
Lawyer, Karkardooma
Court and Delhi High Court

Rupal Pal
B.Sc. 2020-21
Constable,
UP Police

Kapil
B.A. Batch : 2020 - 2021
Constable
UP POLICE

Jyoti Singh
B.A. Batch: 2015 - 2016
Constable, UP Police

Gaurav Kumar
BA Batch: 2013-14
Constable Delhi Police

Neha Tomar
B.A. Batch: 2018 -2019
Junior Engineer, Irrigation
& Water Resources Department,
Uttar Pradesh

Pratbimb Photography Club
Utsav through the lens of MKRGCians

OM PRAKASH, B.Sc II

MUNNI, BA III

NANDINI RAJ ADARSH, B.Sc I

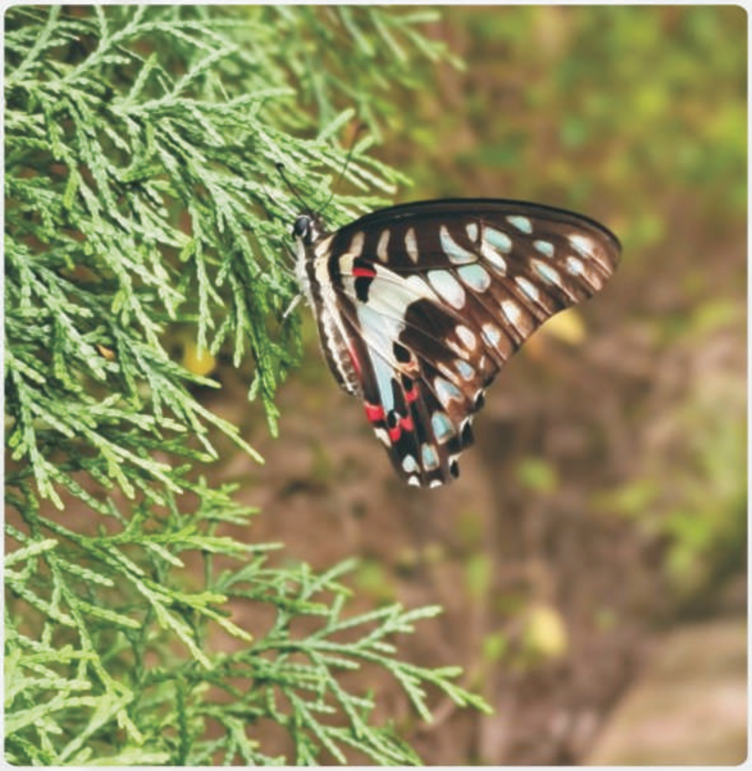

SUHAIB, B.Sc III

समाचार पत्रो में महाविद्यालय

1930 हेल्पलाइन एवं साइबर क्राइम पोर्टल पर करें रिपोर्ट

प्रतियोगिताओं में अव्वल रहे प्रतिभागियों को किया सम्मानित

'सड़क सुरक्षा' एवं 'शिक्षा का महत्व' पर नुक्कड़ नाटक से किया जागरूक

एनएसएस शिविर में सिखाया आपदा प्रबंधन

एड्स के खिलाफ जागरूक किया

काशीराम राजकीय महाविद्यालय में किया गया शक्ति पूजन का आयोजन

काशीराम राजकीय महाविद्यालय के छात्र राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मारी बाजी

खिलाड़ियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

स्काउट फ्लैग की दी जानकारी, बांधने का अभ्यास कराया

डीएम ने की सीएम डैशबोर्ड की बैठक

कांशीराम कॉलेज में हुआ क्रीड़ा महोत्सव

मुठभेड़ में 2 गौकश हुए घायल, 5 गिरफ्तार

बेसिक शिक्षा विभाग

कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला के दोनों पैर की हड्डी टूटी

प्रांतों की सांस्कृतिक झलकियां दर्शायीं

प्रस्तुति, ताल-लय, वेशभूषा के आधार पर प्रतिभागियों का किया गया मूल्यांकन

विकसित आत्मनिर्भर एवं डिजिटल भारत की परिकल्पना कार्यक्रम के तहत जनपद स्तरीय विचार पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

रोवर्स रेंजर्स शिविर में सिखाया स्काउट फ्लैग बांधना

स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

सात दिवसीय शिविर का समापन

छात्राओं की शिक्षा, सुरक्षा के लिए काम करेगी हेल्प डेस्क

ओम प्रकाश ने चित्रकला प्रतियोगिता जीती

ओम प्रकाश ने जीता 51 हजार का पुरस्कार

काव्य पाठ में धीरज और भाषण में चेतन रहे प्रथम

कांशीराम कॉलेज में रोवर्स रेंजर्स शिविर शुरू

तनाव दूर करने के उपायों पर चर्चा की

वि. गाजियाबाद : मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय में आइक्यूएसी, कल्चरल क्लब एवं वूमेन सेल के तत्वावधान में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें यूनिवर्सिटी आफ पीपल कैलिफोर्निया की प्रो.डा.नंदिता शर्मा ने मैनेज योर स्ट्रेस, वाइल यू प्रोग्रेस' विषय पर व्याख्यान दिया।

छात्राओं को बताए तनाव से दूर रहने के उपाय

विद्यार्थियों को समझाया एआइ का महत्व

मान्यवर काशीराम राजकीय महाविद्यालय में एआइ के महत्व विषय पर आयोजित एक्सपर्ट टाक के दौरान उपस्थित विद्यार्थी व शिक्षक-शिक्षिकाएं • सौ. शिक्षक

जासं, गाजियाबाद : मान्यवर काशीराम राजकीय महाविद्यालय गाजियाबाद में आइक्यूएसी, स्किल डेवलपमेंट सेल व करियर काउंसलिंग सेल के संयुक्त तत्वावधान में वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के महत्व विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता आयोजित हुई। वक्ता डा.उपदेश वर्मा ने एआइ के इतिहास, महत्व व इसके विभिन्न सोपानों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से एआइ से आने वाले समय में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य अधिक आसान हो जाएगा। रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। कालेज प्राचार्य प्रो.डा.संगीता गुप्ता के निर्देशन में कार्यक्रम हुआ। प्रो.डा.ज्योति यादव, प्रो.डा.अरविंद कुमार यादव, डा.निधि शुभानंद, डा.प्रियंका व डा.उत्तम कुमार शर्मा मौजूद थे।

'उल्लास' में झूमे विद्यार्थी, मेधावियों को मिला सम्मान

नंदग्राम स्थित मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह के दौरान प्रस्तुति देतीं छात्राएं • सौ. शिक्षक

तीन दिवसीय कार्यशाला में सीखे रचनात्मक कौशल

खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया सम्मानित

खेल के मैदान में मिलती है जीवन जीने की वास्तविक प्रेरणा : प्रो. संगीता

दो दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का हुआ समापन

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए चलेगा अभियान

स्वास्थ्य के प्रति कर रहे जागरूक

प्राणायाम के महत्व को समझाया

समाचारिका

सत्र 2025-26

''समाचार समाज की आँखें हैं, इनके बिना अंधकार
ही अंधकार है। ''

- प्रेमचंद

रानी लक्ष्मी बाई ''सरस'' सांस्कृतिक क्लब एवं ''स्पंदन'' साहित्यिक पूर्व सांस्कृक्तिक परिषद

डॉ० निधि शुभानंद
संयोजक

शैक्षिक सत्र 2025–26 में रानी लक्ष्मी बाई ''सरस'' सांस्कृतिक क्लब एवं ''स्पंदन'' साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद द्वारा महाविद्यालय में विविध सांस्कृतिक, राष्ट्रीय एवं नैतिक मूल्यों से प्ररित कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। समस्त कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय की श्रद्धेय प्राचार्य प्रो० संगीता गुप्ता के कुशल दिशा–निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। वर्ष पर्यंत आयोजित समस्त गतिविधियों का संयोजन एवं संचालन प्रभारी डॉ. निधि शुभानंद के नेतृत्व में प्रभावी रूप से किया गया।

सत्र के दौरान राष्ट्रीय पर्वों जैसे स्वतंत्रता दिवस, गांधी एवं शास्त्री जयंती तथा गणतंत्र दिवस का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। इन अवसरों पर ध्वजारोहण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, देशभक्ति गीत, भाषण एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्र–छात्राओं में राष्ट्रप्रेम एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित की गई।

अप्रैल 2025 में ''तनाव प्रबंधन'' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. नंदिता शर्मा, प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ पीपल, कैलिफोर्निया उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्र–छात्राओं को तनाव से बचने, मानसिक संतुलन बनाए रखने तथा सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के प्रभावी उपायों की जानकारी प्रदान की। कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं उपयोगी सिद्ध हुई।

10 मई 2025 को शहीद दिवस की स्मृति में व्याख्यान, पोस्टर प्रतियोगिता एवं शहीद स्मृति रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को देश के वीर शहीदों के त्याग एवं बलिदान से परिचित कराया गया तथा उसमें राष्ट्र सेवा की भावना को सुदृढ़ किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 15 जून 2025 से 21 जून 2025 तक ''योग सप्ताह'' का आयोजन किया गया। इस दौरान क्विज, निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 21 जून 2025 को सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वस्थ जीवन शैली का संदेश दिया।

माह जुलाई 2025 में शासन के निर्देशानुसार वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित चेतना का संदेश प्रसारित किया गया।

अगस्त 2025 में ''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'' का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत विभाजन की त्रासदी एवं उसके सामाजिक प्रभावों पर व्याख्यान एवं चर्चा आयोजित की गई। इसी माह ''हर घर तिरंगा'' अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा सावन माह के उपलक्ष्य में ''सावन के गीत'' कार्यक्रम ने भारतीय लोक संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत स्वरूप प्रदान किया। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रानी लक्ष्मीबाई ''सरस'' सांस्कृतिक क्लब के संयुक्त तत्वावधान में ''हर घर तिरंगा कार्यक्रम 2025 अंतर्गत पोस्टर, रंगोली, भाषण, निबंध प्रतियोगिताएँ, तिरंगा राखी कार्यशाला, रैली, शपथ एवं आभार पत्र लेखन जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

24 सितंबर 2025 को नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं के लिए ''दीक्षारंभ'' अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं अनुशासनात्मक परंपराओं से परिचित कराया गया तथा उन्हें सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण के प्रति प्रेरित किया गया।

31 अक्टूबर 2025 को ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के अवसर पर राष्ट्रीय एकता शपथ, डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन एवं व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रीय अखडता, एकता एवं सामाजिक समरसता की भावना को प्रोत्साहित किया गया।

''वंदे मातरम्'' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के अवसर पर प्रत्येक माह विविध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें कविता पाठ, भाषण, वाद–विवाद एवं लेखन प्रतियोगिताएँ प्रमुख रहीं।

25 दिसंबर 2025 को ''सुशासन दिवस'' के अवसर पर जनपद स्तरीप काव्य पाठ एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने इसमें सहभागिता कर अपनी साहित्यिक एवं वक्तृत्व प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

दिनांक 26 जनवरी 2026 को देश का 77वाँ गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. संगीता गुप्ता द्वारा ध्वजारोहण एवं ध्वज की सलामी के साथ हुआ। एनसीसी छात्राओं ने मार्चपास्ट प्रस्तुत किया तथा छात्र–छात्राओं ने देशभक्ति के नारों से वातावरण को उत्साहपूर्ण बनाया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत देशभक्ति गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए गए। प्रो. अरविंद कुमार यादव ने उच्च शिक्षा निदेशक का संदेश पढ़ा।

दिनांक 18 फरवरी 2026 को रानी लक्ष्मीबाई ''सरस' सांस्कृतिक क्लब तथा ''स्पंदन'' के संयुक्त तत्वाधान में लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय लोक संस्कृति के प्रति जागरूकता एवं सम्मान विकसित करना था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भांगड़ा, घूमर, रासलीला, लावणी एवं हरियाणवी लोकनृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियों दी। निर्णायक मंडल में डॉ. बॉबी यादव एवं डॉ. प्रियंका सम्मिलित रहीं। समूह नृत्य में दिव्यांशी एवं टीम प्रथम रही, जबकि एकल नृत्य में इशिता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन दिव्यांशी ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. निधि शुभानंद ने किया।

दिनांक 28 फरवरी 2026 को संगीत विभाग एवं रानी लक्ष्मीबाई ''सरस'' सांस्कृतिक क्लब के संयुक्त तत्वावधान में ''होली के गीत'' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ. भगत सिंह एवं छात्र–छात्राओं ने बृज, अवधी तथा लोक परंपरा से जुड़े होली गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों एवं परंपराओं का संरक्षण करना था। प्राचार्य महोदय ने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु महत्वपूर्ण बताया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

दिनांक 08 अप्रैल 2026 को वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह 'उल्लास' का भव्य आयोजन श्रद्धेय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) संगीता गुप्ता के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं, संकाय टॉपर्स तथा उत्कृष्ट छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। पूर्व छात्रा एवं इंडियन आइडल प्रतिभागी सलोनी साज की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। वार्षिक पत्रिका 'अभिव्यक्ति' का ISBN सहित विमोचन भी किया गया। वर्ष पर्यंत आयोजित समस्त गतिविधियों के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करने हेतु वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुमारी मायावती राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर, नोएड़ा की प्राचार्या प्रोफेसर अनीता रानी राठौर उपस्थित रहीं। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र–छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही गत वर्ष के टॉपर विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस प्रकार शैक्षिक सत्र 2025–26 में रानी लक्ष्मी बाई ''सरस'' सांस्कृतिक क्लब एवं 'स्पंदन' साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद द्वारा आयोजित विविध कार्यक्रमों ने विद्यार्थियों के सांस्कृतिक, साहित्यिक, नैतिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परिषद

भविष्य में भी विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने एवं भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों के संरक्षण हेतु निरंतर प्रयासरत रहेगी।

✵ ✵ ✵

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई आख्या (सत्र 2025–26)

डॉ. अनु मिश्रा
(रा. से, यो. कार्यक्रम अधिकारी, प्रथम इकाई)

राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत युवा शक्ति के व्यक्तिगत एवं सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कियें जाते हैं। मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाजियाबाद में रा. से. यो. की दो इकाईयाँ संचालित है, जिसमे वर्ष भर स्वयं सेवकों द्वारा विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाग किया गया। प्रत्येक इकाई में 100–100 छात्र–छात्रायें है। इस योजना का उद्देश्य छात्रा–छात्राओं में विद्यार्थी जीवन से ही राष्ट्रहित एवं समाज सेवा के प्रति समर्पित होना है। महाविद्यालय में इसके अंतर्गत 4 एक दिवसीय शिविर एवं एक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष पर्यन्त निम्नवत् कार्यक्रम आयोजित किये गये–

1) भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी वर्ष कार्यक्रम के अंतर्गत दिनाँक 28 अप्रैल 2025 को ''सर्व शिक्षा अभियान और भारत'' विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता।

2) दिनांक 10/05/2025 को शहीद दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत एक व्याख्यान, चित्रकला प्रतियोगिता एवं रैली का आयोजन किया गया।

3) दिनांक 31/05/2025 को राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम (छात्रा) इकाई के स्वयंसेवकों का NSS सर्टिफिकेट वितरण।

4) विश्व पर्यावरण दिवस – 5 जून के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

5) योग सप्ताह (15 जून से 21 जून 2025) के अंतर्गत निबंध, स्लोगन, वृक्षारोपणः एक पेड़ माँ के नाम, प्राकृतिक स्थान पर योगासन तथा योग के महत्व पर वीडियो संदेश, व्याख्यान, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया।

6) दिनाँक 09/07/2025 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

7) दिनाँक 11/07/2025 को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

8) दिनाँक 26/07/2025 को करगिल विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

9) दिनाँक 04/08/2025 को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत छात्र–छात्राओं ने शपथ ली और अपने देश को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

10) हर घर तिरंगा (04/08/2025–15/08/2025) के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, तिरंगा राखी बनाने की कार्यशाला, तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, तिरंगा रैली, देश भक्ति को समर्पित सांगीतिक कार्यक्रम, स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया।

11) दिनांक 1 सितंबर 2025 से 15 अक्टूबर 2025 तक राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग क्विज में प्रतिभाग किया गया।

12) फूड फेस्टिवल ''भारत के जायके'' दिनांक 02/09/2025 फूड फेस्टिवल भारत के जायके

कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

13) शिक्षक दिवस

14) स्वच्छता पखवाड़ा (17/09/2025–02/10/2025) के अंतर्गत स्वच्छता का हमारे जीवन में महत्व विषय पर एक व्याख्यान, एक जनजागरुकता रैली, आसपास के इलाकों में साफ सफाई, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

15) मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत मिशन शक्ति 5.0 का शुभारंभ, आत्म रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण शिविर, शक्ति पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

16) दिनांक 24/09/2025 को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एन.एस.एस. स्थापना दिवस हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया।

17) दिनांक 25/09/2025 को 'कला एवं क्राफ्ट कार्यशाला का आयोजन किया गया।

18) दिनांक 26/09/2025 को टीबी मुक्त भारत अभियान का आयोजन किया गया।

19) गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्ती जयंती

20) प्रथम एक दिवसीय शिविर के अन्तर्गत दिनांक 3 अक्टूबर 2025 की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एच.आई.वी. जागरूकता अभियान के अंतर्गत युवाओं के मध्य एक गोष्ठी, कला एवं फ्लैश मॉब, नुक्कड़ नाटक का सफल आयोजन किया गया। इसी क्रम में सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत सड़क सुरक्षा हेतु शपथ ली गई एवं जन जागरूकता रैली के माध्यम से लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया।

21) दिनांक 14.10.2025 को सड़क सुरक्षा के अन्तर्गत एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

22) दिनांक 30.10.2025 को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर प्री इवेंट प्रोग्राम के तहत एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

23) दिनांक 31.10.2025 को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एकता रैली एक डॉक्यूमेंट्री, व्याख्यान का आयोजन किया गया।

24) दिनांक 07 नवंबर 2025, को वंदे मातरम के 150 वर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

25) दिनांक 22/12/2025 को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु नंदग्राम की बस्तियों में रैली एवं जन–जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

26) दिनांक 12.01.2026 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

27) दिनांक 20.01.2026 को राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन ''NSS का संकल्पः सुरक्षित सड़क, सुरक्षित समाज'' विषय पर किया गया। उक्त शिविर में सर्वप्रथम सड़क सुरक्षा जन जागरूकता पर एक गोष्ठी, पोस्टर प्रतियोगिता नुक्कड़ नाटक एवं रैली का आयोजन किया गया ।

26) गणतंत्र दिवस

29) दिनांक 02.02.2026 को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा तृतीय एक दिवसीय शिविर ''स्वच्छता का हमारे जीवन में महत्व'' विषय पर आयोजित किया गया। इस शिविर के अन्तर्गत स्वच्छता के महत्व पर व्याख्यान, एक जन जागरूकता रैली एवं प्राइमरी स्कूल, नंदग्राम, गाजियाबाद में स्वयंसेवकों द्वारा सफाई अभियान चलाया गया एवं पूरे परिसर की साफ सफाई की गई।

30) राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर (दिनांक 03/02/2026 से 09/02/2026 तक), थीम **''स्वस्थ, जागरूक और सतत भारत के निर्माण में युवा''** के प्रथम दिवस के अंतर्गत शिविर का प्रारंभ प्राचार्य प्रो. (डॉ) संगीता गुप्ता द्वारा रिबन काटकर किया गया। तत्पक्षात छात्रा इकाई की कार्यक्रम

अधिकारी डॉ अनु मिश्रा ने छात्रा इकाई को 8 समूहों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखंड एवं केरल समूह में वर्गीकृत किया। शिविर के द्वितीय सत्र में गृह विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ प्रियंका ने 'स्वच्छता एवं स्वास्थ्य'' पर व्याख्यान दिया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने परिसर की साफ सफाई की।

द्वितीय दिवस में डॉ अरविन्द कुमार यादव सर ने स्वयंसेवकों को योग एवं प्राणायाम के महत्व पर वक्तव्य दिया तथा विभिन्न योगासनों के महत्व के बारे में बताते हुए योगाभ्यास भी कराया। तत्पश्चात पोषण एवं जीवनशैली पर ''संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन' विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता, द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं वीगन आउटरीच के संयुक्त तत्वावधान में फूड–प्लेनेट हेल्थ विषय पर एक सर्टिफिकेशन वेबिनार आयोजित की गई। तदुपरांत स्वयंसेवकों द्वारा व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता पर जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत एक रैली भी निकाली गयी।

तृतीय दिवस के अंतर्गत डॉ बॉबी यादव मैम ने स्वयंसेवकों को ''महानगरीय पर्यावरण संरक्षण में मियावाकी पद्धति की उपयोगिता'' विषय पर एक व्याख्यान दिया। तदुपरांत स्वयंसेवकों द्वारा प्राथमिक विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। इसके बाद, 'पर्यावरण संरक्षण विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डॉ मीनू वार्ष्णेय मैम ने 'जलवायु परिवर्तन' विषय पर एक व्याख्यान दिया। तत्पश्चात डॉ बॉबी यादव मैम द्वारा स्वयंसेवकों को सस्टेनेबल प्रैक्टिस वर्कशॉप के अंतर्गत वर्मीकम्पोस्ट बनाने की प्रक्रिया को करके दिखाया और सिखाया गया। इसी क्रम में स्वयंसेवकों द्वारा प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान, जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत एक जन जागरुकता रैली निकाली गई।

चतुर्थ दिवस के अंतर्गत डॉ श्वेता शर्मा मैम ने स्वयंसेवकों को महिला सशक्तिकरण विषय पर एक व्याख्यान दिया। तदुपरांत महिला सशक्तिकरण विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, एवं सहयोग कम टुगेदर फाउंडेशन के द्वारा स्वयंसेवकों के लिए मुफ्त मेडिकल कार्ड बनवाया गया। तत्पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा पोषण एवं स्वस्थ जीवन शैली के अंतर्गत एक फूड स्टॉल का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक समूह के छात्र–छात्राओं द्वारा हेल्दी फूड स्टॉल लगाया गया। द्वितीय सत्र में डॉ. राजीव वर्मा सर ने 'बाल अधिकार' विषय पर एक व्याख्यान एवं शिक्षा एवं स्वास्थ्य विषय के अंतर्गत एक जन जागरुकता रैली निकाली गई तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आसपास के लोगों को जागरूक किया। पंचम दिवस के अंतर्गत कौशल विकास पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद के निर्देशानुसार ब्लू डाट में छात्र–छात्राओं का रजिस्ट्रेशन कराया गया। तदुपरांत ''युवा नेतृत्व और सामाजिक बदलाव '' विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा स्वयंसेवकों द्वारा ''डिजिटल शिक्षा एवं इंटरनेट सुरक्षा'' विषय के अंतर्गत एक जन जागरुकता रैली निकाली गई। इसी क्रम में साइबर क्राइम एवं महिला सशक्तिकरण विषय पर स्वयंसेवकों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आसपास के लोगों को जागरूक किया गया। डॉ निधि शुभानंद मैम ने 'डिजिटल शिक्षा एवं इंटरनेट सुरक्षा'' विषय पर एवं डॉ विनोद कुमार सर द्वारा साइबर क्राइम विषय पर व्याख्यान दिया गया। अंत में डॉ बॉबी यादव मैम द्वारा स्वयंसेवकों को पूर्व में बनाए गए वर्मीकपोस्ट का निरीक्षण कराया गया।

षष्टम दिवस के अंतर्गत डॉ अनु मिश्रा द्वारा आपदा प्रबंधन विषय पर एक व्याख्यान, स्वयंसेवकों द्वारा सड़क सुरक्षा एवं नशा मुक्त भारत अभियान विषय के अंतर्गत एक जन जागरुकता रैली एवं सड़क सुरक्षा एवं ''शिक्षा का महत्व'' विषय पर स्वयंसेवकों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आसपास के लोगों को जागरूक किया गया। इसी क्रम में फेविक्राइल की आर्ट एवं काफ्ट कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री वसीम मंसूर द्वारा सामाजिक समस्याओं एवं उनके उन्मूलन पर एक व्याख्यान एवं स्वयंसेवकों द्वारा साइबर क्राइम विषय के अंतर्गत एक जन जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक तथा सर्वेक्षण कार्य किया गया। इसी क्रम में प्रत्येक समूह के स्वयंसेवकों द्वारा शिविर में किए गए कार्यों का दस्तावेजीकरण किया गया।

सप्तम दिवस के पूर्वाह्न में स्वयंसेवकों ने कंपोजिट विद्यालय (प्राथमिक विद्यालय), नंदग्राम परिसर की

सफाई एवं समापन समारोह हेतु साजसज्जा की तथा सात दिवसीय शिविर के अंतर्गत हुए अपने अनुभवों को सभी के साथ साझा किया। शिविर के समापन समारोह का प्रारंभ योग्यता एवं तनु द्वारा सरस्वती वंदना, एन०एस०एस० का लक्ष्य गीत की प्रस्तुति देकर की गई। इसके पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) संगीता गुप्ता मैम व कंपोजिट विद्यालय (प्राथमिक विद्यालय), नंदग्राम के प्रधानाचार्य का स्वागत स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का बैज लगाकर किया गया। इसके पश्चात प्रत्येक समूह के स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। तत्पश्चात प्रत्येक समूह के स्वयंसेवकों द्वारा सात दिवसीय शिविर के अंतर्गत किये गए कार्यों का दस्तावेजीकरण करके प्राचार्य मैम को दिखाया गया। शिविर के सात दिवसीय आख्या को कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनु मिश्रा के द्वारा बताया गया। शिविर के अंतर्गत हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजित छात्राओं को सर्टिफिकेट भी प्रदान किया गया। इसके साथ ही प्रथम इकाई की श्रद्धा त्यागी एवं द्वितीय इकाई के सुहेब को सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक के पद से सम्मानित किया गया।

31) दिनांक 10/02/2026 को चतुर्थ एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

32) दिनांक 09/03/2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

✵ ✵ ✵

पर्यावरण क्लब

डॉ. बॉबी यादव
(प्रभारी)

पर्यावरण क्लब किसी भी शैक्षणिक संस्था का वह महत्वपूर्ण मंच होता है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जागरूकता विकसित करना है। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वन कटाई तथा प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। ऐसे समय में पर्यावरण क्लब विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाते हुए उन्हें सामाजिक एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का बोध कराता है।

महाविद्यालय का पर्यावरण क्लब विभिन्न रचनात्मक एवं जागरुकता संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिनके माध्यम से छात्र–छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित किया जाता है। वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, वर्मी कंपोस्ट निर्माण, जल संरक्षण, फलीकरण, पुनर्चक्रण तथा ''बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट'' जैसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करती हैं। इन कार्यक्रमों से न केवल परिसर की सुंदरता एवं स्वच्छता में वृद्धि होती है, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग एवं सामाजिक सेवा की भावना भी विकसित होती है।

पर्यावरण क्लब का मुख्य उद्देश्य केवल जागरुकता फैलाना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित करना भी है। यह क्लब प्रकृति एवं मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित पर्यावरण प्रदान करने का संदेश देता है।

1. वर्मी कम्पोस्ट एवं वर्मी वॉश का निर्माण

पर्यावरण संरक्षण तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्थान में वर्मी कम्पोस्ट एवं वर्मी वॉश निर्माण कार्य का आयोजन किया गया। पर्यावरण क्लब प्रभारी डॉ. बॉबी यादव ने इस गतिविधि का पूर्ण आयोजन व संचालन किया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को जैविक खाद के महत्व तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। वर्मी कम्पोस्ट जैविक अपशिष्ट पदार्थों को केंचुओं की सहायता से विघटित करके तैयार की जाने वाली उत्तम गुणवत्ता की खाद है, जबकि वर्मी वॉश एक तरल जैविक उर्वरक है, जो पौधों की वृद्धि में अत्यंत सहायक होता है। इस निर्माण प्रक्रिया के अंतर्गत सबसे पहले एक उपयुक्त स्थान का चयन कर गड्ढा तैयार किया गया। उसमें सूखी पत्तियाँ, गोबर, रसोई से प्राप्त जैविक कचरा तथा अन्य कार्बनिक पदार्थों की परतें लगाई गई। इसके पश्चात केंचुओं को उसमें छोड़ा गया तथा समय–समय पर नमी बनाए रखने हेतु पानी का छिडकाव किया गया तीन माह बाद यह पदार्थ उत्तम वीट में परिवर्तित हो गया। साथ ही विशेष पात्र की सहायता से कभी भी तैयार किया गया, जिसे पौधों पर छिड़कने से उनकी

वृद्धि एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्ध होती है।

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने जैविक खेती की उपयोगिता अपशिष्ट प्रबंधन तथा पर्यावरण संतुलन के महत्व को व्यावहारिक रूप से समझा। वर्मी **कम्पोस्टिंग** विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने की भावना को विकसित किया। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक प्रयास सिद्ध हुआ।

2. महाविद्यालय में पुष्पीकरण

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिसर की संकल्पना को साकार करने हेतु महाविद्यालय के पर्यावरण क्लब प्रभारी डॉ बॉबी यादव द्वारा 'महाविद्यालय का पुष्पीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालय परिसर को हरित्त एवं स्वच्छ बनाना तथा विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना था।

कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया गया। पोदीना, धनिया, तुलसी, एलोवेरा आदि अन्य उपयोगी पौधों को चयनित स्थानों पर लगाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य, शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राओं ने सामूहिक रूप से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पौधों के महत्व तथा उनके संरक्षण के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि फलदार वृक्ष न केवल पर्यावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि मानव जीवन के लिए पोषण का भी महत्वपूर्ण स्रोत हैं। वृक्षारोपण से वायु प्रदूषण में कमी आती है तथा जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है।

छात्र–छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ पौधों की देखभाल एवं संरक्षण का दायित्व ग्रहण किया। उन्हें नियमित रूप से पौधों को पानी देने, उनकी सुरक्षा करने तथा स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत किया।

महाविद्यालय का फ्लोरीकरण कार्यक्रम केवल एक औपचारिक गतिविधि न होकर प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी का प्रतीक बना। इस पहल से परिसर की सुंदरता में वृद्धि हुई तथा विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय योगदान देने की प्रेरणा प्राप्त हुई। कार्यक्रम सफल एवं प्रेरणादायक रहा।

3. एनएसएस एवं रोवर्स–रैंजर्स दवारा वृक्षारोपण

महाविदयालय में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित चेतना को बढ़ावा देने हेतु एनएसएस इकाई के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उददेश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना तथा पर्यावरण के महत्व के प्रति जागरुकता फैलाना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों के रोपण से किया गया। नीम, पीपल, अशोक, गुलमोहर, आंवला एवं अन्य छायादार तथा औषधीय पौधों को परिसर के विभिन्न स्थानों पर लगाया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य, शिक्षकगण एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर वक्ताओं ने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष पृथ्वी के जीवन का आधार हैं। वे हमें शुद्ध वायु, फल, छाया एवं प्राकृतिक संतुलन प्रदान करते हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की समस्या को नियंत्रित करने में वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। एनएसएस एवं रोवर्स–रेंजर्स के स्वयंसेवकों ने पौधारोपण के साथ–साथ परिसर की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया। सभी विद्यार्थियों ने पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उत्साह एवं सहयोग की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

यह वृक्षारोपण कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ। इससे उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ी तथा सामाजिक सेवा की भावना को बल मिला। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि हर व्यक्ति यदि एक पौधा भी लगाए और उसकी देखभाल

करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा परिवर्तन संभव है।

4. ''बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट'' से महाविद्यालय सौंदर्यकरण हेतु में विभिन्न सामग्रियों का निर्माण।

महाविद्यालय की पर्यावरण क्लब प्रभारी द्वारा ''बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' गतिविधि का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अनुपयोगी एवं बेकार वस्तुओं का पुनः उपयोग कर रचनात्मक वस्तुओं का निर्माण करना तथा विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण एवं पुनर्चक्रण के प्रति जागरुकता विकसित करना था।

कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने प्लास्टिक की बोतलों, पुराने समाचार पत्रों, टूटे हुए डिब्बों, लकड़ी के टुकड़ों तथा अन्य अनुपयोगी वस्तुओं का उपयोग कर आकर्षक एवं उपयोगी सामग्री तैयार की।

विद्यार्थियों ने फूलदान, सजावटी वस्तुएँ, पेन स्टैंड, अन्य कलात्मक वस्तुओं का निर्माण कर अपनी रचनात्मक प्रतिमा का परिचय दिया। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि बेकार समझी वस्तुओं का सही उपयोग कर पर्यावरण प्रदूषण को कम किया जा सकता है। पुनर्पण एवं पुनः उपयोग की भावना से प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण संभव है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षको ने विद्यार्थियों की कलात्मकता एवं नवाचार की सराहना की। महाविद्यालय परिसर की सुंदरता बढ़ाने के उद्द्देश्य से निर्मित वस्तुओं को विभिन्न स्थानों पर सजाया गया। इससे परिसर का वातावरण आकर्षक एवं प्रेरणादायक दिखाई दिया। विद्यार्थियों में स्वच्छता, रचनात्मकता एवं पर्यावरणीय चेतना का विकास हुआ।

''बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट'' गतिविधि विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं उपयोगी सिद्ध हुई। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया है कि छोटी–छोटी रचनात्मक पहल पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस प्रकार यह गतिविधि शिक्षा के साथ–साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय जागरुकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनी।

5. पौधों से नए बीज तैयार करना

महाविद्यालय के पर्यावरण क्लब द्वारा 'पौधों से नए बीज तैयार करने संबंधी गतिविधि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बीज संरक्षण, जैव विविधता तथा पौधों के जीवन चक्र के महत्व से परिचित कराना था। इस गतिविधि में छात्र–छात्राओं ने विभिन्न पौधों से बीज एकत्रित कर उन्हें सुरक्षित एवं उपयोगी बनाने की प्रक्रिया को समझा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि बीज प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं, जिनसे नए पौधों का विकास होता है। विभिन्न फलदार, औषधीय एवं सजावटी पौधों से बीज एकत्र कर उन्हें सुखाने, सुरक्षित रखने एवं पुनः रोपण योग्य बनाने की विधियों का प्रशिक्षण दिया गया। विद्यार्थियों ने स्वयं इस प्रक्रिया में भाग लेकर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।

पर्यावरण क्लब प्रभारी डॉ. बॉबी यादव ने बीज संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैव विविधता को बनाए रखने के लिए पारंपरिक एवं स्थानीय बीजों का संरक्षण आवश्यक है। वर्तमान समय में पर्यावरणीय असंतुलन एवं प्राकृतिक संसाधनों की कमी को देखते हुए बीज संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न पौधों के बीजों को वर्गीकृत कर सुरक्षित रखने का कार्य किया। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया कि इन बीजों का उपयोग भविष्य में वृक्षारोपण एवं बागवानी कार्यों में किया जा सकता है।

यह गतिविधि विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुई। इससे उनमे प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता तथा पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित हुई कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि बीजों का संरक्षण भविष्य की हरित एवं सुरक्षित दुनिया के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

6–हर्बल गार्डन निर्माण

महाविद्यालय के पर्यावरण क्लब द्वारा परिसर में हर्बल गार्डन'' का निर्माण किया गया। इस गतिविधि का मुख्य

उद्देश्य औषधीय पौधों के महत्व के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना तथा प्राकृतिक एवं आयुर्वेदिक परंपराओं के संरक्षण को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में एक विशेष स्थान का चयन कर विभिन्न उपयोगी एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया।

कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पौधारोपण एवं उनकी देखभाल का कार्य किया। शिक्षकों एवं पर्यावरण क्लब के सदस्यों ने विद्यार्थियों को पौधों की नियमित सिंचाई, संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित हुई।

हर्बल गार्डन का निर्माण महाविद्यालय परिसर की सुंदरता बढ़ाने के साथ–साथ विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुआ। इस कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि औषधीय पौधे मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है तथा उनका संरक्षण एवं संवर्धन वर्तमान समय की आवश्यकता है।

हर्बल गार्डन में तुलसी, पुदीना, एलोवेरा, गिलोय, अजवाइन तथा अन्य औषधीय पौधे लगाए गए। विद्यार्थियों को इन पौधों के औषधीय गुणों एवं दैनिक जीवन में उनके उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बताया गया कि तुलसी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होती है. जबकि पुदीना पाचन सम्बन्धी समस्याओं में लाभकारी माना जाता है। इसी प्रकार अन्य औषधीय पौधों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

पर्यावरण मित्र पुरस्कार

पर्यावरण क्लब की ओर से वर्ष भर आयोजित विभिन्न पर्यावरणीय गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करने वाले तथा महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने में विशेष सहयोग प्रदान करने वाले पाँच वॉलिंटियर्स को 'पर्यावरण मित्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया इनके नाम निम्नवत है अजय, हरीश, शिवम बी.ए. प्रथम वर्ष शोएब बी.एससी. तृतीय वर्ष ओम प्रकाश बी.एससी. द्वितीय वर्ष। यह सम्मान उन विद्यार्थियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, हर्बल गार्डन का निर्माण, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त परिसर एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक अपना योगदान दिया है। यह पुरस्कार विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी, सेवा भावना एवं नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करने का एक प्रेरणादायी प्रयास है, जिससे अन्य छात्र भी पर्यावरण के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बन सके।

महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी नेतृत्व में पर्यावरण क्लब की विभिन्न गतिविधियों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। पर्यावरण क्लब प्रभारी ने अपनी रचनात्मक सोच, अथक मेहनत एवं समर्पण के माध्यम से इन कार्यक्रमों को प्रभावी रूप प्रदान किया। प्राचार्य, पर्यावरण क्लब प्रभारी, पर्यावरण सहायक के प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण से संबंधित गतिविधियाँ केवल औपचारिक कार्यक्रम न रहकर विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा एवं सीख का माध्यम बनीं परिणामस्वरूप महाविद्यालय परिसर अधिक स्वच्छ, हरित एवं आकर्षक बना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता का सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ।

* * *

राष्ट्रीय कैडेट कोर्प (NCC)

ले0 (डॉ०) मीनू वार्ष्णेय
ए.एन.ओ, एन.सी.सी.
प्रभारी

13 यूपी गर्ल्स इकाई एन०सी०सी० एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में भारत सरकार की ''नया सवेरा'' योजना के अर्न्तगत ''नशा मुक्त भारत'' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया मुख्य वक्ता के रूप में डिप्टी सी० एम० ओ० गाजियाबाद, डॉ० आर० के० गुप्ता ने कोटपा एक्ट के बारे में बताया जिसमें शैक्षणिक संस्थान से 200 मीटर की दूरी तक तम्बाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री दंडनीय अपराध है। ई. सिगरेट के प्रचलन पर विचार रखे तथा युवाओं को इससे दूर

रहने की अपील की गयी।

योगा दिवस पर कैडेट्स के द्वारा विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया गया। स्वतन्त्रता दिवस पर कैडेट्स के द्वारा तिरंगे को सलामी दी गयी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

शिक्षक दिवस के अवसर पर कैडेट्स के द्वारा मेगा ट्री प्लान्टेशन ड्राइव। (वृहद वृक्षारोपण अभियान) का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत महाविद्यालय में पौधारोपण किया गया।

मैक्स हॉस्पिटल वैशाली के द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कैडेट्स ने बढ़चढ़कर प्रतिभाग किया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत कैडेट्स द्वारा श्रमदान किया गया।

कैडेट्स के लिये आत्म प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कैडेट्स द्वारा वन्दे मातरम राष्ट्रगीत की शपथ ली गयी। एन० सी० सी० दिवस भी कैडेट्स के द्वारा हर्षोल्लास से मनाया गया जिसमें पोस्टर प्रदर्शित किये गये। संविधान दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गणतन्त्र दिवस पर कैडेट्स द्वारा तिरंगे को सलामी दी गयी तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी। कैडेट्स द्वारा सड़क सुरक्षा माह भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मनाया गया।

✵ ✵ ✵

रोवर्स– रेंजर्स

डॉ. श्वेता शर्मा (रेंजर्स प्रभारी)

स्व. डॉ. भगत सिंह (रोवर्स प्रभारी)

महाविद्यालय में रोवर्स–रेंजर्स की इकाई कार्यरत है। रेंजर्स इकाई का नाम रानी लक्ष्मीबाई रेंजर्स दल एवं रोवर्स इकाई का नाम विक्रांत रोवर्स क्रू किया गया है।
रोवर्स–रेंजर्स में न्यूनतम 24–24 छात्र–छात्राओं की प्रवेश एवं निपुण इकाई का प्रतिवर्ष गठन किया जाता है। विभिन्न समाजसेवी गतिविधियों के लिए तैयार करने, किसी भी आपदा की स्थिति में देश सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने, सहयोग एवं त्वरित मदद पहुंचाने हेतु रोवर्स–रेंजर्स का गठन किया गया है। रोवर्स रेंजर्स को प्रशिक्षण शिविर एवं अन्य गतिविधियाँ के माध्यम से प्रशिक्षण संबंधी गुर सिखाए जाते है। यह हमारी जनसेना है जो आवश्यकता पड़ने पर के लिए सदैव अग्रिम पंक्ति में खड़ी है। देश की सेवा एवं सुरक्षा के सत्र 2025–26 में भी रोवर्स – रेंजर्स के छात्र–छात्राओं ने महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों / गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया जिनका विवरण निम्नवत है–

काकोरी ट्रेन एक्शन डे शताब्दी महोत्सव के समापन कार्यक्रमों में प्रतिभाग

काकोरी ट्रेन एक्शन डे शताब्दी महोत्सव के समापन कार्यक्रम जुलाई–अगस्त 2025 तक महाविद्यालय में आयोजित किए गए व 8 अगस्त 2025 को काकोरी ट्रेन एक्शन डे शताब्दी महोत्सव का विधिवत समापन किया गया समापन समारोह में रोवर्स रेंजर्स ने शहीद श्रद्धांजलि रैली निकली ।

पोस्टर व संगोष्ठी के माध्यम से काकोरी के शहीदों के बलिदानों एवं योगदानों की झांकी प्रस्तुत की गयी व उन्हें नमन करते हुए उनके बलिदानों को कभी ना भूलने व उनके पद–चिन्हो पर चलने का प्रण लिया गया।

हर घर तिरंगा घर–घर तिरंगा कार्यक्रम व राष्ट्रीय पर्व के आयोजनों में योगदान 12/08/2025 से 14/08/2025 तक ''हर घर तिरंगा घर–घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत तिरंगा यात्रा तिरंगा संग सेल्फी आजादी के स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित रंगोली प्रतियोगिता आदि में रोवर्स रेंजर्स ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग करते हुए पूरे हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम को संपन्न कराया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रोवर्स रेंजर्स ने झंडारोहण, भाषण, सांस्कृतिक आदि में पूरे जोश के साथ भाग लेकर राष्ट्रार्यकर्म अमिनाने में अपना योगदान प्रदान किया। गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता अभियान में भाग लेकर रोवर्स रेंजर इकाई ने महाविद्यालय परिसर को पूर्ण रूप से स्वच्छ किया और महाविद्यालय में वृक्षारोपण करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गांधी जयंती के कार्यक्रमों, सर्वधर्म प्रार्थना में भी अपनी सहभागिता की।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर रोवर्स रेंजर्स ने ध्वजारोहण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की व गणतंत्र पर्व को मनाया।

महाविद्यालय के वृक्षारोपण कार्यक्रमों में प्रतिभाग

महाविद्यालय में समय–समय पर आयोजित होने वृक्षारोपण कार्यक्रमों यथा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम, विभिन्न अवसरों पर आयोजित होने वाले वृक्षारोपण कार्यक्रम में रोवर्स – रेंजर्स इकाई के छात्र–छात्राओं द्वारा सक्रिय सहभागिता की गई।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने संबंधी कार्यक्रमों में प्रतिभाग

रोवर्स रेंजर्स इकाई ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रमों वंदे मातरम का गान, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन पर संगोष्ठी एवं सेमिनार, पोस्टर निबंध एवं क्विज प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया।

सड़क सुरक्षा जागरुकता संबंधित कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग

पूरे वर्ष भर सड़क सुरक्षा जागरुकता के अंतर्गत सड़क सुरक्षा के प्रति माह आयोजित होने वाले कार्यक्रमों, सड़क सुरक्षा पखवाड़े, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह, सड़क सुरक्षा की जनपद एवं मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं आदि के अंतर्गत सड़क सुरक्षा जागरुकता शपथ व रैली का आयोजन, सड़कों व चौराहा पर जाकर लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना, पोस्टर प्रतियोगिता निबंध प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, मानव श्रृंखला का निर्माण, सर्वे कार्यक्रम सेमिनार एवं संगोष्ठी, व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि में रोवर्स रैजसे इकाई ने पूरे जोश के साथ बढ़–चढ़कर कार्यक्रमों के आयोजनों में योगदान दिया एवं सभी प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करके सडक सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम अभियान को सफल बनाया।

मतदान दिवस कार्यक्रम

25/01/202 को मतदान दिवस कार्यक्रम महाविदयालय में आयोजित हुआ। रोवर्स–रेंजर्स ने मतदान की शपथ ली व मतदान हैत् लोगों को जागरूक करने के लिए स्लोगन लेकर मतदान जागरूकता रैली भी निकाली ।

रोवर्स रेंजर्स के प्रवेश एवं निपुण शिविर का आयोजन दिनांक 10/02/2026 से 14/02/2026 तक को मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, गाजियाबाद में रोवर्स–रेंजर्स इकाई के प्रवेश एवं निपुण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्वलन व प्रार्थना के साथ किया। रेंजर्स प्रभारी डॉ श्वेता शर्मा एवं रोवर्स प्रभारी डॉक्टर भगत सिंह ने पौधा व सम्मान प्रतीक भेंट देकर प्राचार्य का स्वागत व सम्मान किया। तत्पश्चातव महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर संगीता गुप्ता, रेंजर्स प्रभारी डॉक्टर श्वेता शर्मा, रोवर्स प्रभारी डॉक्टर भगत सिंह, स्काउट गाइड ट्रेनर श्रीमती उमा आर्य सहित सभी को रोवर्स रेंजर्स ने स्काउट बैज लगाए ।

रेंजर्स प्रभारी डॉक्टर श्वेता शर्मा ने स्काउट गाइड का परिचय दिया व पांच दिवसीय शिविर के कार्यक्रम की रूपरेखा बतायी। रोवर्स प्रभारी भगत सिंह ने स्काउट गाइड के महत्व को बताया तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य ने अपने सम्बोधन के उपरांत शिविर के शुभारंभ की उद्घोषणा की।

शिविर के प्रथम दिवस स्काउट ट्रेनर द्वारा रोवर्स रेंजर्स को स्काउट शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के अगले चरण में सभी ने स्काउट झंडा फहराकर झंडा गान व प्रार्थना की। स्काउट ट्रेनर श्रीमती उमा विश्नोई ने रोवर्स रेंजर्स को स्काउट फ्लैग के बारे में विस्तृत जानकारी दी व स्काउट फ्लैट के महत्व एवं सम्मान के विषय में बताया साथ ही स्काउट झंडे को बांधने और नीचे उतरने का अभ्यास भी रोवर्स – रेंजर्स को कराया गया। इसके बाद ध्वज स्थल पर रोवर्स व रेंजर्स के ध्वज कप्तानो ने रेंजर्स प्रभारी डॉ श्वेता शर्मा व रोवर्स प्रभारी डॉक्टर भगत सिंह को सकार्फ पहनाकर उनका सम्मान किया।

इसके बाद स्काउट गाइड ट्रेनर ने रोवर्स–रेंजर्स को स्काउट के विषय में विस्तृत जानकारी मौखिक और

लिखित रूप में प्रदान की।

उन्होंने विभिन्न अवसरी पर बजाई जाने वाली स्काउट विशेषत : रेन क्लेप, शाबास ताल स्वागत ताल, धन्यवाद ताल आदि नालियों का अभ्यास रोवर्स रेंजर्स को कराया। उन्होंने विभिन्न प्रकार की गांठे बनाना भी सिखाया । इन गांठो के माध्यम से किसी रोवर्स रेंजर्स को रस्सी लाठी व इंडों के माध्यम से टैंट बनाने का प्रशिक्षण व अभ्यास आपदा के समय विभिन्न प्रकार के आवश्यक टूल्स का निर्माण किया जा सकता है।

रोवर्स–रेंजर्स को रस्सी, लाठी व डंडो के माध्यम से टैंट बनाने का प्रशिक्षण व अभयास भी कराया गया। अंत में स्वस्थान के साथ प्रथम दिन के कैंप को विराम दिया गया।

शिविर के द्वितीय दिवस चिकित्सा आपदा से निपटने के लिए रोवर्स रेंजर्स को सी. पी. आर का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

रोवर्स–रेंजर्स ने एक दूसरे पर डेमो करके सीपीआर प्रशिक्षण सीखा । विभिन्न खेलों के माध्यम से सूचनाओं को आदान–प्रदान करने की ट्रेनिंग भी रोवर्स रेंजर्स को दी गई।

इसके साथ अवसर / आपदा पड़ने पर बिना भाषा के संकेतो के माध्यम से किस प्रकार कार्य किया जा सकता है यह गुर भी रोवर्स रेंजर्स को स्काउट प्रशिक्षक द्वारा प्रदान किए गए।

आगे स्काउट ट्रेनर ने रोवेर्स– रेंजर्स को विभिन्न प्रांतो के नाम पर दर्लो में विभाजित किया और दलों का नामकरण किया । हरित दल (केरल) शौर्य दल (महाराष्ट्र) वीर दल (हरियाणा) समता दल (दिल्ली) श्वेत दल (कश्मीर)खालसा दल (पंजाब) काव्य दल (बंगाल) आदि दल बनाये गये।

इन दलों को आगे विभिन्न कार्य व गतिविधियां प्रदान की गयी जिन्हे दल के सदस्यों को एक साथ संपन्न करना था ।

इसका उद्देश्य छात्र–छात्राओं में टीम वर्क की भावना को विकसित करना था। अंत में स्वस्थान द्वारा शिविर को स्थगित किया गया।

शिविर के तृतीय दिवस रोवर्स रेंजर्स को अचानक चोटिल हो जाने यां बेहोश हो जाने की स्थिति में हैंड स्ट्रेचर एवं उपलब्ध सामग्री से स्ट्रेचर बनाकर मरीज को प्राथमिक चिकित्सा एवं अस्पताल पहुंचाने की ट्रेनिंग भी दी। रस्सी, स्कार्फ, बेल्ट, चादर आदि से विभिन्न प्रकार के स्ट्रक्चर निर्माण भी रोवर्स –रेंजर्स को करना सिखाया गया।

इसके बाद रोवर्स–रेंजर्स ने इन गतिविधियों का डेमो करके दिखाया।

विशिष्ट अवसरो पर अतिथि का स्वागत करने हेतु कलर पार्टी ट्रेनिंग भी रोवर्स रेंजर्स क़ो प्रदान की गई।

आगे के प्रशिक्षण में स्काउट गाइड के असिस्टेंट प्रशिक्षक ने लाठी, डंडों व रस्सीयों द्वारा टेंट निर्माण की पूरी प्रक्रिया का प्रशिक्षण व अभ्यास रोवर्स रेंजर्स को कराया गया।

अंत में स्काउट प्रार्थना व स्वस्थान से तीसरे दिन के शिविर को स्थगित किया गया।

शिविर के चतुर्थ दिन स्काउट ट्रेनर द्वारा मंकी ब्रिज (रस्सी के माध्यम से ब्रिज) का निर्माण कराया। लाठी, डंडो के द्वारा पुल का निर्माण भी रोवर्स रेंजर्स ने किया द्य रोवर्स व रेंजर्स के छात्राओं ने बारी बारी से पुल पर चढ़कर उसका निरीक्षण किया । विभिन्न प्रकार के गैजेट्स तथा शू रैक, खाट, मेज, कुर्सी, सोफा, मल्टीपर्पस रैक, गृह सज्जा का सामान आदि का निर्माण रस्सी, डंडो के माध्यम से स्काउट प्रशिक्षक द्वारा रोवर्स रेंजर्स से कराया गया द्य यह प्रशिक्षण बहुत रोचक रहा द्य इसके साथ ही विभिन्न प्रकार के आसन व योग मुद्राएं भी रोवर्स रेंजसे को सिखाई गई । अंत में शिविर का स्वस्थान हुआ ।

रोवर्स रेंजर्स शिविर के समापन दिवस पर स्काउट फ्लैग होस्टिंग एवं स्काउट झंडा गीत के पश्चात रोवर्स –

रेंजर्स ने टेंट पिचिंग (तंबू लगाने) व फूड प्लाजा (भोजन बनाने) का कार्य किया।

हरित दल (केरल)
शौर्य दल (महाराष्ट्र) वीर दल (हरियाणा)
समता दल (दिल्ली) श्वेत दल (कश्मीर)
खालसा दल (पंजाब) काव्य दल (बंगाल)
ने अपने–अपने प्रति की संस्कृति के आधार पर
अपने टेंट लगाए व उनमे वहां के रहन–सहन, प्रयुक्त वस्तुये, शैली आदि को प्रदर्शित किया। प्रांतो की संस्कृति के अनुसार रोवर्स – रेंजर्स ने वहाँ की वेशभूषा धारण की व सम्बंधित प्रांतो के लोकगीतों व लोक नृत्यों का मनमोहक प्रदर्शन किया।

रोवर्स – रेंजर्स ने विभिन्न प्रकार के गैजेट्स खाट, मिट्टी के बर्तन, कूड़ेदान, बच्चों के खेलने का पार्क, चूल्हा, प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स, डाइनिंग टेबल व सोफा सेट, वेस्ट मटेरियल आइटम, सजावटी सामान आदि का निर्माण व उससे अपने टेंट को सजाया द्य रोवर्स–रेंजर्स ने अपने प्रांतो के अनुसार वहां के प्रमुख भोजन, मिष्ठान, पेय आदि बनाये व निरीक्षण के लिए अपने टेंट के आगे व्यवस्थित रूप से रखा।

टिट पिचिंग एवं फूड प्लाजा की समस्त तैयारी के पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य व मुख्य अतिथि प्रोफेसर संगीता गुप्ता का रेंजर्स की कलर पार्टी टीम ने पायलटिंग द्वारा स्वागत किया।

निर्णायक मण्डल ने बारी–बारी से रोवर्स रेंजर्स द्वारा निर्मित टेंटो व भोजन का बारीकी से निरीक्षण किया व निर्णय के निर्धारित मानकों के आधार पर दलों को टेंट पिचिंग एवं फूड प्लाजा में प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान एवं तृतीय स्थान प्रदान किए गए। बाद में सभी ने सहभोज कार्यक्रम में रोवर्स रेंजर्स दवारा बनाए गए भोजन को एकसाथ बैठकर प्रेम से खाया ।

टेंट पिचिंग प्रतियोगिता में
में बंगाल प्रथम स्थान दिल्ली दवितीय स्थान व महाराष्ट्र ततीय स्थान पर रहा वहीं फूड प्लाजा में हरियाणा व पंजाब प्रथम स्थान पर कश्मीर दवितीय स्थान पर व केरल तृतीय स्थान पर रहा।

गैजेटस निर्माण में प्रथम स्थान पर दिल्ली दवितीय स्थान पर महाराष्ट्र व तृतीय स्थान पर केरल रहा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हरियाणा एवं दिल्ली प्रथम स्थान पर, महाराष्ट्र व कश्मीर द्वितीय स्थान पर व केरल, पंजाब व बंगाल तृतीय स्थान पर रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता में तमन्ना व अर्चना मॉंर्या प्रथम स्थान, अजय व चंचल द्वितीय स्थान और कोमल सागर व वंशिका तृतीय स्थान पर रही।

पूरे शिविर के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने हेतु ओमप्रकाश को सर्वश्रेष्ठ रोवर व तमन्ना को सर्वश्रेष्ठ रेंजर चुना गया व उन्हें ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। अंत में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर संगीता गुप्ता, रेंजर्स प्रभारी डॉक्टर श्वेता शर्मा, रोवर्स प्रभारी डॉक्टर भगत सिंह व स्काउट ट्रेनर श्रीमती उमा विश्नोई ने सभी विजेता छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया।

कार्यक्रम के समापन सत्र में रोवर्स –रेंजर्स को टीका लगाकर, मिठाई खिलाकर व स्कार्फ पहनाकर दीक्षा दी गयी व स्काउट फ्लैग को डाउन किया गया।

अंत में महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा कैंप के समापन की उद्घोषणा की गई।

सत्रपर्यंत रोवर्स रेंजर्स के सभी कार्यक्रमों, गतिविधियों प्रतियोगिताओं एवं प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन व संचालन रेंजर्स प्रभारी डॉक्टर श्वेता शर्मा व रोवर्स प्रभारी डॉक्टर भगत सिंह द्वारा किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर संगीता गुप्ता के कुशल नेतृत्व एवं संरक्षण में सभी कार्यक्रम संपन्न हुए।

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम में प्रतिभाग

रोवर्स रेंजर्स इकाई ने एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता प्रदान की। अधिक से अधिक संख्या में माय भारत पोर्टल पर छात्र–छात्राओं के पंजीकरण काराने में अपनी भूमिका निभाई।

'चाणक्य' वाणिज्य परिषद

डॉ. (प्रो.) अरविंद कुमार यादव
डॉ. मीनू चौधरी

चाणक्य – वाणिज्य परिषद विद्यार्थियों के शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने हेतु स्थापित एक सक्रिय एवं सशक्त मंच है। परिषद का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नेतृत्व के अवसर प्रदान करना, उनके ज्ञान एवं कौशल को विकसित करना तथा उन्हें व्यावहारिक जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। परिषद विद्यार्थियों को कक्षा शिक्षण के अतिरिक्त विभिन्न शैक्षणिक एवं सह–पाठ्यक्रमीय गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करती है, जिससे उनमें आत्मविश्वास, जिम्मेदारी एवं टीमवर्क की भावना विकसित होती है।

शैक्षणिक सत्र 2025–26 में परिषद ने विभागाध्यक्ष डॉ. प्रो. अरविंद कुमार यादव के मार्गदर्शन एवं परिषद संयोजक डॉ. मीनू चौधरी के कुशल नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। परिषद की सभी गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए तथा उच्च शिक्षा के गुणवत्ता मानकों के अनुरूप आयोजित की गई।

परिषद का गठन

शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए चाणक्य वाणिज्य परिषद का गठन विद्यार्थियों में नेतृत्त्व क्षमता, संगठनात्मक कौशल एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से किया गया।

पदाधिकारी

अध्यक्ष (President):
अनुष्का – बी. कॉम तृतीय वर्ष
उपाध्यक्ष (Vice President):
जन्नत – बी. कॉम तृतीय वर्ष
सचिव (Secretary):
कुणाल – बी. कॉम तृतीय वर्ष
कोषाध्यक्ष (Treasurer):
तुषार – बी. कॉम तृतीय वर्ष

सदस्य

चंचल – बी कॉम प्रथम वर्ष
शगुन चौहान – बी. कॉम प्रथम वर्ष
वंशिका – बी. कॉम प्रथम वर्ष
राधिका – बी. कॉम द्वितीय वर्ष
गुनगुन वर्मा – बी. कॉम प्रथम वर्ष

परिषद की प्रमुख गतिविधियाँ

शैक्षणिक सत्र 2025–26 के दौरान चाणक्य वाणिज्य परिषद द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से अनेक शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं व्यक्तित्व विकास संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया गया।
सत्र के प्रारंभ में विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसका संचालन डॉ. प्रो. अरविंद कुमार यादव द्वारा किया गया। इस सत्र में विद्यार्थियों को योग के महत्व, तनाव प्रबंधन एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के बारे में जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों में वित्तीय जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से परिषद संयोजक डॉ. मीनू चौधरी द्वारा वित्तीय साक्षरता विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में विद्यार्थियों को बचत, निवेश, बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल भुगतान एवं बजट प्रबंधन के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों में उद्यमिता कौशल विकसित करने हेतु परिषद द्वारा एक एग्रो–उद्यमिता भ्रमण (Agro-Entrepreneurship Visit) का आयोजन किया गया। इस भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों को कृषि आधारित व्यवसायों, उत्पादन प्रक्रिया, विपणन रणनीतियों एवं स्वरोजगार के अवसरों के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ।

इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को उनके भविष्य के करियर के प्रति मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु "Career Counselling and How to Get a High Paying Job" विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया गया। इस वेबिनार में विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों, आवश्यक कौशल एवं करियर योजना के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

परिषद द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं व्यावसायिक दक्षता को सुदृढ़ करने हेतु विभिन्न विषयों

पर अतिथि व्याख्यानों (Guest Lectures) का आयोजन किया गया। इन व्याख्यानों में निम्नलिखित विषय शामिल रहेः

- Communication Skills
- Digital Marketing
- Use of Artificial Intelligence (AI) in Commerce

इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक व्यापारिक वातावरण की नवीनतम तकनीकों एवं आवश्यक कौशलों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

अन्य परिषद गतिविधियाँ एवं प्रतियोगिताएँ

चाणक्य – वाणिज्य परिषद ने विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना एवं रचनात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

1. बजट क्विज प्रतियोगिता (Budget Quiz on Annual Budget 2025-26)

विजेता –
प्रथम स्थानः
शगुन चौहान – बी. कॉम प्रथम वर्ष
गौतम कुमार मिश्रा – बी. कॉम तृतीय वर्ष
द्वितीय स्थानः
सोम्या – बी. कॉम तृतीय वर्ष

2. पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता (Poster Making Competition on Financial Literacy)-

विजेता–
प्रथम स्थानः
जन्नत – बी. कॉम तृतीय वर्ष
द्वितीय स्थानः
रिया – बी. कॉम तृतीय वर्ष
तृतीय स्थानः
स्नेहा प्रजापति – बी. कॉम तृतीय वर्ष

3. लेख लेखन प्रतियोगिता (Article Writing Competition) -

विजेता–
प्रथम स्थानः
स्नेहा प्रजापति – बी. कॉम तृतीय वर्ष
द्वितीय स्थानः
रिया – बी. कॉम तृतीय वर्ष
तृतीय स्थानः
जन्नत – बी. कॉम तृतीय वर्ष

परिषद की सभी गतिविधियाँ महाविद्यालय की आदरणीय प्राचार्या महोदया के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न की गई।

✵ ✵ ✵

The Shakespearean Council (Department of English) Report 2025-26

-Prof. (Dr.) Jyoti Yadav

"Wisdom is not a product of schooling but of the lifelong attempt to acquire it."

-Albert Einstein

The English Department Annual Performance Report stands as a reflection of our continuous pursuit of knowledge, critical inquiry, and intellectual growth. Rooted in the rich traditions of literature and language, the department strives to cultivate not only academic excellence but also a deeper understanding of human experiences, cultures, and values. Learning, for us, extends beyond the classroom-it is an evolving journey that nurtures creativity, analytical thinking, and empathetic engagement with the world.

Over the past year, the department has

remained committed to fostering a vibrant academic environment through regular teaching, scholarly activities, and active student participation. From exploring canonical texts to engaging with contemporary voices, our endeavours have aimed to bridge the past and the present, encouraging learners to interpret, question, and create meaning.

This report highlights the collective achievements of our teacher and students, showcasing their dedication to academic rigour and creative expression. It is a testament to our belief that knowledge, when combined with reflection and wisdom, empowers individuals to contribute meaningfully to society. As we look ahead, the department remains steadfast in its mission to inspire minds, enrich perspectives, and uphold the enduring value of literary studies.

A seminar was organized on 08.04.2025 on the topic **'Manage Stress While You Progress'** in collaboration with the Shakespearean Council, IQAC & Rani Lakshmi Bai ***'Saras'*** Cultural Club. The lecture was delivered by **Dr. Nandita Sharma, Professor, University of People, California, USA.** She talked about the reasons and types of stress and also elaborated the ways to deal with it. Her lecture was quite insightful. The students listened eagerly to this enlightening talk and benefited greatly from it.

The Department of English Student Council was formed on 27.09.25. The following students were elected as part of the Council:

Chief Patron-Prof. (Dr.) Sangita Gupta
Patron - Dr. Jyoti Yadav
President- Ms. Chinki d/o Shri Balbeer, BA III
Vice-President - Ms. Pooja Verma d/o Shri Ajay Verma BA III
Secretary - Ms. Chanchal Kumari d/o Shri Brijpal Singh, BA II
Treasurer - Ms Khushi, d/o Shri Naresh BA II

Members:
1. Mr. Yogesh Kumar, s/o Shri Surendra Kumar, BA III
2. Mr. Akash Chaudhary s/o Shri Tejveer Singh BA II.
3.Mr. Mayank Singh s/o Shri Vijay Singh, BA I.

Along with the members of the Association, the following class representatives were also elected -
1. BA III-Ms. Rakhi d/o Shri Shivpal, BA III
2. BA II-Ms. Shabeena , d/o Shri Jabir Hussain, BA II
3. BA1-Ms. Neha Giri d/o Shri Arvind Kumar Goswami, BAI

The Shakespearean Council Organised **Poetry Writing Competition in** collaboration with the Deptt of Home Scienegan 04.09.25 on the occasion of **National Nutrition Week.** It also organised **Essay Writing competition** in collaboration with the Deptt of Home Science on 04.09.25 on the occasion of National Nutrition Week.

The Shakespearean Council, Women Cell & Rani Lakshmi Bai 'Saras' Cultural Club organized an artistic competition **'Calligraphy Competition'** on 13.10.2025. In this competition, the students were asked to choose beautiful lines/quotes of your choice on the theme of **'Women Empowerment'** and write calligraphically. The winners of this competition were -

S. No	Name of the student	Father's name	Class	Result
1.	Chinki	Mr. Balbeer	B.A. III	I
2.	Sonal	Mr. Ashish Sharma	B.A. III	II
3.	Arti	Mr. Hari Paswan	B.A. II	II
4.	Nidhi Bharti	Mr. Kaushal Prasad Bharti	B.A. II	III
5.	Ayush Tyagi	Mr. Sanjay Tyagi	B.Sc. I	III

A seminar was organized today on 13.10.2025 on the topic **'Women Safety & Posh Act'** in collaboration with the Shakespearean Council, IQAC & Rani Lakshmi Bai ***'Saras'*** Cultural Club. The lecture was delivered by **Dr. Nandita Sharma, Professor, University of People, California, USA & Certified POSH Trainer.** She talked about the workplace rights of women in case of sexual harassment and also elaborated the ways to deal with it. Her lecture was quite insightful. The students listened eagerly to this enlightening talk and benefited greatly from it.

A Help-Desk was established on 08.11.25 by IQAC & the Shakespearean Council (Department of English) for the girl student of the college. In this programme, the girl students were given information about the schemes and programs run by the government for the welfare of the women. The students took part enthusiastically in the event.

A student seminar was organized on 09.03.26 by IQAC, the Shakespearcian Council (Department of English, Sports Club, Women Cell & Department of Home Science.
The students expressed their views and gave presentations on the topics-

1. The Importance of Women in Present day Society
2. The Relevance of Women in literature
3. Women and Sports & Health

This competition was bilingual. The students voiced their views both in English and Hindi. This competition was organized with the aim of polishing the oratory skills and confidence of the students. The winners of the student seminar are-

S. No	Name of the student	Father's name	Class	Result
1.	Shraddha Tyagi	Mr. Jagmohan Tyagi	B.Sc. II	I
2.	Nidhi Bharti	Mr. Kaushal Prasad Bharti	B.A. II	I
3.	Simran	Mr. Mahendra Singh	B.Sc. III	II
4.	Khushi	Mr. Naresh	B.A. II	III
5.	Shabina	Mr. Jabir Hussain	B.A. II	III

Internal Quality Assessment Cell, the Shakespearean Council & Rani Lakshmi Bai ***'Saras'*** Cultural Club organized an artistic competition **'Photography Competition'** on 30.03.2026 under the banner of ***Pratimb Photography Club*** in which the students clicked artistic photographs on the following themes-

1. Society and life
2. उत्सव (Festival, fair, joys of life)
3. Youth, life & Society (inspirational & aspirational)
4. Sports and Youth

The winners of this competition are -

S. No	Name of the student	Father's name	Class	Result
1.	Nandini Raj Adarsh	Mr. Kishan Raj Adarsh	B. Sc I	I
2.	Om Prakash	Mr. Nathuni Prasad Gupta	B. Sc II	II
3.	Suhaib	Mr. Ameer Hasan	B. Sc III	III
4.	Munni	Mr. Raju Paswan	B.A. III	Consol.
5.	Gungun	Mr. Subodh Kumar	B. Sc III	Consol.

The Shakespearean Council organised **Book Mark Making Competition** in collaboration with the Deptt of Library and Information Science. The students participated enthusiastically in this competition and made very creative bookmarks.

Students are encouraged to hone their creative writing skills by being given some topics to write on. A creative writing competition/activity is organised every year to give students the opportunity to write good pieces. The students have written good articles for the college magazine and the wall journal.

E-content has become the need of the times. Since the COVID period, a lot of teaching work was being done through online modes. Then, it was required to create some supporting content that could be disseminated through internet. It helped the student Immensely to learn and prepare, wherever they are at any point of time. Therefore, e-content was made for BAI, BA II, and BA III in the form of video lectures, PPT, PDF, etc. It was distributed through the WhatsApp group of the students. 101 educational

videos are already on the YouTube channel to help the students for better preparation and revision. The videos have received 32,157 views from the students, which is very satisfying.

To inculcate reading habits amongst students, a reading corner is created in the Department of English room where English newspapers and books are kept for their leisure reading. The students are advised to read newspapers, recreational books, etc., regularly. They are advised to read and sort out new English words to develop their own vocabulary bank, in which they should add a minimum of five new English words daily. This way, they will be able to enhance their vocabulary and expression power.

A small English library is being continued by the Shakespearean Council for the benefit of students. Books on English literature, General English, motivational, and self-help books are kept for the students. Some literary books were kept for recreational reading, both in English and Hindi. The students appreciate the idea and use this facility.

Wall journal is being continued to give an opportunity to the Deptt of English students to enhance their creative writing and expression power. The students like the idea of the wall journal and submit their pieces of writing on calligraphically written cards. The wall journal is adorned with beautiful creative writings.

The Shakespearean Council and its alumni are bound to one another. The Shakespearean Council receives their articles, poems, and write-ups for the college magazine. The alumni of the Shakespearean Council have a separate WhatsApp group where the communication takes place with one click only. Moreover, the Shakespearean Council endeavours to inspire and motivate our old students to keep themselves on the right track. Therefore, they are provided with self-help, fiction, and recreational Hindi and English books from time to time. Motivational, health and career-related informative videos are sent to them to expand their knowledge and vision of life. The Council also receives its alumni's constant feedback and support.

The Department of English continues to uphold its commitment to academic excellence and creative expression. Throughout the year, the department has fostered an engaging learning environment through teaching practices and active student participation in literary and co-curricular events. These efforts have not only strengthened linguistic competence but also encouraged analytical thinking and cultural awareness among students.

The department remains dedicated to expanding its academic horizons by integrating interdisciplinary approaches and nurturing a vibrant literary culture With our collective efforts, we aspire to achieve greater milestones and contribute meaningfully to the intellectual and personal growth of our students.

✵ ✵ ✵

राजनीति विज्ञान विभागीय परिषद्

डॉ. राजीव वर्मा
प्रभारी

शैक्षणिक सत्र (2025–26) के दौरान राजनीति विज्ञान विभाग ने विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं शोधपरक विकास हेतु अनेक शिक्षण एवं सह–शैक्षणिक गतिविधियों का सफल संचालन किया। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ उन्हें समकालीन राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाना रहा।

विभाग में नियमित रूप से कक्षाओं का संचालन किया गया, जिसमें पाठ्यक्रम आधारित शिक्षण के साथ–साथ संवादात्मक एवं सहभागितापूर्ण शिक्षण पद्धति को विशेष महत्व दिया गया। विद्यार्थियों को विषय की गहन समझ प्रदान करने के लिए व्याख्यान, समूह चर्चा, प्रस्तुतीकरण, एवं असाइनमेंट आधारित शिक्षण गतिविधियाँ आयोजित की गईं। विद्यार्थियों को राजनीतिक सिद्धांत, भारतीय शासन व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, लोक प्रशासन तथा समकालीन राजनीतिक विमर्श से संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने समकालीन राजनीतिक, सामाजिक एवं वैश्विक विषयों पर अपने अध्ययन विषयों का चयन किया। विद्यार्थियों द्वारा लोकतंत्र, सुशासन, भ्रष्टाचार, वैश्वीकरण, डिजिटल राजनीति, महिला सशक्तिकरण, भारतीय विदेश नीति, पर्यावरणीय राजनीति तथा सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्तुतियाँ एवं चर्चाएँ की गईं। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों में शोध एवं विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

षष्ठम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रासंगिक विषयों पर विस्तृत प्रोजेक्ट फाइल तैयार कीं। इन परियोजनाओं में विद्यार्थियों ने शोध पद्धति, तथ्यात्मक विश्लेषण तथा अकादमिक लेखन क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने अपने कार्य के माध्यम से स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई हेतु अपनी तैयारी एवं गंभीरता का परिचय दिया।

विभाग द्वारा समय–समय पर समसामयिक वैश्विक घटनाक्रमों पर चर्चा एवं विचार–विमर्श का आयोजन भी किया गया। विशेष रूप से वर्तमान वैश्विक व्यवस्था, रूस–यूक्रेन युद्ध तथा ईरान संकट जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विद्यार्थियों ने गंभीर चर्चा की। इन चर्चाओं ने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय राजनीति, शक्ति संतुलन एवं वैश्विक कूटनीति की जटिलताओं को समझने का अवसर प्रदान किया।

विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अकादमिक उत्कृष्टता एवं शोध अभिरुचि को प्रोत्साहित करने हेतु भविष्य में भी इसी प्रकार की शिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करता रहेगा।

* * *

'शौर्य गाथा परिषद' इतिहास विभाग

डॉ. श्वेता शर्मा
विभाग प्रभारी

प्रत्येक वर्ष इतिहास परिषद का गठन विद्यार्थियों में इतिहास के प्रति रुचि, जागरूकता एवं शोधपरक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से किया जाता है। परिषद के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास, संस्कृति, सभ्यता एवं विरासत से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ नै सक्रिय सहभागिता का अवसर प्रदान किया जाता है। इतिहास परिषद विद्यार्थियों की रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता, अभिव्यक्ति कौशत एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने का एक प्रभावी मंच है। परिषद के अंतर्गत समय–समय पर संगोष्ठी, व्याख्यान, प्रश्नोतरी, निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, वाद–विवाद, सेमिनार एवं शैक्षणिक भ्रमण जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को ऐतिहासिक तथ्यों की गहन जानकारी प्राप्त होती है। प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी दिनांक 03/09/2025 को इतिहास परिषद का गठन किया गया। निम्नलिखित विद्यार्थियो को पदभार प्रदान किये गये ।

संरक्षक– प्रोफेसर संगीता गुप्ता (प्राचार्य)
अध्यक्ष डॉ. श्वेता शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर इतिहास
उपाध्यक्ष – तम्मना सिद्धार्थ बी. ए तृतीय वर्ष
सचिव–आदर्श वर्मा –बी. ए तृतीय वर्ष
सह–सचिव – हरीश – बी. ए प्रथम वर्ष
कोषाध्यक्ष – चेतना कोरंगा बी. ए द्वितीय वर्ष

कक्षा प्रतिनिधि

बीए प्रथम वर्ष अर्चना मौर्य
बीए द्वितीय वर्ष– अनामिका सिसोदिया
बी. ए तृतीय वर्ष–पायल

काकोरी ट्रेन एक्शन डे शताब्दी महोत्सव समापन समारोह 09/08/2025

काकोरी ट्रेन एक्शन डे शताब्दी महोत्सव के समापन समारोह का आयोजन अत्यंत गरिमामय एवं प्रेरणादायक वातावरण में किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारियों रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, राजेंद्र लहरी और रोशन सिंह आदि क्रांतिकारीयों के बलिदान एवं देशभक्ति को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, साहस एवं त्याग की भावना विकसित करना था। समारोह के दौरान भाषण, देशभक्ति गीत, शहीद स्मृति रैली, काव्य पाठ एवं विचार प्रस्तुति, पोस्टर प्रतियोगिता, पी. पी टी प्रस्तुतीकरण जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इतिहास विभाग प्रभारी डॉ श्वेता शर्मा ने काकोरी ट्रेन एक्शन डे के ऐतिहासिक महत्व एवं स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि देश के वीर क्रांतिकारियों का संघर्ष केवल इतिहास का विषय नहीं, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। समापन समारोह ने सभी विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना एवं अपने देश के प्रति समर्पण की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजन

भारतीय राष्ट्रभावना स्वता चौतना एवं सास्कृतिक गौरव के प्रतीक के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इतिहास परिषद द्वारा विविध शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय स्वतंता आंदोलन की और विरासत राष्ट्रभक्ति की आवना तथा 'वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्त्व से परिचित कराना था। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक मूल्यों एवं देश के प्रति सम्मान की भावना को सुरद करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण, देशभक्ति गीत प्रस्तुति तथा छात्र संगोष्ठी जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं समर्पण के साथ सहभागिता करते हुए 'वंदे मातरम्' के मावार्य, स्वतंत्रता संग्राम में उसकी भूमिका तथा उसके प्रेरणादायी संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में इतिहास विभाग प्रभारी डॉक्टर श्वेता शमी ने बताया कि यह गीत केवल एक राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा एवं क्रांतिकारियों के साहस का प्रतीक रहा है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, एकता एवं मातृभूमि के प्रति अपने प्रेम को रचनात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से प्रदर्शित किया। विभिन्न प्रस्तुतियों ने समारोह को अत्यंत प्रेरणादायक एवं भावनात्मक बना दिया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि राष्ट्रप्रेम, एकता एवं सांस्कृतिक गौरव की भावना ही किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति होती है।

इतिहास परिषद द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत सफल, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा। इसने विद्यार्थियों में भारतीय इतिहास के प्रति रुचि, राष्ट्रीय चेतना एवं अपने सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

विश्व धरोहर सप्ताह
(19 नवम्बर 2025 से 25 नवम्बर 2025)

विश्व धरोहर सप्ताह का आयोजन भारतीय संस्कृति, इतिहास एवं सभ्यता के संरक्षण के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से किया गया। इस सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थियों में अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं शैक्षिक गतिविधियों का

आयोजन किया गया। चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, स्टूडेंट सेमिनार, पी.पी.टी. प्रस्तुतीकरण, वाद्भिता प्रतियोगिता तथा निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं ऐतिहासिक ज्ञान का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास के गौरवशाली स्थलों, महान व्यक्तित्वों एवं सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व से परिचित कराया गया। प्रतियोगिताओं ने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास. अभिव्यक्ति क्षमता, शोधपरक दृष्टिकोण एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को सुदृढ़ किया। विश्व धरोहर सप्ताह का यह आयोजन अत्यंत प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं सफल रहा, जिसने विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ठंसक

चित्रकला / पोस्टर प्रतियोगिता

विषय– भारतीय इतिहास के प्रमुख स्थल/स्मारक

विश्व धरोहर सप्ताह के अंतर्गत आयोजित चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति जागरुकता एवं संवेदनशीलता विकसित करना था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने ताजमहल, तब मीनार अनंतरामाधिस्तुप आदि ऐतिहासिक स्थलों को अपनी सजनात्मक के माध्यम से अत्यंत प्रभावशाली कप में प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों की बना दिया। इस प्रतियोगिता ने विदयार्थियों में अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति सकारात्मक कलात्मक अभिव्यक्तिरंजन एवं ऐतिहासिक समझने कार्यक्रमको अत्यंत आकर्षक जानवर्धक दृष्टिकोण विकसित किया। कला शैली विषयवस्तु प्रस्तुतीकरण आदि मानको के आधार पर निर्णायक मंडल निम्न छात्र–छात्राओं को विजेता घोषित किया–

प्रथम स्थान

1–करन– श्री सुनील बीए तृतीय वर्ष
2–नीतू – श्री वीरेंद्र गुप्ता–बीए तृतीय वर्ष
3–रिया –सुनील –बीए प्रथम वर्ष

द्वितीय स्थान

1–खुशबू – श्री राजेश–बीए तृतीय वर्ष
2–तमन्ना सिद्धार्य – श्री संजय कुमार–बीए तृतीय वर्ष
3–चेतना कोरंगा–श्री प्रकाश सिंह बीए द्वितीय वर्ष

तृतीय स्थान

1–रिया यादव– श्री राम कुमार यादव – बी ए तृतीय वर्ष
2– ज्योति –श्री मुन्ना सिंह – बीए द्वितीय वर्ष
3–अर्चना मौर्य मौर्य–श्री जयप्रकाश मौर्य बी. ए प्रथम वर्ष

क्विज प्रतियोगिता

विषय – वंदे मातरम् एवं स्वदेशी आंदोलन

विश्व धरोहर सप्ताह के अंतर्गत आयोजित क्विज प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की गौरवशाली घटनाओं एवं राष्ट्रवादी विचारधारा से परिचित कराना था। 'वंदे मातरम् एवं ''स्वदेशी आंदोलन'' विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने ज्ञान एवं त्वरित बाँधिक क्षमता का परिचय दिया। प्रश्नोतरी के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति, स्वदेशी भावना तथा भारतीय इतिहास के प्रति रुचि और अधिक प्रबल हुई। प्रतियोगिता का वातावरण अत्यंत प्रेरणादायक एवं उत्साहपूर्ण रहा। विजेता टीमो का विवरण निम्नवत है–

विजेता टीम–टीम A बी.ए. द्वितीय वर्ष

1–रिया
2–अनामिका सिसोदिया
3–चेतना कोरंगा
4–पायल

उपविजेता टीम – टीम B बी.ए. प्रथम वर्ष

1–खुशी
2–अर्चना मौर्या
3–शिवम
4–अजय

स्टूडेंट सेमिनार / पी.पी.टी. प्रस्तुतीकरण

विषय – भारतीय इतिहास के प्रसिद्ध व्यक्तित्व या स्थल

पी.पी.टी. प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम का प्रस्तुतीकरण

कौशल एवं ऐतिहासिक चिंतन विकसित करने के उद्देश्य से किया गया। विदयार्थियों ने महाराणा प्रताप, रानी लक्ष्मीबाई, सम्राट अशोक, स्वामी विवेकानंद जैसे महान व्यक्तित्वों एवं विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियों दी। प्रतिभागियों ने तथ्यों, चित्रों एवं विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से अपने विषय पर अपनियों है। पतित किया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, संवाद कौशल एवं इतिहास के प्रति गहन रुचि उत्पन्न की स्लाइड मेकिंग, विषय वस्तु, प्रस्तुतीकरण, भाषा शैली आदि के आधार पर निर्णायक मंडल में निम्न छात्र–छात्राओं को विजेता घोषित किया–

प्रथम स्थान – निधि भारती बी.ए. तृतीय वर्ष
द्वितीय स्थान – अनामिका बी.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय स्थान– चेतना कोरंगा बी.ए. द्वितीय वर्ष

वाग्मिता प्रतियोगिता
विषय – महान विभूतियांः–भारतीय इतिहास की धरोहर

वादि्भता प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषण कला, तार्किक अभिव्यक्ति एवं भारतीय संस्कृति के प्रति गर्व की भावना विकसित करना था। महान विभूतियां भारतीय इतिहास की धरोहर विषय पर प्रतिभागियों ने भारतीय इतिहास की महाविभूतियों व स्वतंत्रता के महानायकों के योगदानों व बलिदानों को प्रभावशाली शब्दों में प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों के विचारों में भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं उसके वैश्विक महत्व की स्पष्ट झलक दिखाई दी। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति क्षमता एवं चेतना को सुदृढ़ किया। समय सीमा, विषय आन और प्रस्तुतिकरण के आधार पर निर्णायक मंडल में निम्न छात्र–छात्राओं को विजेता घोषित किया–

प्रथम स्थान–अनामिका बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय स्थान – चेतन कोरंगा–बी.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय स्थान–आयुष बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

निबंध लेखन प्रतियोगिता
विषय – भारतीय संस्कृति और आधुनिकता का संगम

निबंध प्रतियोगिता का आयोजन विद्यार्थियों की लेखन क्षमता, चिंतन शक्ति एवं सामाजिक दृष्टिकोण को विकसित करने के उद्देश्य से किया गया। 'भारतीय संस्कृति और आधुनिकता का संगम' विषय पर विद्यार्थियों ने भारतीय परंपराओं एवं आधुनिक जीवन शैली के मध्य संतुलन को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने अपने विचारों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि आधुनिकता को अपनाते हुए भी भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को सुरक्षित रखा जा सकता है। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, वैचारिक गहराई एवं लेखन कौशल को नई दिशा प्रदान की। लेखन शैली, विषय वस्तु, एवं प्रस्तुतिकरण के आधार पर निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान किये –

प्रथम स्थान
1–पूजा राठौर– बी.ए. द्वितीय वर्ष
2–सानिया – बी.ए. द्वितीय वर्ष
3–खुशी– बी.ए. प्रथम वर्ष

द्वितीय स्थान
1–प्राची प्रिया – बी.ए. द्वितीय वर्ष
2–अर्चना मौर्य – बी.ए. प्रथम वर्ष
3–आकांक्षा – बी.ए. प्रथम वर्ष

तृतीय स्थान
1–सरिता कुमारी – बी.ए. द्वितीय वर्ष
2–ज्योति सिंह – बी.ए. द्वितीय वर्ष
3–भावना –बी.ए. प्रथम वर्ष

इतिहास से संबंधित विभिन्न दिवसो का आयोजन

सुभाष चंद्र बोस जयंती, चौरी–चौरा दिवस, शहीद दिवस, जलियांवाला बाग स्मृति दिवस, महाराणा प्रताप जयंती, 1857 का क्रांति दिवस, दिवस शहीद बाल गंगाधर तिलक एवं चंद्र शेखर जयंती, नेशनल फ्लैग एडॉप्शन डे, विभाजन की विभीषका दिवस आदि ऐतिहासिक दिवसो पर परिचर्चा, विचार प्रस्तुतीकरण, क्विज, वादि्भता एवं संगोष्ठी आदि का आयोजन भी इतिहास परिषद के अंतर्गत किया गया।

सभी प्रतियोगिताओं में विजित छात्र–छात्राओं को विभागीय परिषद के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी देकर उनका उत्साह वर्धन किया गया। इतिहास की शौर्य गाथा परिषद के अंतर्गत संपन्न सभी कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर संगीता गुप्ता के संरक्षण एवं कुशल मार्गदर्शन में इतिहास विभाग की प्रभारी डॉ. श्वेता शर्मा द्वारा किया गया।

गृहविज्ञान विभागीय परिषद्

डॉ. प्रियंका
विभाग प्रभारी

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह आख्या

गृह विज्ञान विभागीय परिषद के अर्न्तगत स्वास्थ्य एवं सम्पूर्ण विकास जागरुकता हेतु महाविद्यालय में दिनांक 01 सितम्बर 2025 से 07 सितम्बर 2025 तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ०) संगीता गुप्ता जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ० प्रियंका ने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के इतिहास, उद्देश्य एवं महत्व के बारे में बताते हुए संतुलित आहार की जानकारी देते हुए कहा कि आहार में पोषक तत्वों की सही मात्रा ही अच्छे स्वास्थ्य की पहली सीढी है। 2025 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की थीम "Nutritious Food for All, from children to the Elderly" के बारे में भी बताया गया। इसके पश्चात् डॉ० प्रियंका के द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अन्तर्गत होने वाली साप्ताहिक गतिविधियों के बारे में छात्र–छात्राओं को अवगत कराया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ० सत्यन्त कुमार ने दैनिक जीवन में पोषण के महत्व को बताते हुए कहा कि घर पर बना हुआ भोजन साफ, सुरक्षित और पोषण से भरपूर होता है अतः प्रोसेस्ड और फास्ट फूड से हम सभी को बचना चाहिये ।

इसी क्रम में डॉ० अरविन्द यादव ने पोषण के साथ अंतर्मन की शुद्धता के महत्व को बताते हुए सभी को 5 मिनट का मेडिटेशन कराया और नियमित व्यायाम एवं मानसिक स्वास्थ्य के ध्यान की महत्ता को बताते हुए सभी को मोटिवेट किया।

अंत में डॉ. विनोद कुमार ने पोषण के महत्व के साथ क्या और कब खायें ? इसके बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान प्राचार्या प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता जी ने छात्र – छात्राओं को स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। इसी क्रम में ''पोषण एवं पोषण युक्त आहार'' विषय पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

क्विज प्रतियोगिता में विजित छात्र :–

प्रथम स्थान – शबीना श्री जबीर हुसैन बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय स्थान – खुशी श्री नरेश बी.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय स्थान – तशु श्री त्रिलोकचन्द बी. ए. द्वितीय वर्ष

सम्पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन गृह विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ० प्रियंका द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक गण, कर्मचारी गण एवं काफी सख्या में छात्र – छात्राएँ उपस्थित रहें ।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के द्वितीय दिवस दिनांक 02/09/2025 को सर्वप्रथम वी० एम० एल०जी० कॉलिज, गाजियाबाद के गृह विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बनस्थली विद्यापीठ की प्रो0 (डॉ०) नमिता पारिख द्वारा आनलाइन माध्यम से ''किशोरावस्था में आहार का महत्व" विषय पर व्याख्यान में सभी छात्र – छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसके पश्चात् गृह विज्ञान विभाग, सास्कृतिक क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में फूड फेस्टिवल '' भारत के जायके'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य मैम, सभी सम्मानित प्राध्यापक गण के साथ गृह विज्ञान विभाग के एवं महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा लगाए गए 17 फूड स्टॉल जैसे – फ्रूट चाट, गोलगप्पे, दही भल्ले, पोहा, वेजिटेबल पुलाव, वेजिटेबल सैंडविच, फ्रूट कस्टर्ड, खीर, जलेबी, कढी चावल (दो स्टॉल), झालमुरी, लिट्टी चोखा, वडा पाव, ढोकला, राज कचोड़ी, मूंग दाल का चीला का भ्रमण कर पोषणिक मूल्य के बारे में भी बताया गया। साथ ही निर्णायक मण्डल डॉ० सत्यन्त कुमार, डॉ० राजीव वर्मा एवं डॉ० मीनू चौधरी द्वारा बच्चों के व्यंजनों का मूल्याकंन

किया गया एवं बच्चों के स्टॉल से खरीदारी भी की गई और बच्चों को बधाई देते हुए उनका मनोबल भी बढाया गया एवं विजित छात्र–छात्राओं के नाम निम्नवत् है :

फूड स्टॉल भारत के जायके'' प्रतियोगिता में विजित छात्र :–

प्रथम स्थान :–(राज कचौडी)

अनम – श्री मौ० सलीमुद्दीन बी. एससी. तृतीय वर्ष
अंकित – श्री सुरज भान बी. एससी. तृतीय वर्ष
अनुज कुमार–श्री मनोज कुमार बी. एससी. तृतीय वर्ष
सिमरन – श्री महेन्द्र सिंह बी. एससी. तृतीय वर्ष

द्वितीय स्थान :– (गोलगप्पे)

श्रद्धा त्यागी–श्रीजगमोहन त्यागी बी.एससी. द्वितीय वर्ष
महशर – श्री मो० जाकिर हुसैन बी.एससी. तृतीय वर्ष
सुहैब – श्री अमीर हसन बी. एससी. तृतीय वर्ष
राहुल – श्री गोपाल मडंल बी. एससी. तृतीय वर्ष

द्वितीय स्थान :– (फ्रूट कस्टर्ड)

मुस्कान – श्री हरीश बी. ए. द्वितीय वर्ष
दिव्या – श्री ओमवीर पाल बी. ए. द्वितीय वर्ष

तृतीय स्थान :– (लिट्टी चोखा)

हिमांशी – श्री त्रिलोक चन्द बी. ए. द्वितीय वर्ष
तशु – श्री त्रिलोक चन्द बी. ए. द्वितीय वर्ष
सोनिया – श्री सबलू मंडल बी. ए. द्वितीय वर्ष

तृतीय स्थान : (झालमूरी)

मुन्नी – श्री राजू पासवान बी. ए. तृतीय वर्ष
विधि पार्चा – श्री विनोद कुमार बी. ए. तृतीय वर्ष
मुस्कान – श्री हरीश बी. ए. तृतीय वर्ष
स्वात्ति कुशवाहा – श्री देवेन्द्र कुशवाहा बी.ए. तृतीय वर्ष
रोजी – श्री लाल बाबू बी. ए. तृतीय वर्ष
तन्नु – श्री राजकुमार बी. ए. तृतीय वर्ष

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के तृतीय दिवस 03/09/2025 को पोस्टर एवं स्लोगन मेंकिग प्रतियोगिता विषय - "Importance of Balanced Diet" पर आयोजन किया गया। जिसमें छात्र – छात्राओं ने काफी संख्या में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विजितः छात्र – छात्राओं के नाम निम्नवत् है :–

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के चतुर्थ दिवस 04/09/2025 को कविता लेखन प्रतियोगिता का अंग्रेजी विभाग एवं गृह विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजन किया गया । जिसमे छात्र–छात्राओं ने काफी संख्या में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विजित छात्र–छात्राओं के नाम निम्नवत् हैः–

कविता लेखन प्रतियोगिता में विजित छात्र :–

प्रथम स्थान : ओमप्रकाश श्री नथुनी प्रसाद बी. एससी. द्वितीय वर्ष

द्वितीय स्थान :– श्रद्धा त्यागी श्री जगमोहन त्यागी बी. एससी. द्वितीय वर्ष

तृतीय स्थान :– हिमांशी श्री त्रिलोक चन्द बी.ए. द्वितीय वर्ष

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के पंचम दिवस 05/09/2025 को डाक्युमेंट्री का प्रदर्शन किया गया जिसमें पोषण एवं पोषक तत्वों से युक्त आहार के द्वारा स्वस्थ जीवन के लाभ द्वारा ही मनुष्य जीवन की सभी अवस्थाओं एक स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। आज के लाइफ स्टाइल में सही पोषण से स्वस्थ जीवन को प्राप्त किया जा सकता है के बारे में पूर्ण जानकारी से अवगत कराया गया । सभी छात्र–छात्राओं ने बड़े उत्साह एवं पूर्ण मनोयोग के साथ सभी जानकारीयों को ग्रहण कर अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का आश्वासन दिया। महाविद्यालय की प्राचार्या मैम ने छात्र – छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम आनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य जी ने गृह विज्ञान की छात्र–छात्राओं को कार्यक्रम की सफलता हेतु बधाई दी। कार्यक्रम का आयोजन डॉ० प्रियंका गृह विज्ञान प्रभारी, डॉ० निधि शुभानन्द सास्कृतिक क्लब प्रभारी एवं डॉ० अनु मिश्रा राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक गण, कर्मचारी गण, काफी संख्या में छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहें।

पोस्टर मेंकिग प्रतियोगिता में विजित छात्र :–

प्रथम स्थान : ओम प्रकाश श्री नथुनी प्रसाद बी.एससी. द्वितीय वर्ष

द्वितीय स्थान :– काजल श्री आजाद वीर बी.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय स्थान :– कोमल सागर श्री गोरेलाल बी.ए. तृतीय वर्ष

मिनी पोस्टर स्लोगन प्रतियोगिता में विजित छात्र
प्रथम स्थान : शालू श्री विनोद बी० एस सी० तृतीय वर्ष
द्वितीय स्थान :– अनन्या श्री रंजीत कुमार साह बी० ए० द्वितीय वर्ष
तृतीय स्थान :– दिव्या श्री ओमवीर बी० ए० द्वितीय वर्ष

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के षष्ठम् दिवस पर 06/09/2025 को आनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से ''महिलाओं के जीवन में पोषण का महत्व " विषय पर डॉ. प्रियंका द्वारा व्याख्यान दिया गया। जिसमें छात्र – छात्राओं को महिलाओं के स्वस्थ जीवन हेतु संतुलित आहार के महत्व पर विस्तार से बताया गया साथ ही महिलाओं के जीवन के विभिन्न अवस्थाओं में अलग–अलग पोषण युक्त आहार की आवश्यकता होती है उसी के अनुरूप महिलाओं को सन्तुलित आहार ग्रहण करना चाहिए। तभी महिला एक अच्छे स्वस्थ जीवन शैली को प्राप्त कर सकती है विशेषतौर पर विशेष अवस्था में अतिरिक्त पोषण युक्त आहार लेना चाहिए तभी वह अपने साथ–साथ अपने सम्पूर्ण परिवार की देखरेख कर सकती है आदि सम्पूर्ण जानकारी छात्र–छात्राओं को विस्तार पूर्वक बताया गया। उक्त व्याख्यान में सभी छात्र–छात्राओं ने बड़े उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के सप्तम् दिवस 07/09/2025 को निबन्ध लेखन प्रतियोगिता विषय :– अच्छे स्वास्थ्य हेतु पोषण युक्त आहार का महत्व '' का आयोजन गृह विज्ञान विभाग एवं अंग्रेजी विभाग के सयुक्त तत्वाधान में आयोजन किया गया। जिसमें छात्र – छात्राओं ने काफी संख्या में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता मे विजित छात्र–छात्राओं के नाम निम्नवत् है :–

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में विजित छात्र :–
प्रथम स्थान :– निधि भारती श्री कौशल प्रसाद भारती बीए द्वितीय वर्ष
द्वितीय स्थान :– आकाश चौधरी श्री तेजवीर सिंह, बी.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय स्थान :– किरन श्री धनीराम बी० ए० तृतीय वर्ष
प्रत्येक दिवस पर पूवहिन में "Nutritious Food for All, From children to the Elderly" थीम पर छात्र – छात्राओं को व्याख्यान भी दिया गया। आदरणीया प्राचार्या जी द्वारा गृह विज्ञान के छात्र–छात्राओं को कार्यक्रम की सफलता हेतु बधाई दी। यह सम्पूर्ण सप्ताह का आयोजन आदरणीया प्राचार्या मैम जी के दिशा–निर्देशन एवं मागदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यशाला आख्या

महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग, महिला प्रकोष्ठ एवं आई क्यू एसी के संयुक्त तत्वाधान में पिडीलाइट के माध्यम से त्रिदिवसीय कार्यशाला (दिनांक 24 मार्च 2026, 25 मार्च 2026 एवं 30 मार्च 2026) का आयोजन किया गया है। कार्यशाला का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता मैम जी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ० प्रियंका ने कार्यशाला की उपयोगिता तथा महत्व के बारे में जानकारी दी।

पिडीलाइट की तरफ से श्रीमति सूची टंडन मैम द्वारा उक्त तीन दिवस में छात्र–छात्राओं द्वारा प्रथम दिवस पर क्ले एवं कार्निवल कीट एवं एक्रेलिक कलर किट का प्रयोग करके Key Chain का आर्टिकल तैयार किया गया। द्वितीय दिवस पर छात्र–छात्राओं द्वारा एमडीएफ बोर्ड कार्डबोर्ड पर एक्रेलिक कलर के माध्यम से पेंटिंग कर आर्टिकल तैयार किया गया।

तृतीय दिवस पर छात्र–छात्राओं द्वारा कार्निवल किट एवं एक्रेलिक कलर किट के माध्यम से टीशर्ट, शर्ट, कुशन कवर, पिलो कवर आदि विभिन्न आर्टिकल कलर के माध्यम से स्टैंसिल का प्रयोग करके आर्टिकल तैयार किए गए।

उक्त कार्यशाला में छात्र–छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग कर विभिन्न आर्टिकल तैयार करें । महाविद्यालय की प्राचार्या मैम ने छात्र–छात्राओं का मनोबल एवं उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप इस तरह की कार्यशाला में प्रतिभाग कर अपनी कलात्मक एवं रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से स्वयं के व्यवसाय को भी को प्रारम्भ कर सकते है। कार्यशाला आयोजन डॉ. प्रियंका के द्वारा किया गया। कार्यशाला में डॉ० ज्योति यादब, डॉ० निधि शुभानन्द, डॉ. उत्तम शर्मा एवं डॉ. अनु मिश्रा के द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की आख्या

प्रो. (डॉ.) प्रीति गोयल
प्रो०–पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान

किसी भी महाविद्यालय में पुस्तकालय का वही स्थान होता है, जो मानव शरीर में मस्तिष्क का पुस्तकालय शैक्षणिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र होता है जहाँ शिक्षक अध्यापन हेतु अपनी पाठ योजना को प्रभावी बनाने के लिए सहायक व संदर्भ पुस्तकों का सहयोग लेते हैं तथा विद्यार्थी अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए वांछित सामग्री प्राप्त कर अध्ययन करते हैं महाविद्यालय के पुस्तक संग्रह में लगभग साढे चार हजार पुस्तके हैं किंतु विगत अनेक वर्षों से पुस्तक क्रयार्थ प्रतिवर्ष अनुदान प्राप्त न होने के कारण नई शिक्षा नीति 2020 के पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकों का अभाव है। शैक्षणिक सत्र 2025–26 में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से सम्बद्धता लेकर महाविद्यालय में कला संकाय में स्नातक स्तर पर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विषय की कक्षाएं प्रारम्भ की गयी। दिनांक 24 अक्टूबर 2025 को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के तत्वाधान में पुस्तकालय परिषद का गठन किया गया–

संरक्षक – प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता प्राचार्या
अध्यक्ष – प्रो० (डॉ०) प्रीति गोयल विभाग प्रभारी
अध्यक्ष – कु० कनक बी०ए० प्रथम वर्ष
सचिव – कु० आरती बी०ए० प्रथम वर्ष
कोषाध्यक्ष – कु० रुक्मणी बी०ए० प्रथम वर्ष

छात्र–छात्राओं के रचनात्मक, क्रियात्मक तथा तकनीकी ज्ञान में वृद्धि हेतु दिनांक 24 नवंबर 2025 को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान तथा अंग्रेजी विभाग की परिषद के संयुक्त तत्वाधान में **फ्लावर पॉट प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित छात्राओं ने सम्मुख अंकित स्थान प्राप्त किया –

1. कु० कशिश – बी.ए. प्रथम वर्ष प्रथम स्थान
2. कु० रुक्मणी – बी.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान
3. कु० कनक – बी.ए. प्रथम वर्ष तृतीय स्थान

दिनांक 10 मार्च 2026 को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की विभागीय परिषद के तत्वाधान में **बुकमार्क प्रतियोगिता** आयोजित की गई किसका परिणाम निम्नवत रहा–

1. कु० रुक्मणी – बी.ए. प्रथम वर्ष प्रथम स्थान
2. कु० कशिश – बी.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान
3. कु० सोनिया यादव – बी.ए. प्रथम वर्ष तृतीय स्थान

* * *

दर्शनशास्त्र विभागीय परिषद्

वसीम मंसूर
विभाग प्रभारी

महाविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र के दौरान विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं व्यावहारिक विकास हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विभाग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को दर्शनशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित कराने के साथ–साथ उन्हें समकालीन समाज और वर्तमान परिस्थितियों के संदर्भ में दार्शनिक विचारों को समझने एवं व्याख्यायित करने के लिए प्रेरित करना रहा।

सत्र के दौरान विद्यार्थियों को भारतीय एवं पाश्चात्य दार्शनिकों के विचारों का अध्ययन कराया गया तथा उन्हें समकालीन सामाजिक, राजनीतिक एवं नैतिक चुनौतियों के संदर्भ में समझने के लिए प्रोत्साहित किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न चर्चाओं, प्रस्तुतियों एवं संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से दर्शनशास्त्र की प्रासंगिकता को वर्तमान समय से जोड़ने का प्रयास किया।

इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों को योग का व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान किया गया, क्योंकि योग उनके प्रायोगिक पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण भाग है। योगाभ्यास के माध्यम से विद्यार्थियों में मानसिक संतुलन, आत्म–अनुशासन एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया।

छठे सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रासंगिक विषयों पर परियोजना फाइलें भी तैयार की गईं। इन

परियोजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने शोधपरक अध्ययन, विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण एवं विषय की गहन समझ विकसित की। विभाग विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी एवं उत्साहपूर्ण सहयोग के लिए उनका अभिनंदन करता है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं नैतिक मूल्यों के संवर्धन हेतु प्रतिबद्ध है।

✵ ✵ ✵

'देवनागरी' हिन्दी विभागीय परिषद

विनोद कुमार
प्रभारी विभाग

डॉ. बॉबी यादव
एसो. प्रोफेसर

शैक्षणिक सत्र 2025–26 के अंतर्गत देवनागरी परिषद, हिन्दी विभाग द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों के अंतर्गत एक कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विवरण निम्नवत है:

दिनांक : 30/10/2025
समय : 11:00 बजे
स्थान : स्मार्ट रूम, प्रथम तल, मा० कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, गाजियाबाद

निर्णायक :
1. डा. राजीव वर्मा
२. डा. बॉबी यादव

विजेता –
प्रथम तशू, बी. ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय – निखिल गौतम, बी.ए. तृतीय वर्ष
तृतीय – शोएव, बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

सांत्वना
1. परी गुप्ता बी. ए. तृतीय वर्ष
2. तमन्ना बी. ए. द्वितीय वर्ष

इसी प्रकार देवनागरी परिषद् द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हिन्दी सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिनका विवरण निम्नवत हैः –

निबन्ध प्रतियोगिता
दिनांक : 18/09/2025
विषय : स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी साहित्य का योगदान
निर्णायक : डॉ. विनोद कुमार

विजेता
प्रथम – अर्चना मौर्या, बी.ए. प्रथम वर्ष
द्वितीय – एकता, बी. ए.सी, द्वितीय वर्ष
तृतीय – किरन, बी.ए. तृतीय वर्ष

कहानी लेखन प्रतियोगिता
दिनांक – 20/09/25
निर्णायक – डॉ. बॉबी यादव

विजेता –
प्रथम– सुहैब बी. एस.सी, तृतीय वर्ष
द्वितीय– काजल पाल, बी. ए. प्रथम वर्ष
तृतीय – आस्था कुमारी, बी.ए. प्रथम वर्ष

कविता लेखन प्रतियोगिता
दिनांक : 19–09–2025
निर्णायक : डॉ. बॉबी यादव

विजेता –
प्रथम – अनामिका, बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय – अर्चना मौर्या, बी.ए, प्रथम वर्ष
तृतीय – रूविमणी, बी. ए.

सभी कार्यक्रमों का आयोजन आदरणीय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) संगीता गुप्ता के निर्देशन में एवं डा. बॉबी यादव व विनोद कुमार के संयोजन में किया गया।

✵ ✵ ✵

भौतिक विज्ञान विभागीय परिषद

श्री योगेन्द्र कुमार
विभाग प्रभारी

भौतिकी विभाग के लिए यह शैक्षणिक वर्ष अत्यंत सक्रिय, ज्ञानवर्धक एवं उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा। विभाग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक चिंतन तथा प्रकृति के नियमों के प्रति जिज्ञासा का विकास करना रहा। इस वर्ष विभाग द्वारा शिक्षण एवं अधिगम की प्रक्रिया को अधिक रोचक, व्यावहारिक तथा समकालीन बनाने के लिए अनेक प्रयास किए गए।

विभाग में भौतिकी के विभिन्न सिद्धांतों एवं अवधारणाओं को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखते हुए उन्हें दैनिक जीवन के उदाहरणों से जोड़कर विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों ने विषय को अत्यंत रुचिकर पाया तथा कक्षा शिक्षण में सक्रिय भागीदारी दिखाई। आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, प्रस्तुतियों, मॉडल प्रदर्शन तथा संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से जटिल विषयों को सरल एवं सहज रूप में समझाने का प्रयास किया गया। इससे विद्यार्थियों में विषय के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि हुई।

भौतिकी एक प्रयोगात्मक विज्ञान है. इसलिए विभाग ने प्रयोगात्मक शिक्षण पर विशेष बल दिया। प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को विभिन्न उपकरणों के संचालन, मापन तकनीकों तथा वैज्ञानिक विधियों का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विद्यार्थियों ने स्वयं प्रयोग करके सिद्धांतों की सत्यता को समझा तथा वैज्ञानिक निष्कर्ष निकालने की प्रक्रिया का अनुभव प्राप्त किया। प्रयोगशाला गतिविधियों ने उनमें अवलोकन, विश्लेषण तथा समस्या समाधान की क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विभाग द्वारा विद्यार्थियों को नवीन वैज्ञानिक खोजों एवं भौतिकी के समकालीन विकासक्रम से परिचित कराने के लिए विशेष मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। विद्यार्थियों को विभिन्न परियोजना कार्यों (Project Files) के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा उन्हें आधुनिक विषयों जैसे क्वांटम कंप्यूटिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, नैनो प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, सेमीकंडक्टर तकनीक तथा आधुनिक संचार प्रणालियों से संबंधित विषयों पर परियोजनाएँ तैयार करने हेतु हेतु मार्गदर्शन दिया गया। इन परियोजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने शोधपरक दृष्टिकोण विकसित किया तथा वैज्ञानिक साहित्य के अध्ययन और प्रस्तुतीकरण की कला को सीखा।

अंततः, भौतिक विज्ञान विभाग इस शैक्षणिक वर्ष की उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त करते हुए भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उत्कृष्ट प्रयोगात्मक प्रशिक्षण तथा अनुसंधान उन्मुख गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प व्यक्त करता है। विभाग के सभी विद्यार्थियों के संयुक्त प्रयासों से यह वर्ष सफल एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

✵ ✵ ✵

'कल्पवृक्ष' वनस्पति विज्ञान विभागीय परिषद

डॉ० निधि शुभानंद
विभाग प्रभारी

"Plants give us oxygen for the lungs and for the soul."

मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, नंदग्राम, गाजियाबाद की वनस्पति विज्ञान परिषद् ''कल्पवृक्ष '' प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों हेतु विविध गतिविधियों का आयोजन करती है। प्रकृति मानव जीवन का आधार है और वनस्पति विज्ञान प्रकृति के उन सूक्ष्म रहस्यों को समझने का विज्ञान है, जो पृथ्वी पर जीवन को संभव बनाते हैं। ''कल्पवृक्ष'' द्वारा, सत्र 2025–26 में विभाग प्रभारी डॉ० निधि शुभानंद के नेतृत्व में विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, पर्यावरणीय चेतना एवं रचनात्मक प्रतिभा को विकसित करने हेतु अनेक शैक्षणिक एवं सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। (समस्त कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय की श्रद्धेय प्राचार्य प्रो० संगीता गुप्ता के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया

गया है.) परिषद् का उद्देश्य केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित न होकर विद्यार्थियों में अनुसंधान, नवाचार एवं प्रकृति के संरक्षण की भावना को विकसित करना है। परिषद् को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु लोकतांत्रिक तरीके से निम्न कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया:

अध्यक्ष: सुहेब, बी०एस०सी० तृतीय वर्ष
उपाध्यक्ष: राहुल एवं अंश, बी०एस०सी० तृतीय वर्ष
सचिव: श्रद्धा त्यागी, बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष
कोषाध्यक्ष: आरती, बी०एस०सी०– द्वितीय वर्ष

"The clearest way into the Universe is through a forest wilderness-" - John Muir

माह जुलाई में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न औषधीय, छायादार एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जैव विविधता संरक्षण एवं कार्बन अवशोषण में पौधों की भूमिका के विषय में जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था।

ओपन सेमिनार

परिषद् द्वारा दृष्टि आईएएस के सहयोग से "Stronger Foundation for a Brighter Self" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विघ्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास, लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञ वक्त श्री प्रशांत शर्मा ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच, अनुशासन एवं सकारात्मक दृष्टिकोण का संदेश दिया। कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ।

मिनिएचर गार्डन मेकिंग प्रतियोगिता

"To plant a garden is to believe in tomorrow."
-Audrey Hepburn

विद्यार्थियों की सृजनात्मकता एवं प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करने हेतु ''मिनिएचर गार्डन मेकिंग प्रतियोगिता'' का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने सीमित स्थान (गमलों) में सुंदर एवं पारिस्थितिकीय दृष्टि से संतुलित उघ्यानों का निर्माण कर अपनी कलात्मक एवं वैज्ञानिक प्रतिभा का परिचय दिया प्रतियोगिता का परिणाम निम्नवत रहा:
प्रथम स्थान: धीरज कुमार
द्वितीय स्थान: कुमकुम एवं श्रद्धा
तृतीय स्थान: इशिका एवं एकता

मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता

वनस्पति विज्ञान से संबंधित वैज्ञानिक अवधारणाओं को व्यवहारिक एवं दृश्यात्मक रूप में समझाने हेतु मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने कोशिका संरचना, पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता एवं पौधों की शारीरिक प्रक्रियाओं जैसे विषयों पर उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किए।

परिणाम:
प्रथम स्थान: सुहेब, राहुल एवं अंश
द्वितीय स्थान: खुशबू, गुनगुन एवं शुभम
तृतीय स्थान: पूजा वर्मा

यह प्रतियोगिता विघ्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिव्यक्ति, टीमवर्क एवं नवाचार की भावना को विकसित करने में सहायक रही।

छात्र संगोष्ठी

विभाग द्वारा छात्र संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने वनस्पति विज्ञान के विभिन्न विषयों पर शोधपरक प्रस्तुतियाँ दीं। विघ्यार्थियों ने औषधीय पौधों, जैव विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन एवं पारिस्थितिकी जैसे समसामयिक विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस संगोष्ठी ने विद्यार्थियों में अनुसंधान अभिरुचि, वैज्ञानिक लेखन एवं प्रस्तुतीकरण कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शैक्षिक परिभ्रमण

दिनांक 26 नवम्बर 2025 को HRIT, गाजियाबाद द्वारा आयोजित "Rise India Exhibition" में छात्र–छात्राओं

ने विभाग प्रभारी एवं अन्य प्राध्यापकों के साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों को नवाचार, तकनीकी विकास, उद्यमिता एवं रोजगार संबंधी विविध जानकारियाँ प्राप्त हुई। कार्यक्रम विध्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। महाविद्यालय परिवार ने HRIT, गाजियाबाद के प्रति आभार व्यक्त किया।

विशेषज्ञ व्याख्यान

"Science knows no country, because knowledge belongs to humanity." -Louis Pasteur

''कल्पवृक्ष'' परिषद द्वारा राजकुमार गोयल इस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गाजियाबाद के सहयोग से "AI Revolution Shaping the Digital World" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमता (Artificial Intelligence) के वैज्ञानिक, शैक्षणिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों में बढ़ते प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की गई। विद्यार्थियों को यह जानकारी दी गई कि आधुनिक वनस्पति विज्ञान में भी । कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग पौधों की पहचान, डेटा विश्लेषण, जैव विविधता अध्ययन एवं कृषि अनुसंधान में तेजी से बढ़ रहा है।

फ्लोरा आइडेंटिफिकेशन प्रोजेक्ट

सत्र 2025–26 में ''कल्पवृक्ष'' द्वारा फ्लोरा आइडेंटिफिकेशन प्रोजेक्ट संचालित किया गया, जिसके अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में पाई जाने वाली लगभग 70 वनस्पति प्रजातियों की पहचान की गई। विध्यार्थियों ने वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार पौधों का वर्गीकरण, स्थानीय एवं वानस्पतिक नामों का संकलन तथा उनकी उपयोगिता का अध्ययन किया। इसके साथ ही विभाग द्वारा एक सुव्यवस्थित फ्लोरा रजिस्टर भी तैयार किया गया, जो भविष्य के शोध एवं अध्ययन कार्यों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। यह परियोजना विद्यार्थियों में फील्ड स्टडी, टैक्सोनॉमी एवं जैव विविधता संरक्षण के प्रति रुचि विकसित करने में अत्यंत प्रभावी रही।

पुरस्कार वितरण समारोह

विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया गया। इससे विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिला।

सत्र 2025–26 कल्पवृक्ष वनस्पति विज्ञान परिषद के लिए उपलब्धियों, नवाचारों एवं वैज्ञानिक गतिविधियों से परिपूर्ण रहा। परिषद ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना, पर्यावरणीय संवेदनशीलता एवं अनुसंधान परक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। परिषद भविष्य में भी इसी उत्साह एवं समर्पण के साथ विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक विकास हेतु विविध कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी।

* * *

गणित विभागीय परिषद्

उत्तम कुमार शर्मा
विभाग प्रभारी

विभाग में शैक्षिक गतिविधियों के अतिरिक्त अन्य ज्ञानवर्धन गतिविधियों के सफल आयोजन हेतु वर्ष 2025–26 के लिए गणित विभाग परिषद का नवंबर माह में गठन किया गया। जिसमें निम्न कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया।

अध्यक्ष– बिट्टू
उपाध्यक्ष– रोहित कुमार
सचिव– शगुन
कोषाध्यक्ष–वशं पवार

गणित की विभिन्न कक्षाओं को प्रतिनिधित्व प्रदान करने हेतु निम्न कक्षा प्रतिनिधियों का भी चुनाव किया गया–

छात्र वर्ग–
1. विशाल, बी०एस०सी० 6जी सेमेस्टर
2. अमन सिंह, बी0एस0सी0 6जी सेमेस्टर

छात्रा वर्ग–
1. खुशी, बीएससी 2दक सेमेस्टर
2. नीतू सैनी, बी0एस0सी0 2दक सेमेस्टर

फरवरी –2026 में गणित विभागीय परिषद के अंतर्गत

क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता और लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

प्रतियोगिताओं के परिणाम निम्न प्रकार रहे–

क्विज प्रतियोगिताः–

विजेताओं के नाम	**कक्षा**	**परिणाम**
शगुन	बी०एस०सी० 2nd सेमेस्टर	प्रथम
बिट्टू	बी0एस0सी0 6th सेमेस्टर	द्वितीय
विशाल	बी0एस0सी0 6th सेमेस्टर	तृतीय

पोस्टर प्रतियोगिताः–

विजेताओं के नाम	**कक्षा**	**परिणाम**
खुशी	बी०एस०सी० 2दक सेमेस्टर	प्रथम
बिट्टू	बी०एस०सी० 6जी सेमेस्टर	द्वितीय
वंश पवार	बी०एस०सी० 2दकू सेमेस्टर	तृतीय

लेखन प्रतियोगिताः–

विजेताओं के नाम	**कक्षा**	**परिणाम**
रोहित कुमार	बी०एस०सी० 6th सेमेस्टर	प्रथम
बिट्टू	बी०एस०सी० 6th सेमेस्टर	द्वितीय
बिट्टू सैनी	बी०एस०सी० 2nd हेमेस्टर	तृतीय

✹ ✹ ✹

जन्तु विज्ञान विभागीय परिषद्

ले. (डॉ.) मीनू वार्ष्णेय
विभाग प्रभारी

सत्रारम्भ में जन्तु विज्ञान विभागीय परिषद के अन्तर्गत अकादमिक सत्र 2025–26 हेतु कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। जिसमें

अध्यक्ष – दिव्यांशी B. Sc IIIrd

सचिव – महशर B. Sc IIIrd

कोषाध्यक्ष – खुशबू B. Sc IIIrd

कक्षा प्रतिनिधि –

अदिति भारती B. Sc Ist

योगेश्वरी B. Sc IInd

शालू B. Sc IIIrd

बनाये गये। छात्र–छात्राओं में वैज्ञानिक अभिरुचि जाग्रत करने तथा रचनात्मक प्रतिभा के विकास करने हेतु छात्र संगोष्ठी तथा वाइल्ड एनिमल फोटोग्राफी प्रतियोगितायें करायी गयी।

प्रतियोगिताओं के परिणाम निम्नवत् रहे –

छात्र संगोष्ठी प्रतियोगिता

प्रथम – रेनू B.Sc Ist

द्वितीय– प्रतिमा यादव B.Sc Ist

तृतीय – अदिति भारती B.Sc Ist

वाइल्ड एनिमल फोटोग्राफी प्रतियोगिता –

प्रथम – महशर B. Sc IIIrd

द्वितीय – रेनू B. Sc Ist

तृतीय – नन्दिनी राज आदर्श B. Sc Ist

जन्तु विज्ञान विभाग के अन्तिम वर्ष (B.SC) की छात्र–छात्राओं के लिये शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। सभी छात्र– छात्रायें राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय, नई दिल्ली गये जहाँ उन्होंने रोचक तथ्य जाने तथा विज्ञान का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त किया ।

✹ ✹ ✹

रसायन विज्ञान विभागीय परिषद

डॉ. अनु मिश्रा
विभाग प्रभारी

शैक्षणिक सत्र 2025–26 के अंतर्गत रसायन विज्ञान विभागीय परिषद का गठन अत्यंत सुव्यवस्थित एवं उद्देश्यपूर्ण रूप से किया गया, जिससे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना, नेतृत्व क्षमता एवं अनुसंधान अभिरुचि का विकास किया जा सके। परिषद के सफल संचालन हेतु निम्न कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। कार्यकारिणी समिति ने पूरे सत्र में परिषद की गतिविधियों को सक्रिय एवं प्रभावी रूप से संचालित किया।

कार्यकारिणी समिति–

संरक्षक – प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता

विभाग प्रभारी– डॉ० अनु मिश्रा

अध्यक्ष–मेहसर पुत्री श्री मो० जाकिर हुसैन (B.Sc. III)

उपाध्यक्ष– सुहेब पुत्र श्री अमिर हसन (B.Sc. III)

सचिव–श्रद्धा त्यागी पुत्री श्री जगमोहन त्यागी (B.Sc. II)
सहसचिव– निर्जला पुत्री श्री अजय पासवान (B.Sc. I)
कोषाध्यक्ष – नन्दिनी राज आदर्श पुत्री श्री किशन राज आदर्श (B.Sc. I)
छात्र प्रतिनिधि– दिया त्यागी पुत्री श्री इन्द्र किशोर त्यागी (B.Sc. II)
दिव्यांशी पुत्री श्री सतीश शर्मा (B.Sc. III)
छात्रा प्रतिनिधि – सनी पाण्डेय पुत्र श्री प्रेम पाण्डेय (B.Sc. I)
श्रेयांश सक्सेना पुत्र श्री अवधेश कु. सक्सेना (B.Sc. II)

परिषद के तत्वावधान में विद्यार्थियों की शैक्षणिक, बौद्धिक एवं रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु विविध प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। इनमें रसायन विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, वैज्ञानिक मॉडल प्रतियोगिता, तथा रसायन विज्ञान लेख लेखन प्रतियोगिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रहीं। इसके अतिरिक्त विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिनसे विद्यार्थियों को नवीन वैज्ञानिक जानकारियों एवं अनुसंधान प्रवृत्तियों से परिचित होने का अवसर प्राप्त हुआ।

1) मॉडल प्रतियोगिता

दिनांक 08/11/2025 को रसायन विज्ञान विभाग में विभागीय परिषद् के तत्वावधान में एक मॉडल प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका परिणाम निम्नवत है–

प्रथम–ओमप्रकाश पुत्र श्री नथुनी प्रसाद गुप्ता (B.Sc. II)
द्वितीय–खुशबू पुत्री श्री शैलेन्द्र (B.Sc. II)
तृतीय–श्रद्धा त्यागी पुत्री श्री जगमोहन त्यागी (B.Sc. II)

2) क्विज प्रतियोगिता

दिनांक 25/02/2026 को रसायन विज्ञान विभाग में छात्र–छात्राओं के ज्ञान में संवर्धन हेतु रसायन विज्ञान विषय से संबंधित एक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका परिणाम निम्नवत है–

प्रथम – निधि पुत्री श्री संतोष कुमार (B.Sc. II)
द्वितीय–नेहा चौहान पुत्री श्री कुंअरपाल चौहान(B.Sc. II)
तृतीय – सुहेब पुत्र श्री अमिर हसन (B.Sc. III)
गुनगुन पुत्री श्री सुबोध कुमार (B.Sc. III)

3) केमिस्ट्री आर्टिकल कॉम्पटीशन (रसायन विज्ञान लेख लेखन प्रतियोगिता)

दिनांक 28/03/2006 को रसायन विज्ञान विभाग में केमिस्ट्री आर्टिकल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका परिणाम निम्नवत है–

प्रथम– श्रद्धा त्यागी पुत्री श्री जगमोहन त्यागी (B.Sc. II)
द्वितीय – नैन्सी पुत्री श्री सुकरामपाल (B.Sc. II)
तृतीय – खुशबू पुत्री श्री शैलेन्द्र (B.Sc. II)

4) संगोष्ठी

दिनांक 30/03/2026 को रसायन विज्ञान विभाग में छात्र–छात्राओं के ज्ञानवर्धन हेतु एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय "Green Chemistry" - "Sustainable Development" रखा गया। इस अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग प्रभारी ने Green Chemistry के बारे में बताते हुये, ये कहा कि उक्त विषय का तात्पर्य ऐसी रसायनिक प्रक्रियाओं और उत्पादों के विकास से है जो पर्यावरण के लिए सुरक्षित हों और प्रदूषण को न्यूनतम करें। इसमें हानिकारक रसायनों के उपयोग को कम करके, नवीकरणीय संसाधनों के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाता है। हरित रसायन का मुख्य उद्देश्य उत्पादन के दौरान अपशिष्ट और विषैले पदार्थों की मात्रा को यथासंभव कम करनी है। यह अवधारणा सतत विकास को प्रोत्साहित करती है, जिसमें वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के संसाधनों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाता है। इस प्रकार हरित रसायन न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है, बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी सिद्ध होता है।

इस क्रम में रसायन विज्ञान विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा भी Green Chemistry पर अपने विचार प्रकट किये। अंत में छात्र–छात्राओं ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से हरित रसायन पर अपने ज्ञान का संवर्धन किया गया।

सभी कार्यक्रमों में छात्र–छात्राओं ने उत्साह, अनुशासन एवं सृजनात्मकता के साथ सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। परिषद की इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक चिंतन, नवाचार क्षमता एवं आत्मविश्वास का

उल्लेखनीय विकास किया तथा विभाग के शैक्षणिक वातावरण को और अधिक समृद्ध एवं प्रेरणादायी बनाया।

❋ ❋ ❋

कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ 'विमर्श'

डॉ० निधि शुभानंद,
संयोजक

शैक्षिक सत्र 2025–26 में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो० संगीता गुप्ता के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ ''विमर्श'' द्वारा छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व विकास, कौशल संवर्धन, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण तथा मानसिक सशक्तिकरण हेतु विविध कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। प्रकोष्ठ का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक रूप से ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक एवं सामाजिक दृष्टि से भी सक्षम बनाना रहा। वर्ष भर आयोजित गतिविधियों ने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता तथा रोजगारपरक दक्षताओं का विकास किया।

सत्र के प्रारम्भ में **नांदी फाउंडेशन तथा महिंद्रा प्राइड क्लासरूम के सहयोग से छः दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया।** मास्टर ट्रेनर श्री प्रीतम नायर ने कार्यशाला में विद्यार्थियों को संप्रेषण कौशल, व्यक्तित्व विकास, साक्षात्कार तकनीक, समूह चर्चा तथा कार्यस्थल व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने व्यावसायिक कौशल को विकसित किया। कार्यशाला के अंतिम दिन छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किये तथा सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया.

रचनात्मकता एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने हेतु **पिडीलाइट– फेवीक्रिल के सहयोग से एक दिवसीय ''आर्ट एंड क्राफ्ट कार्यशाला''** आयोजित की गई। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों ने रचनात्मक प्रकार से कोस्टर की सजावट कर सृजनात्मक अभिव्यक्ति के विविध आयामों को सीखा। कार्यशाला की मुख्य इंस्ट्रक्टर श्रीमती शुचि टंडन ने विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता एवं उद्यमशीलता की भावना को भी प्रेरित किया।

मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में ''एम्प्लॉयबिलिटी एंड लाइफ स्किल'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में समय प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता, टीम वर्क, सकारात्मक सोच तथा रोजगार से जुड़ी आवश्यक जीवन कौशलों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त छात्र–छात्राओं ने मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के मुख्य कार्यालय, नोएडा का शैक्षिक भ्रमण भी किया, जिससे उन्हें कॉरपोरेट कार्य संस्कृति एवं संगठनात्मक कार्यप्रणाली को निकट से समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

विद्यार्थियों के मानसिक एवं भावनात्मक सशक्तिकरण हेतु **दृष्टि आईएएस** के सहयोग से "Stronger Foundation for a Brighter Self" विषय पर एक ओपन सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में श्री प्रशांत शर्मा ने विद्यार्थियों के साथ आत्मविश्वास, लक्ष्य निर्धारण, सकारात्मक दृष्टिकोण तथा प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। सक्रिय रूप से प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं को दृष्टि आईएएस द्वारा मेडल तथा पुस्तकें प्रदान की गयी।

सहज योग फाउंडेशन के तत्वाधान में ''तनाव प्रबंधन'' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता विंग कमांडर, दिव्या ने योग, ध्यान एवं मानसिक संतुलन की विभिन्न विधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को तनाव मुक्त एवं सकारात्मक जीवन शैली अपनाने हेतु प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने मेडिटेशन सत्र भी आयोजित किया।

प्रतिभा संवर्धन एवं मंच प्रदान करने की दिशा में **आई. टी. एस., मोहन नगर के सहयोग से ''यंग टैलेंट हंट–2026''** के प्रथम चरण का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया। महाविद्यालय के 15 छात्र–छात्राओं ने अंतिम चरण में प्रतिभाग किया। अत्यंत हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय की छात्रा अनामिका, बी. ए. द्वितीय वर्ष ने प्रतियोगिता में पंचम स्थान प्राप्त कर रूपये 2000 की धनराशि पुरस्कार स्वरूप अर्जित की, जिससे महाविद्यालय का गौरव बढ़ा।

वित्तीय जागरूकता एवं आर्थिक साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु आई सी आई सी आई फाउंडेशन तथा NIIT के सहयोग से ''फाइनेंशियल लिटरेसी एंड अवेयरनेस'' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। विद्यार्थियों को बैंकिंग प्रणाली, निवेश, बचत,

डिजिटल भुगतान तथा वित्तीय योजना के महत्व से अवगत कराया गया।

तकनीकी एवं डिजिटल युग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए **"AI Revolution Shaping the Digital World" विषय पर राजकुमार गोयल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गाजियाबाद के संयुक्त** तत्वाधान में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग तथा डिजिटल तकनीकों के आधुनिक स्वरूप एवं उनके भविष्यगत प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसी अवसर पर **राजकुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के साथ एम.ओ.यू. पर भी हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के अंतर्गत महाविद्यालय की दो छात्राओं ने ''शोध 2025–26'' कार्यक्रम में प्रतिभाग कर अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।**

सत्र पर्यन्त सभी कार्यक्रमों, गतिविधियों एवं क्रियाकलापों का आयोजन व संचालन, संयोजक डॉ० निधि शुभानंद द्वारा किया गया। समस्त कार्यक्रमों के आयोजन में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) संगीता गुपता का अमूल्य सहयोग एवं निर्देशन प्राप्त हुआ।

इस प्रकार सत्र 2025–26 में कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ 'विमर्श'' द्वारा आयोजित विविध कार्यक्रमों ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया। प्रकोष्ठ भविष्य में भी विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी, आत्मनिर्भर एवं सामाजिक रूप से उत्तरदायी नागरिक बनाने हेतु सतत प्रयासरत रहेगा।

* * *

सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम

डॉ० विनोद कुमार,
मण्डल एवं जनपद प्रभारी
डॉ० श्वेता शर्मा,
महाविद्यालय प्रभारी

महाविद्यालय में सत्र 2025–26 में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत वृहद स्तर पर विभिन्न गतिविधियां, प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम आयोजित कराए गए। रोड सेफ्टी क्लब के तत्वाधान में पूरे सत्रपर्यन्त शासनादेशानुसार महाविद्यालय में विविध कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं समय–समय पर आयोजित कराये गये। जनपद एवं मंडल स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन भी महाविद्यालय में किया गया।

सर्वप्रथम जुलाई माह में 17/07/2025 से 31/07/2025 तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत सड़क सुरक्षा के नोडल संयोजक श्री विनोद कुमार एवं महाविद्यालय प्रभारी डॉ. श्वेता शर्मा ने प्राचार्य प्रोफेसर संगीता गुप्ता के संरक्षण में सभी छात्र–छात्राओं एवं प्राध्यापको को सड़क सुरक्षा जागरुकता की शपथ दिलायी गई व उन्हें सड़क सुरक्षा के प्रति स्वयं जागरुक रहने एवं अपने आसपास के सभी लोगों को जागरूक करने हेतु प्रतिबद्ध किया।

एन. एस. एस. एन.सी. सी व रोवर्स रेंजर्स इकाइयों के छात्र–छात्राओं ने नंदग्राम क्षेत्र एवं नई बस्ती क्षेत्र में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकालकर आसपास के लोगों को सड़क सुरक्षा व सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं के विषय में जागरूक किया। महाविद्यालय परिसर में भी सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाकर विद्यार्थियों को हेलमेट पहनने के प्रति सचेत एवं जागरूक किया गया व सड़क पार करते समय उन्हें नियमों को ध्यान रखने की जानकारी दी गयी।

सड़क सुरक्षा जागरुकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

छात्र–छात्राओं ने प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया और सड़क सुरक्षा जागरुकता एवं बचाव

विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

भाषा शैली, विषयवस्तु व प्रस्तुतीकरण के आधार पर निम्न छात्र–छात्राओं को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्रदान किए गए–

प्रथम स्थान – चेतना कोरंगा – बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय स्थान – पूजा– बी.ए. तृतीय वर्ष
तृतीय स्थान – शोएब – बी.एससी. तृतीय वर्ष

इसी क्रम में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। छात्र–छात्राओं ने सुंदर पोस्टर्स के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं से बचाव का संदेश दिया। इस प्रतियोगिता में निम्नानुसार विजेता घोषित किए गए–

प्रथम स्थान – चंचल– बी.कॉम. प्रथम वर्ष
द्वितीय स्थान– करन– बी.ए. तृतीय वर्ष
तृतीय स्थान – ओम प्रकाश– बी.एससी. द्वितीय वर्ष

सड़क सुरक्षा जागरुकता के अंतर्गत छात्र–छात्राओं के अभिभावकों को भी ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुक किया गया व उनसे अपील की गई कि वह अपने आसपास रहने वाले लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें जिससे दुर्घटनाओं से बचाव किया जा सका। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने सड़क सुरक्षा का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत अन्य प्राध्यापकों को भी प्रशिक्षित किया गया।

सितम्बर, नवंबर व दिसंबर माह में भी सड़क सुरक्षा जागरुकता से संबंधित अनेक कार्यक्रम यथा सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली, सड़क सुरक्षा जागरुकता विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता, सड़क सुरक्षा जागरुकता विषयक क्विज प्रतियोगिता, सड़क दुर्घटनाओं से बचाव विषय पर भाषण प्रतियोगिता आदि महाविद्यालय में आयोजित किये गये।

अक्टूबर माह में दिनांक 13/10/2025 से 18/10/2025 तक सड़क सुरक्षा सप्ताह आयोजित किया गया। जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं सभी छात्र–छात्राओं ने सड़क सुरक्षा जागरुकता शपथ दोहरायी।

रोवर्स–रेंजर्स ने सड़क सुरक्षा जागरुकता रैली निकालकर लोगो को जागरूक किया। एन. सी. सी कैडेट्स ने आसपास के क्षेत्र में हो रहे गड्ढों का निरीक्षण किया जिससे दुर्घटनाओं से बचाव किया जा सके।

सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, इसमें बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निम्न छात्र–छात्राओं ने प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया–

प्रथम स्थान– सवीना–बी.ए. तृतीय वर्ष
द्वितीय स्थान– चंचल–बी.ए. प्रथम वर्ष
तृतीय स्थान– सचिन – बी.एससी. द्वितीय वर्ष

इसी क्रम में'' सड़क सुरक्षा की आवश्यकता एवं महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

छात्र–छात्राओं ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। इसमें निम्न छात्र–छात्रा विजेता घोषित किए गए–
प्रथम स्थान – चेतना कोरंगा बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय स्थान – आयुष–बी.कॉम. प्रथम वर्ष
तृतीय स्थान – आग्या – बी.ए. तृतीय वर्ष

सड़क सुरक्षा अभियान में छात्र–छात्राओं ने सड़कों पर आकर आते जाते हुए लोगों को हेलमेट पहनने, स्पीड नियंत्रित रखने के लिए जागरूक किया व उनसे पातायात के नियमों का पालन करने की अपील की जिससे पातायात को सुरक्षित बनाया जा सके । वह सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

दिनांक – 02/01/2026 से 31/01/2026 तक सड़क सुरक्षा माह महाविद्यालय में मनाया गया। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत महाविद्यालय में विभित्र कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर दिनांक 23 जनवरी 2026 को आयोजित मानव श्रृंखला कार्यक्रम में प्राध्यापको एवं छात्र–छात्राओं ने वृहद मानव श्रृंखला का निर्माण किया व सड़क सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध रहने की शपथ ली। इसी क्रम में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन सड़क सुरक्षा में युवाओं की भूमिका विषय पर किया गया। इसमें निम्र छात्र–छात्राएं विजेता घोषित किए गए–

प्रथम स्थान– आकांक्षा बी.ए. प्रथम वर्ष
द्वितीय स्थान – इशिता बी. एससी. द्वितीय वर्ष
तृतीय स्थान – पायल बी.ए. द्वितीय वर्ष

आगे ''सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा'' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसने अपने

विचारों को प्रस्तुत किया एवं बताया कि किस प्रकार सड़कों को सुरक्षित करके हम अपने दूसरी के जीवन की सुरक्षाकर सकते हैं।इस प्रतियोगिता में निम्न रात्र–छात्राएं विजेता रहे।

प्रथम स्थान–चेतना, बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय स्थान–चंचल, बी.कॉम. प्रथम वर्ष
तृतीय स्थान–हर्ष, बी.ए. तृतीय वर्ष

इस पखवाड़े के अंतर्गत रोवर्स–रेंजर्स व एन. एस.एस के छात्र–छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आपोजन किया व इस नाट्य के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया और जरा सी चूक होने पर होने वाली बड़ी दुर्घटनाओं और हानि के विषय में बताया। इसमें निम्नलिखित स्थान प्रतिभागियों ने टीम बनाकर प्राप्त किया–
प्रथम स्थान – बी.एससी. – श्रद्धा त्यागी, सिमरन, दिव्यांशी, अनम
द्वितीय स्थान– बी.ए. – काजल, कोमल, चंचल, अजय
तृतीय स्थान– बी.कॉम. – प्रियांशी, चंचल, हर्षिता, खुशी

सड़क सुरक्षा जागरुकता के अंतर्गत लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने हेतु रील बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने अपने में भाग लिया । निम्नलिखित छात्र–छात्राओं ने इसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया–

प्रथम स्थान –सौम्या बी.एससी. द्वितीय वर्ष
द्वितीय स्थान –शोएब बी.एससी. तृतीय वर्ष
तृतीय स्थान – मुन्नी बी.ए. तृतीय वर्ष

सड़क सुरक्षा जागरुकता विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई इस प्रतियोगिता में निम्न छात्र–छात्राएं विजित रहे–

प्रथम स्थान – अनामिका, बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय स्थान–शोएब, बी. एस. सी तृतीय वर्ष
तृतीय स्थान – प्रियांशी, बी. कॉम प्रथम वर्ष

सड़क सुरक्षा जागरुकता के जनपद एवं मंडल स्तरीय कार्यक्रम

महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता विषयक जनपद एवं मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। गाजियाबाद जनपद के सभी महाविद्यालयों में महाविद्यालय कार पर नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता, रील मेकिंग प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर आने वाले छात्र–छात्राओं को आगे जनपद स्तरीय प्रतियोगितओं हेतु चयनित किया गया। जनपद स्तर पर आयोजित सभी प्रतियोगिताओं हेतु निर्णायक मंडल हेतु अन्य महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को आमंत्रित किया गया। जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 24/01/2026 को महाविद्यालय में किया गया।

सड़क सुरक्षा जागरुकता हेतु नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में समय सीमा, नाट्य प्रस्तुतीकरण, विषय की प्रासंगिकता आदि के आधार पर नुक्कड़ नाटक में प्रथम स्थान मान्यवर कांशीराम कॉलेज की श्रद्धा त्यागी, सिमरन, दिव्यांशी और अनम ने द्वितीय स्थान इंग्राहम गर्ल्स इंस्टीट्यूट, गाजियाबाद की सेहा, रितिका, अंजलि, सुनीता ने एवं तृतीय स्थान राम चमेली चड्ढा गर्ल्स कॉलेज, गाजियाबाद की नंदिनी, अंशिका, सौम्या, अंजना ने प्राप्त किया।

भाषण प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं द्वारा सड़क सुरक्षा जागस्कता पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए। समय सीमा के अंतर्गत विषय अनुकूल प्रभावशाली भाषण देने वाले निम्न छात्र–छात्राओं को निर्णायक मंडल ने प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान किये–

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कनिका शर्मा, गिन्नी देवी गर्ल्स कॉलेज, मोदीनगर ने द्वितीय स्थान नेहा सैनी, वी.एम.एल.जी. गर्ल्स कॉलेज, गाजियाबाद व तृतीय स्थान चेतना कोरंगा, मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, गाजियाबाद ने प्राप्त किया।

सड़क सुरक्षा जागरुकता के अंतर्गत संपन्न हुई रील मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सौम्या, मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, गाजियाबाद, द्वितीय

स्थान निशा गौतम, राम चमेली चड्ढा गर्ल्स कॉलेज गाजियाबाद व तृतीय स्थान सुहि शर्मा यात्र गाजियाबाद ने प्राप्त किया।

जनपद स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्राओं को प्रमाणपत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया और आगे मंडल स्तर के लिए चयनित किया गया। मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन महाविद्यालय में दिनांक 30/01/2026 को किया गया। सभी प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल हेतु अन्य महाविद्यालयों के वरिष्ठ प्राध्यापको को नियुक्त किया गया जिससे निष्पक्ष निर्णय किया जाए।
तीनों प्रतियोगिताओं में विषयवस्तु, प्रस्तुतीकरण, भाषा शैली व समय सीमा के आधार पर निर्णायक मंडल में निम्न जनपदों के प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्रदान किया । भाषण प्रतियोगिता में गाजियाबाद जनपद की कनिका शर्मा ने प्रथम स्थान, गौतम बुद्ध नगर की नंदिनी शर्मा ने द्वितीय स्थान व हापुड़ जनपद की शिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

रील बनाने की प्रतियोगिता में गौतम बुद्ध नगर जनपद के बबलू ने प्रथम स्थान, गाजियाबाद सौम्या की ने द्वितीय स्थान व हापुड़ जनपद की ने आयुषी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में हापुड़ जनपद की तैयबा, जैनब, तनु त्यागी और पारुल ने प्रथम स्थान, गाजियाबाद जनपद की श्रद्धा त्यागी, दिव्यांशी, अनम, सिमरन ने द्वितीय स्थान व गौतम बुद्ध नगर की श्रद्धा, निधि, प्राची, प्रगति शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उक्त सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान पर रहे छात्र–छात्राओं को आगे व सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं हेतु चयनित किया गया। सभी विजेता प्रतिभागियों को कार्यक्रम मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री कृपाशंकर एवं श्री मनोज कुमार मिश्रा, एआरटीओ गाजियाबाद ने ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और उनको प्रोत्साहित किया।

सत्र पर्यंत सड़क सुरक्षा जागरूकता के उक्त सभी कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) संगीता गुप्ता के संरक्षण व कुशल मार्गदर्शन में संपन्न किए गए। जनपद एवं मंडल स्तर के नोडल संयोजक श्री विनोद कुमार व सड़क सुरक्षा की महाविद्यालय प्रभारी डॉ. श्वेता शर्मा ने सभी कार्यक्रमों का सफल आयोजन व संचालन किया। सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य डॉ. वसीम मंसूर, डॉ. मीनू वार्ष्णेय व डॉ. अनु मिश्रा ने सड़क सुरक्षा जागरुकता संबंधी सभी कार्यक्रमों के आयोजन में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

महिला प्रकोष्ठ आख्या

डॉ प्रियंका
प्रभारी

आज दिनांक 22.08.2025 को महाविद्यालय में महिलाओं (छात्राओं) की समस्याओं के निवारण एवं सुरक्षा जागरूकता हेतु महिला प्रकोष्ठ का गठन किया गया! छात्राओं को भागीदारी प्रदान करने हेतु तीनों संकाय से छात्राओं को प्रतिनिधित्व दिया गया!
छात्रा प्रतिनिधिः–
बी. एस सी. तृतीय वर्ष– महशर
बी. एस सी. द्वितीय वर्ष– श्रद्धा त्यागी
बी. एस सी. प्रथम वर्ष– योगिता सिंह
बी. ए. तृतीय वर्ष– कोमल सागर
बी. ए. द्वितीय वर्ष– शबीना
बी. ए. प्रथम वर्ष– खुशी
बी. कॉम. तृतीय वर्ष– छवि गौतम
बी. कॉम. द्वितीय वर्ष– राधा कुमारी
बी. कॉम. प्रथम वर्ष– शगुन चौहान

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला प्रकोष्ठ एवं अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ''महिला सशक्तिकरण'' पर कैलीग्राफी एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें काफी संख्या में छात्राओं ने प्रतिभाग किया।
इसी क्रम में महिला प्रकोष्ठ आईक्यूएसी एवं साँस्कृतिक क्लब के संयुक्त तत्वाधान में "Women Safety and POSH Act" विषय पर सेमिनार का आयोजन दिनांक 13.10.2025 को किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ नंदिता शर्मा सर्टिफाइड POSH ट्रेनर के माध्यम से

छात्राओं को POSH एक्ट के सभी नियमों एवं कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

दिनांक 15.10.2025 को मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत जनपद गाजियाबाद के पिंक महिला थाना एवं एक एनजीओ के माध्यम से ''पार्टनर्स का एंपावरमेंट ऑफ वूमेन एंड चिल्ड्रेन'' विषय पर सरकार की महिलाओं हेतु चलायी गई सभी योजनाओं के बारे में विस्तार से छात्रों को जानकारी दी गई जिससे छात्राएं योजनाओं के द्वारा होने वाले लाभ से बहुत उत्साहित हुई।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह 2026 "Give to Gain" थीम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया यथा वूमेन अधिकार एवं सुरक्षा विषय पर डॉक्युमेंट्री, निबंध प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ''महिलाओं की समाज निर्माण में भूमिका'' पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में पिडीलाइट के माध्यम से त्री दिवसीय कार्यशाला (24.03.26,25.03.26 एवं 30.03.26) का आयोजन किया गया जिसमें पिडीलाइट की तरफ से शुचि टंडन द्वारा उक्त तीन दिवस में छात्र–छात्राओं द्वारा प्रथम दिवस पर क्ले एवं कार्निवल कीट एवं एक्रेलिक कलर किट का प्रयोग करके Key chain का आर्टिकल तैयार किया गया। द्वितीय दिवस पर छात्र–छात्राओं द्वारा एमडीएफ बोर्ड, कार्डबोर्ड पर एक्रेलिक कलर के माध्यम से पेंटिंग कर आर्टिकल तैयार किया गया। तृतीय दिवस पर छात्र–छात्राओं द्वारा कार्निवल कीट एवं एक्रेलिक कलर किट के माध्यम से टीशर्ट, शर्ट, कुशन कवर, पिलो कवर आदि विभिन्न आर्टिकल कलर के माध्यम से स्टैंसिल का प्रयोग करके आर्टिकल तैयार किए गए। उक्त कार्यशाला में छात्र–छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग कर विभिन्न आर्टिकल तैयार किए गए। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं को कलात्मक एवं रचनात्मक प्रतिभा के द्वारा रोजगार के अवसर के बारे में प्रोत्साहित करना था जिससे वे स्वयं के व्यवसाय को प्रारंभ कर सकते हैं। कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र–छात्राओं को सर्टिफिकेट भी दिया गया।

दिनांक 16.04.2026 को महिला आरक्षण अधिनियम 2023 ''नारी शक्ति वंदन अधिनियम'' के सपोर्ट में हस्ताक्षर अभियान एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में किया गया! जिसमें सभी छात्र–छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बारे में छात्राओं को संपूर्ण जानकारी देते हुए महिला सुरक्षा, अधिकारों एवं स्वावलंबन के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। इसके साथ ही महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में महिला आरक्षण अधिनियम 2023 ''नारी शक्ति वंदन अधिनियम'' के सपोर्ट हेतु मोबाइल नंबर 966717 3333 पर मिस्ड कॉल के द्वारा महाविद्यालय की सभी छात्राओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को अपना सपोर्ट प्रदान किया।

दिनांक 20.04.2026 को महिला आरक्षण अधिनियम 2023 ''नारी शक्ति वंदन अधिनियम'' के सपोर्ट में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में किया गया। जिसमें छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बारे में छात्राओं को संपूर्ण जानकारी देते हुए महिला सुरक्षा, अधिकारों एवं स्वावलंबन के बारे में बताया गया! सभी कार्यक्रम का आयोजन महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. प्रियंका के द्वारा किया गया।

सभी कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 (डॉ.) संगीता गुप्ता जी के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन के अंतर्गत आयोजित किए गए।

✵ ✵ ✵

क्रीड़ा परिषद्

उत्तम कुमार शर्मा
प्रभारी

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा के साथ–साथ क्रीड़ा की महती भूमिका होती है। खेल–कूद से हमारे मन का तनाव दूर होता है और इससे मन और शरीर को शांति मिलती है। खेल–कूद शरीर में रक्त संचरण को सही रखता है। खेल किसी भी देश के युवाओं का प्रतीक है। इससे देश के लोग स्वस्थ्य और युवा रहते हैं। एक आलस पूर्ण और निष्क्रिय राष्ट्र कभी भी उन्नत नहीं करता है। इसलिए देश का विकास शारीरिक व्यायाम और खेल–कूद पर बहुत निर्भर करता है। ''स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है'' इस उक्ति को चरितार्थ करने हेतु महाविद्यालय में प्रतिवर्ष वार्षिक

खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। ये प्रतियोगितायें विद्यार्थियों में न केवल ''खेल–भावना'' का विकास करती है। अपितु उनमें टीम भावना व नेतृत्व क्षमता का विकास करती है। खेल प्रतियोगिताओं से विद्यार्थीं की छिपी हुई ऊर्जा का उचित प्रयोग किया जाता है। कुछ लोगों का भ्रम है कि खेलने से समय नष्ट होता है बल्कि खेलने से विद्यार्थियों की याद करने व पढ़ने की क्षमता तेजी से बढ़ती है। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी महाविद्यालय में दिनांक 11 व 12 मार्च 2026 को महाविद्यालय में 17 वाँ वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत छात्र व छात्रा वर्ग की बैडमिंटन (सिंगल्स व डबल्स), गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का फेंका, खो–खो, योगासन (सूर्य नमस्कार, नोकासन, सर्वांगासन), रस्सी कूदना, रस्सी खींचना स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के परिणाम तालिका वद्ध हैं। विजेताओं को महाविद्यालय के द्वारा पुरस्कृत किया गया।

वार्षिक क्रीड़ा के विजेता

बैडमिंटन सिंगल्स प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
नैन्सी	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष	प्रथम
टीना	बी०ए० प्रथम वर्ष	द्वितीय
रश्मि	बी०ए० तृतीय वर्ष	तृतीय

बैडमिंटन उबल्स प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
टीना	बी०एसएसी० द्वितीय वर्ष	प्रथम
प्रीति चौधरी	बी०ए० प्रथम वर्ष	प्रथम
प्रीति चौधरी	बीकॉम तृतीय वर्ष	द्वितीय
तमन्ना सिद्धार्थ	बी०ए० तृतीय वर्ष	द्वितीय

गोला फेंक प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
आंचल	बी०कॉम० द्वितीय वर्ष	प्रथम
रश्मि	बी०कॉम० द्वितीय वर्ष	द्वितीय
कुमकुम	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष	तृतीय

भाला फेंक

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
पायल	बी०ए० द्वितीय वर्ष	प्रथम
प्रीति चौधरी	बी० कॉम० तृतीय वर्ष	द्वितीय
आंचल	बी० कॉम० द्वितीय वर्ष	तृतीय

चक्का फेंक प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
निक्की	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष	प्रथम
पूजा	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	द्वितीय
एकता	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष	तृतीय

रस्सी कूद प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
सोनल चौधरी	बी०ए० तृतीय वर्ष	प्रथम
दीपान्श	बी० कॉम० प्रथम वर्ष	द्वितीय
गुलफ्शा	बी०ए० तृतीय वर्ष	तृतीय

सूर्य नमस्कार योगासन प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
निधि भारती	बी0ए0 द्वितीय वर्ष	प्रथम
स्नेहा प्रजापति	बी०ए० द्वितीय वर्ष	द्वितीय
एकता	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष	तृतीय

नौकासन योगासन प्रतियोगिता वा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
मुन्नी	बी०ए० द्वितीय वर्ष	प्रथम
गुनगुन	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	द्वितीय
निशा	बीकॉम तृतीय वर्ष	तृतीय

सर्वांगासन योगासन प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
प्रतिमा	बी०एस०मी० प्रथम वर्ष	प्रथम
तमन्ना सिद्धार्थ	बी०ए० तृतीय वर्ष	द्वितीय
मेघा	बी०ए० द्वितीय वर्ष	तृतीय

खो–खो प्रतियोगिता छात्रा वर्ग विजेता टीम

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
सलोनी	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष	
रश्मि	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष	
निधि भारती	बी०ए० तृतीय वर्ष	
पूजा वर्मा	बी०ए० द्वितीय वर्ष	
गुनगुन	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	
सोनल कुमारी	बी०ए० प्रथम वर्ष	
तमन्ना सिद्धार्य	बी०ए० तृतीय वर्ष	
गुलफ्शा	बी०ए० तृतीय वर्ष	
विद्यावती	बी०ए० तृतीय वर्ष	
एकता	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष	

खो–खो प्रतियोगिता छात्रा वर्ग उपविजेता टीम

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
गुनगुन	बी०कॉम ० प्रथम वर्ष	
चंचल	बी०कॉम ० प्रथम वर्ष	
रेनू	बी०एस०सी० प्रथम वर्ष	
शगुन	बी०कॉम ० प्रथम वर्ष	
सोनल चौधरी	बी०ए० तृतीय वर्ष	
मेघा कुमारी	बी०ए० द्वितीय वर्ष	
वंशिका	बी०कॉम ० प्रथम वर्ष	
साक्षी	बी०ए० द्वितीय वर्ष	
निशा	बी०कॉम ० प्रथम वर्ष	
स्नेहा प्रजापति	बी०ए० द्वितीय वर्ष	
हरशिला	बी०कॉम ० प्रथम वर्ष	

बैडमिंटन सिंगल्स प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
अरबाज	बी०कॉम ० तृतीय वर्ष	प्रथम
आकाश चौधरी	बी०ए० द्वितीय वर्ष	द्वितीय
गौतम कुमार	बी०कॉम ० तृतीय वर्ष	तृतीय

बैडमिंटन डबल्स प्रतियोगिता छात्र धर्म

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
सत्यम	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष	प्रथम
विनय	बी०ए० द्वितीय वर्ष	प्रथम
सुजल	बी०कॉम ० तृतीय वर्ष	द्वितीय
गौतम	बी०कॉम ० तृतीय वर्ष	द्वितीय

रस्सी कूद प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
तुषार	बी०कॉम ० तृतीय वर्ष	प्रथम
सुजल	बी०कॉम ० तृतीय वर्ष	द्वितीय
राहुल	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	तृतीय

सूर्य नमस्कार योगासन प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
विनय	बी०ए० द्वितीय वर्ष	प्रथम
सत्यम	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	द्वितीय
हेमन्त	बी०ए० बी०एस०सी० वर्ष	तृतीय

नौकासन प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
आकाश चौधरी	बी०ए० द्वितीय वर्ष	प्रथम
अंश कौशिक	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	द्वितीय

सर्वांगासन प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
अंशु	बी०कॉम ० प्रथम वर्ष	प्रथम
अरबाज	बी०कॉम ० तृतीय वर्ष	द्वितीय
राहुल	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	तृतीय

चक्का फेंक प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
सत्यम	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष	प्रथम
विनय	बी०ए० द्वितीय वर्ष	द्वितीय
गौरब	बी०ए० द्वितीय वर्ष	तृतीय

भाला फेंक प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
सुहेब	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	प्रथम
सत्यम	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष	द्वितीय
आकाश	बी०ए० द्वितीय वर्ष	तृतीय

गोला फेंक प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
विनय	बी०ए० द्वितीय वर्ष	प्रथम
सत्यम	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष	द्वितीय
आकाश	बी०ए० द्वितीय वर्ष	तृतीय

खो–खो प्रतियोगिता छात्र वर्ग विजेता टीम

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
विनय	बी०ए० द्वितीय वर्ष	
सत्यम	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष	
सुहेब	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	
आकाश	बी०ए० द्वितीय वर्ष	
अंशु	बी०कॉम ० प्रथम वर्ष	
हिमांशु	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	
अंश कौशिक	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	

खो–खो प्रतियोगिता छात्र वर्ग उपविजेता टीम

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
तुषार	बी०कॉम ० तृतीय वर्ष	
अरबाज	बी०कॉम ० तृतीय वर्ष	
सुजल	बी०कॉम ० तृतीय वर्ष	
राहुल	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	
गौरव	बी०ए० तृतीय वर्ष	
रवि	बी०ए० तृतीय वर्ष	
अमन	बी०ए० तृतीय वर्ष	
हेमन्त	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	

✹ ✹ ✹

मिशन शक्ति पंचम चरण

ले० (डॉ.) मीनू वार्ष्णेय
मिशन शक्ति प्रभारी

उ० प्र० सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत 20/9/25 को मिशन शक्ति 5.0 के शुभारम्भ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विद्यार्थियों के लिये किया गया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ० संगीता गुप्ता ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि मिशन शक्ति महिलाओं, बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिये सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सिर्फ एक सरकारी योजना ही नहीं बल्कि एक सामाजिक आंदोलन भी है। ताकि हमारी बहन–बेटियाँ निर्भय होकर शिक्षा, रोजगार और जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकें।

महाविद्यालय की छात्राओं के लिये एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। आयुष विभाग की आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ० रजनी के द्वारा परामर्श दिया गया तया एक अतिथि व्याख्यान भी दिया जिसमें महिलाओ से सम्बन्धित रोगों तथा उनके निदान पर विस्तृत चर्चा की गयी।

बालिकाओं की सुरक्षा प्रशिक्षण हेतु ''आत्म रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ''दुर्गा शक्ति आत्म रक्षा समिति '' के प्रशिक्षक श्री जितेन्द्र सिंह ने छात्राओं को आत्मरक्षा की विभिन्न उपयोगी तकनीकियों की जानकारी दी और अभ्यास कराया। अचानक आई विषम परिस्थितियों से मुकाबले के लिये उपयोगी प्रहारों तथा वारों की जानकारी दी।

महाविधालय में नवरात्रि के अवसर पर शक्ति पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कन्याओं को भोग लगाया गया। इस अवसर पर जन प्रतिनिधि डॉ० अभिषेक शर्मा उपस्थित रहे।

''गुड टच व बेड ट्च'' विषय पर जागरूकता के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविधालय की छात्राओं के द्वारा महिला सशक्तिकरण रैली निकाली गयी। महाविधालय में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की गयी। महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षित व सबल रखने की प्रेरणा हेतु एक नुक्कड नाटक का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की छात्राओं को विभिन्न हेल्प लाइन नं0 112, 1090, 81, 108 जो कि भारत एंव प्रदेश सरकार द्वारा संचालित है की जानकारी भी दी गयी।

इसी क्रम में मिशन शक्ति फेज–05 के द्वितीय चरण में महिला सशक्तिकरण पर इतिहास विभाग की प्राध्यापिका डॉ० श्वेता शर्मा के द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया गया। महाविधालय की छात्राओं के द्वारा एक नुक्कड नाटक आयोजित किया गया। जिसके द्वारा लैंगिक असमानता, महिला शोषण, आत्मनिर्भरता आदि महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

सभी कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुये।

✹ ✹ ✹

महाविद्यालय परिवार

प्रथम पंक्ति (दाएं से बाएं)

डॉ० निधि शुभानन्द, डॉ० बॉबी यादव, डॉ० राजीव वर्मा, प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता (प्राचार्या), प्रो० (डॉ०) ज्योति यादव, श्री योगेन्द्र सिंह, प्रो० (डॉ०) अरविन्द कुमार यादव

द्वितीय पंक्ति (दाएं से बाएं)

श्री वसीम मंसूर, डॉ० भगत सिंह, डॉ० अनु मिश्रा, डॉ० प्रियंका, डॉ० मीनू वार्ष्णेय, डॉ० मीनू चौधरी, डॉ० श्वेता शर्मा, प्रो० (डॉ०) प्रीति गोयल, श्री उत्तम कुमार शर्मा, श्री अवधेश सक्सेना

तमसो मा ज्योतिर्गमय
मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय
सद्दीक नगर, नन्दग्राम, गाजियाबाद (उ.प्र.) – 201003
वेबसाइट : www.mkrgc.in, ई-मेल : info@mkrgc.in